राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 16 मई 2026
वर्ष 07,अंक 220, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विभाग में किये जा रहे भ्रष्टाचार....02

नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल का असर तेज, जोन-6 कार्यालय पर लगा ताला...11

कुछ युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जो व्यवस्था पर हमला करते हैं..सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी
- सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका और लीगल सिस्टम पर बढ़ते बेवजह हमलों पर कड़ी फटकार लगाई
- सीजेआई ने 'नकली वकीलों' और 'पैरासाइट' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कानूनी पेशे में अनुशासन की कमी और फर्जी डिग्री पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ज्यूडिशियरी और लीगल सिस्टम पर बढ़ते और बेवजह हमलों पर कड़ी फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि कुछ बेरोजगार युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान. इनमें से कुछ मीडिया में जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया में, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बनते हैं, कुछ अन्य कार्यकर्ता बनते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं यह टिप्पणी सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एडवोकेट संजय दुबे की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें सीनियर एडवोकेट के डेजिग्नेशन से जुड़ी सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस को लागू करने में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा कथित देरी पर कंटेम्प्ट एक्शन की मांग की गई थी।

बेंच ने अर्जी पर सुनवाई करने से मना कर दिया और पिटीशनर के बर्ताव पर कड़ी नाराजगी जताई. बेंच ने कहा कि सीनियर एडवोकेट का डेजिग्नेशन कोर्ट की तरफ से दिया गया एक सम्मान है, न कि लिटिगेशन के जरिए इसे आगे बढ़ाने की कोई चीज.

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, कही ये बात

बेंच ने पूछा, आप इसे आगे बढ़ा रहे हैं. क्या यह सही लगता है? साथ ही, यह सवाल भी किया कि क्या सीनियर डेजिग्नेशन सिर्फ एक स्टेटस सिंबल है जिसे सिर्फ दिखाने के लिए रखा जाए. जस्टिस बागची ने कहाः क्या सीनियर एडवोकेट का टैग एक स्टेटस सिंबल है जिसे दिखाने के लिए रखा जाए या यह जस्टिस सिस्टम में आपके हिस्सा लेने के लिए है?

सुनवाई के दौरान एक समय पर, बेंच ने पिटीशनर से कहाः पूरी दुनिया सीनियर (एडवोकेट) बनने के लायक हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं. नाराज दिख रहे सीजेआई ने पिटीशनर द्वारा फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया और चेतावनी दी कि ऐसा बर्ताव लीगल प्रोफेशन के सदस्यों से उम्मीद किए जाने वाले अनुशासन के खिलाफ है. सीजेआई ने कहा, लोगों को समझने दो कि आप फेसबुक पर किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं. मैं आपको दिखाऊंगा कि प्रोफेशन में डिसिप्लिन का क्या मतलब है. कोर्ट ने आगे कहा कि समाज में पहले से ही पैरासाइट हैं जो इंस्टीट्यूशन पर हमला कर रहे हैं और सवाल किया कि क्या पिटीशनर उनसे हाथ मिलाना चाहता है।

व्यवस्था पर परजीवी हमला कर रहे

बेंच ने कहा, समाज में पहले से ही पैरासाइट हैं जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं? सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने कथित तौर पर नकली या संदिग्ध डिग्री रखने वाले वकीलों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता जताई और सुझाव दिया कि इस मामले की जांच होनी चाहिए सीजेआई कांत ने कहा, हजारों धोखेबाज लोग काले कपड़े पहने हुए हैं और उन्हें अपनी डिग्री पर गंभीर शक है। सी.बी.आई को कुछ करने की जरूरत है। बेंच ने आगे कहा कि आइडियली सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को नकली लॉ डिग्री के मामले की जांच करनी चाहिए, साथ ही कहा कि बार काउंसिल के अधिकारी शायद ही सख्ती से कार्रवाई करेंगे क्योंकि उन्हें उनके वोट चाहिए। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, इसमें कहा गया कि बार काउंसिल बॉडी इस मुद्दे पर कभी कुछ नहीं करेंगी क्योंकि उन्हें उनके वोटों की जरूरत है।

जैसे-जैसे सुनवाई आगे बढ़ी, पिटीशनर ने कोर्ट से माफी मांगी और अर्जी वापस लेने की इजाजत मांगी. बेंच ने आखिरकार अर्जी वापस लेने की इजाजत दे दी।

नीट यूजी रीटेस्ट 21 जून को, पेपर लीक की सरकार ने जिम्मेदारी ली, सुधार का वादा

ब्यूरो प्रयागराज। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 की री-एग्जाम की तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एनटीए ने री-एग्जाम 21 जून 2026 (रविवार) को कराने का फैसला लिया है। पिछली प्रवेश परीक्षा रद्द घोषित हो चुकी है। एनटीए ने भारत सरकार की मंजूरी के साथ जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी है। वादा किया गया है कि नई परीक्षा में बढ़ी हुई सुरक्षा और निगरानी के सख्त इंतजाम किए जाएंगे। नीट यूजी 2026 की मूल परीक्षा पेपर लीक के बड़े विवाद के कारण रद्द कर दी गई थी। इस घटना ने देशभर के छात्रों और अभिभावकों में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया था। लाखों मेडिकल अभ्यर्थियों की तैयारी और भविष्य प्रभावित होने के कारण परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया। सीबीआई इस पेपर लीक मामले की जांच तेजी से कर रही है।

लंबी खामोशी के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शुक्रवार को मीडिया के सामने आए। प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद, खामी रह गई। हम इसे स्वीकार करते हैं और इसे सुधारने की जिम्मेदारी लेते हैं।' केंद्रीय मंत्री 2024 के नीट परीक्षा परिणाम लीक के बाद गठित पूर्व इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति का जिक्र कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने परीक्षा प्रक्रिया में सुधार के लिए 95 व्यापक सिफारिशें की थीं, लेकिन निर्देशों के अनुसार उनका पालन नहीं किया गया।

उनके अनुसार, परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी, लेकिन 7 मई तक एनटीए को शिकायतें मिलीं कि अनुमानित प्रश्नपत्रों में कई सवाल वास्तविक परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाते हैं। इसके बाद उच्च शिक्षा विभाग ने जांच शुरू की और केंद्रीय एजेंसियों को इसमें शामिल किया, जिन्होंने राज्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और 12 मई तक पुष्टि की कि वास्तविक प्रश्नपत्र वास्तव में प्रभावित हुआ था।

एनटीए पर चुप्पीः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे एनटीए में कथित तौर पर अंदरूनी लोगों की संलिप्तता के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, ' प्रधान ने कहा कि सरकार ने परीक्षा रद्द करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वह ईमानदार छात्रों को धोखाधड़ी करने वालों के संगठित नेटवर्क और 'शिक्षा माफिया' की वजह से नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले साल के विवाद के बाद राधाकृष्णन समिति द्वारा सुझाए गए कई सुधार नीट 2025 और 2026 के लिए पहले ही लागू किए जा चुके थे, लेकिन इन सुरक्षा उपायों के बावजूद भी परीक्षा लीक हो गई।

उम्मीदवारों को परीक्षा का शहर चुनने की अनुमति दी जाएगी, जिसका उद्देश्य यात्रा का बोझ कम करना और परीक्षा रद्द होने के बाद दोबारा परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों के लिए प्रक्रिया को आसान बनाना है।मंत्री ने यह भी पुष्टि की कि नीट यूजी रीटेस्ट के नए एडमिट कार्ड 14 जून, 2026 तक एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए जाएंगे।छात्र अपने मौजूदा आवेदन क्रेडेंशियल का उपयोग करके अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकेंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

अज्ञात कारणों से लगी आग, तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख

गैसड़ी क्षेत्र के मदरहवा परड़ौना गांव में किसान को भारी नुकसान, मचा हड़कंप

बलरामपुर तुलसीपुर तहसील अंतर्गत विकास खंड गैसड़ी के ग्राम मदरहवा परड़ौना निवासी महेंद्र कुमार पाल पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल पाल की लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल अज्ञात कारणों से लगी आग में जलकर राख हो गई। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया तथा किसान परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जाता है कि खेत में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब तीन बीघा गन्ने की खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी फसल जल चुकी थी। पीड़ित किसान महेंद्र कुमार पाल ने बताया कि गन्ने की फसल ही उनके परिवार की मुख्य आय का साधन थी। आग लगने से उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर पीड़ित किसान को उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। घटना के बाद गांव में मायूसी का माहौल है। किसानों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी और सूखे मौसम में खेतों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे किसानों की मेहनत पलभर में बर्बाद हो जा रही है।

आगरा का चर्चित राज चौहान हत्याकांड, नई उमर का गैंगस्टर आलोक यादव से जुड़े तार

आगरा। राज चौहान की हत्या में ट्रांस यमुना पुलिस ने गैंगस्टर आलोक यादव को 120बी का मुल्जिम बनाया है। फिरोजाबाद जेल में निरुद्ध गैंग्स्टर को गुरुवार को पुलिस ने बी वारंट पर आगरा लेकर आई। दीवानी न्यायालय में उसकी पेशी कराने के बाद उसे फिरोजाबाद जेल में दाखिल किया गया। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद पुलिस उसके बयान दर्ज करेगी। मोनू यादव की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा की दृष्टि से आगरा जिला जेल से आलोक को फिरोजाबाद जेल भेजा गया था। ट्रांस यमुना के टेढ़ी बगिया स्थित गेस्ट हाउस में 23 जनवरी को ताबड़तोड़ फायरिंग करके राज चौहान की हत्या कर दी गई थी। पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपित अरबाज खान ढेर हो गया था। हाल ही में पुलिस ने मोनू यादव को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।

जिले का रजिस्ट्री ऑफिस बना जंग का अखाड़ा, मानसिक रोगी पिता की जबरन रजिस्ट्री कराने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के रजिस्ट्री कार्यालय में गुरुवार को उस समय हंगामे की स्थिति पैदा हो गई जब जमीन हड़पने की नीयत से मानसिक रोगी बुजुर्ग की कथित तौर पर जबरन रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया। विरोध करने पहुंचे बेटे और उसके परिवार के साथ मारपीट किए जाने, महिला के साथ अभद्रता तथा मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी गई है।कोतवाली थाना क्षेत्र के समरधीर गांव निवासी धर्मेन्द्र पाण्डेय उर्फ पुट्टू बाबा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 14 मई की सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग उनके मानसिक रूप से बीमार पिता को रजिस्ट्री कार्यालय ले जाकर जबरन जमीन की रजिस्ट्री कराने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलने पर वह अपनी मां के साथ तत्काल रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे।धर्मेन्द्र पाण्डेय का आरोप है कि वहां पहले से मौजूद बाल गोविंद पाण्डेय, पवन कुमार पाण्डेय निवासी समरधीर, रतन शुक्ला निवासी परासडीह, गुल्ली बाबा तथा तीन-चार अज्ञात लोगों ने उन्हें देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों और हाथ-पैरों से मारपीट की।

तहरीर में कहा गया है कि बीच-बचाव करने पहुंची उनकी मां और पत्नी बबली पाण्डेय के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने पत्नी की साड़ी खींचते हुए उनका मंगलसूत्र तोड़ दिया। घटना के दौरान हुई मारपीट में धर्मेन्द्र गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गए। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए और जाते समय उनका मोबाइल फोन भी छीन ले गए।

होश आने के बाद धर्मेन्द्र पाण्डेय सिविल लाइन चौकी पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी लगातार उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं तथा जमीन कब्जाने की साजिश कर रहे हैं।पीड़ित ने कोतवाली प्रभारी से मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आशा कार्यकर्ताओं का भुगतान संकट, बढ़ोतरी और भुगतान दोनों लंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं में गहरा असंतोष व्याप्त है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरवरी 2026 में विधान परिषद में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया था, लेकिन अब तक न तो वृद्धि लागू हुई है और न ही पिछले दो महीनों (मार्च-अप्रैल) का भुगतान किया गया है। प्रदेश की लगभग 2.5 लाख आशा कार्यकर्ताएं इस समस्या से जूझ रही हैं। कई जिलों में फरवरी का बकाया भी लंबित बताया जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि घोषणा के तीन महीने बाद भी जमीनी स्तर पर कोई राहत नहीं मिली है।

वर्तमान स्थिति- इंसेंटिव (विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर) भी समय पर नहीं मिल पा रहा। कार्यकर्ताओं की मुख्य मांगः कुल मानदेय 12,000 प्रतिमाह किया जाए।

आशा कार्यकत्री है नाराजः आशा कार्यकर्ता संघों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के ऐलान के बावजूद स्वास्थ्य विभाग और वित्त विभाग में समन्वय की कमी के कारण बढ़ोतरी और बकाया भुगतान अटका हुआ है। एक आशा कार्यकर्ता ने बताया, 'सरकार ने मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया था, हमने उम्मीद जताई थी। लेकिन दो महीने से वेतन नहीं मिला तो परिवार कैसे चलेगा? टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य कार्यक्रमों में दिन-रात काम करती हैं, लेकिन सम्मानजनक भुगतान नहीं मिलता।

- आशा कार्यकर्ताएं ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं।

- कोविड काल से लेकर वर्तमान तक उन्होंने टीकाकरण, टीबी उन्मूलन, एनसीडी नियंत्रण और स्वच्छता अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाई है। - विशेषज्ञों का मत है कि समय पर भुगतान और उचित मानदेय न मिलने से इनकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। आशा संघों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्वास्थ्य मंत्री से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बकाया भुगतान और मानदेय बढ़ोतरी नहीं हुई तो पूरे प्रदेश में विरोध और कार्य बहिष्कार का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

मैगी और तरबूज बना जहर! गोरखपुर में एक ही परिवार के 9 लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार, एक की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मैगी और तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के 9 लोग अचानक फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। घटना मलांव गांव की है, जहां शाम होते-होते पूरे परिवार में चीख-पुकार मच गई। उल्टी, दस्त और सांस लेने में दिक्कत शुरू होने के बाद सभी को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें एक सदस्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक मलांव गांव निवासी बैजनाथ पाण्डेय (68) और उनके भाई अमरनाथ पाण्डेय (65) के परिवार के लोगों ने गांव की एक दुकान से मैगी मंगवाकर खाई थी। कुछ देर बाद घर के बाहर साइकिल पर तरबूज बेच रहे फेरीवाले से तरबूज खरीदकर परिवार के कई सदस्यों ने उसे भी खाया।

शुरुआत में सब सामान्य रहा, लेकिन शाम करीब 6 बजे अचानक एक-एक कर सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों के मुताबिक पहले तेज उल्टी और दस्त शुरू हुए, फिर कई लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ती देख ग्रामीणों की मदद से सभी को पहले स्थानीय डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अस्पताल में भर्ती लोगों में बैजनाथ पाण्डेय, अमरनाथ पाण्डेय, शैल कुमारी (63), अंशु पाण्डेय (26), पूर्णिमा पाण्डेय (25), मासूम वेदांत पाण्डेय (3), हन्नू पाण्डेय (2), नेहा पाण्डेय, जगदीश दुबे और सौरभ त्रिपाठी शामिल हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जिला अस्पताल के डॉक्टर वीके सुमन के अनुसार मामला फूड प्वाइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि गर्म खाद्य पदार्थ खाने के तुरंत बाद अधिक पानी वाले ठंडे फल खाने से बैक्टीरियल संक्रमण तेजी से फैल सकता है। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है और एक गंभीर मरीज की लगातार निगरानी की जा रही है। इस घटना ने गांवों में खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थों और कटे फलों की गुणवत्ता पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

सी एम ओ के लापरवाही से बिना सूचना के डियूटी से गायब मिले डेन्टल हाईजिनिस्ट

- हरीश कुमार गुप्ता चल रहे अपने क्लीनिक

बिना सूचना व बिना आनलाइन अवकाश लिए ही डियूटी से गायब रहने का लगातार खेल खेल रहा डेन्टल हाईजिनिस्टड्यूटी से गायब हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई न होने से हरीश कुमार गुप्ता का बढ़ रहा मनोबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में स्वास्थ्य विभाग इस समय सरकार से वेतन लेकर अपना निजी क्लीनिक चला रहे हैं बस्ती स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदार अधिकारी मोटी रकम लेकर के इनको खुली छूट दे रखी है वेतन लेंगे सरकार से चलाएंगे अपना क्लीनिक जिलेमें डॉक्टर अपना निजी क्लीनिक चला रहे हैं इस मामले पर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुछ बोलने से इंकार है जिसका जीता जागता है उदाहरण बस्ती सीएमओ के नाक के नीचे टीवी हॉस्पिटल केजिला क्षय रोग अधिकारी गायब रहकर अपना क्लीनिक चला रहे हैं इसी तरहसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर पर कार्यरत डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता एक बार पुनः फिर बिना किसी सूचना के डियूटी से गायब थे जिसका खुलासा मीडिया टीम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर पड़ताल में हुआ। आपको बता दें कि अभी पिछले महीने में भी डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता बिना किसी सूचना के डियूटी से गायब थे और

डियूटी के दौरान घर पर निजी क्लीनिक पर इलाज कर रहे थे जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर अधीक्षक डा0 पवन वर्मा ने नोटिस जारी किया था और डेन्टल हाईजिनिस्ट ने अधीक्षक के नोटिस का जबाव ही नही दिया था बाद में अधीक्षक ने मजबूर होकर बिना सूचना के डियूटी से गायब रहने के मामले में वेतन कटौती करने का आदेश दिया है और निजी क्लीनिक चलाने के मामले की जांच डिप्टी सीएमओ डा0 ए0 के 0 चौधरी को मिली थी। डिप्टी सीएमओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच किया था और जांच के दौरान निजी क्लीनिक पर कार्य करते डेन्टल हाईजिनिस्ट मिले थे। जांच अधिकारी ने तत्काल निजी क्लीनिक को सीज किया था और भविष्य में पुनः संचालित न करने की चेतावनी दी थी। डिप्टी सीएमओ ने समस्त जांच रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी है लेकिन एक सप्ताह से अधिक का समय बीतने के बाद भी मनमानी डियूटी करने वाले डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ विभागीय कार्यवाही नही हो पाई है। जांच रिपोर्ट प्रेषित होने के बाद भी डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई न होने से डेन्टल हाईजिनिस्ट का मनोबल बढ़ रहा है जिससे स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है यदि ऐसे ही स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया रहा तो स्वास्थ्य विभाग में कभी भी भ्रष्टाचार खत्म नही होगा।

इस सम्बंध में सीएचसी प्रभारी डा0 पवन वर्मा ने बताया कि हमे डियूटी से गायब डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के बारे में कोई जानकारी नही है। हरीश कुमार गुप्ता ने अवकाश के लिए भी आनलाइन आवेदन नही किया है और न ही कोई लिखित सूचना दिया है। उक्त प्रकरण में सीएमओ डा0 राजीव निगम ने बताया कि जांच कराकर पुनः कारण बताओ नोटिस जारी किया जायेगा और डियूटी से गायब रहने के मामले में कड़ी कार्यवाही होगी।

योगी सरकार की सामूहिक विवाह योजना का बड़ा असर

पिछले नौ वर्षों में 52,134 अल्पसंख्यक जोड़ों का विवाह।

सामाजिक समरसता और समानता का बड़ा संदेश देती योजना।

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरी है। खासतौर पर अल्पसंख्यक समाज के हजारों परिवारों को इस योजना से राहत और सम्मान मिला है। पिछले नौ वर्षों में अल्पसंख्यक वर्ग के 52,134 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत संपन्न कराया जा चुका है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और समानता का भी बड़ा संदेश दे रही है। योगी सरकार लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि प्रदेश में विकास और कल्याणकारी योजनाओं का आधार जाति या धर्म नहीं, बल्कि जरूरत और पात्रता है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसका बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है।

संक्षिप्त खबरें

रास्ते को लेकर सात घण्टों तक निपटारा करने में उलझे रहे प्रशासनिक अधिकारी

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ नगर पंचायत के खुनुवा बाईपास स्थित गैस एजेंसी के निकट रास्ता विवाद को लेकर शुक्रवार पूरा दिन (सात घण्टों तक) मामला उलझा रहा। मामला को निपटारा करने के लिये एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, राजस्व निरीक्षक अवधेश सिंह, राजस्व निरीक्षक नवनीत नागर, लेखपाल संतोष शुक्ला, लेखपाल मोहित सिंह, प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, सूर्य प्रकाश पाण्डेय आदि लोग डटे रहे। कस्बा निवासी रामदेव यादव की भूमि तथा उत्तमा सोनी एचपी गैस ग्रामीण वितरण केंद्र संचालक राजेश कुमार आर्या की बैनामा शुदा जमीन शामिल थी। आरोप है कि जब गैस एजेंसी संचालक राजेश आर्या अपनी बैनामा शुदा भूमि पर गेट निर्माण करवा रहे थे, तभी तहसील प्रशासन ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। खुनुवा बाईपास रोड से गैस एजेंसी व आगे के प्लाट खरीदारों व अन्य लोगों के रास्ता को लेकर शुक्रवार को मामला तूल पकड़ लिया। विवाद बढ़ता देख प्रशासनिक अधिकारी व राजस्व विभाग टीम के कड़ी मशक्कत से करीब साढ़े छः घंटे चली पैमाइश और सीमांकन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट माना कि किसी अन्य व्यक्ति की निजी संपत्ति से अवैध अथवा अनाधिकृत रास्ता नहीं दिया जा सकता। संबंधित भूमि पर उसी व्यक्ति का वैध कब्जा माना जाएगा, जिसकी संपत्ति है। सीमांकन के बाद जेसीबी मशीन बुलाकर गड्ढा भी खुदवाया गया, ताकि जमीन का स्पष्ट बंटवारा किया जा सके। एसडीएम क़ई मौजूदगी में रास्ता को लेकर हुये निर्णय से लोगों ने राहत की सांस ली।

सिद्धार्थनगर में अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

मृतक फाइल फोटो

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक संतोष कुमार गुप्ता की मौत हो गई। सदर थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के वार्ड नंबर-5, मोहल्ला साड़ी निवासी संतोष को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।पुलिस के अनुसार संतोष कुमार गुप्ता अपनी रिश्तेदारके यहां से नौगढ़ स्थित घर लौट रहे थे। वह बाइक से सिद्धार्थनगर मुख्यालय की ओर जा रहा था । थाना क्षेत्र के ग्राम फुलवरिया कला के पास मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सोहांस चौकी पुलिस को सूचना दी।पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायल संतोष को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार वाहन की तलाश कर रही है। परिजनों के अनुसार, संतोष मेहनत-मजदूरी कर अपने वृद्ध माता-पिता का सहारा था। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां मुख्य रूप से उसी के कंधों पर थीं। उसकी एक बहन की शादी अभी बाकी है। करीब एक वर्ष पहले ही संतोष की शादी हुई थी।

यूपी में दुष्कर्म के बाद तेजाब पीलाकर युवती की हत्या करने वाले को उम्रकैद

फर्रुखाबाद। चार वर्ष पहले अपहरण कर दुष्कर्म करने के बाद युवती की तेजाब पिलाकर हत्या करने के मुकदमे में दोष सिद्ध युवक को विशेष अदालत एससीएसटी के न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा 1.50 लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया है। नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने पांच नवंबर 2021 को मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें कहा था कि उसकी पुत्री का विवाह तय होने के कुछ दिन बाद बरात आनी थी। 12 जुलाई 2021 को हिमांशु राठौर ने अपने दो साथियों के सहयोग से उसकी पुत्री का अपहरण कर लिया व फिरोजाबाद में अपने बहन-बहनोई के यहां बंधक बना कर रखा। वहां हिमांशु ने उसकी पुत्री के साथ कई दिन तक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर पुत्री को जबरन तेजाब पिला दिया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विभाग में किये जा रहे भ्रष्टाचार

● अनैतिक धना-दोहन का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार द्वारा विभाग में किये जा रहे भ्रष्टाचार व अनैतिक धना-दोहन का ग्रामीणों ने लगाया आरोपजिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती अनूप कुमार द्वारा शासन से परिषदीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों तथा पीएम श्री विद्यालयों में भेजे जा रहे धन पर वृहद मात्रा में कमीशन खोरी की जा रही है अनेक मदों हेतु भेजे गये धन को पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से जबरियन प्रधानाध्यापकों से निकलवा लिया जा रहा है धन तथा उस मद का कार्य भी नहीं कराया जाता है। इनके द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार से ग्रामीणों में काफी रोष है विभाग द्वारा परिषदीय विद्यालयों में बाल पेन्टिंग हेतु धन प्रबन्ध समिति के खाते में भेजा गया था, प्रधानाध्यापक द्वारा स्थानीय स्तर पर यह कार्य कराया जाना था किन्तु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती श्री अनूप कुमार द्वारा बाल पेन्टिंग का कार्य केन्द्रीय कृत करते हुए सभी परिषदीय विद्यालयों में एक ही फर्म आशी इण्टरप्राइजेज मोहल्ला वैदेन टोला, बदांयू से बड़े मात्रा में कमीशन लेकर बाल पेन्टिंग का कार्य दे दिया गया जिन प्रधानाध्यापकों द्वारा इनके भेजे गये फर्म को काम नहीं दिया गया उन विद्यालयों का खण्ड शिक्षा अधिकारियों/ जिला समन्वयकों से निरीक्षण कराकर उत्पीड़न कराया गया तथा बाल पेन्टिंग हेतु भेजे गये धन का 15 प्रतिशत कमीशन भी लिया गया। जैसा कि आरोप ग्रामीणों के द्वारा अनूप कुमार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती जब से कार्यभार ग्रहण किये है, इनके तथा जिला समन्वयक निर्माण श्री राजेश कुमार प्रजापति द्वारा वृहद मरम्मत, लघु मरम्मत के नाम पर अनेकों बिना आवश्यकता वाले परिषदीय विद्यालयों में धन भेज दिया जाता है जबकि मरम्मत हेतु आवश्यकता वाले विद्यालय वंचित रह गये है जिन विद्यालयों में वृहद तथा लघु मरम्मत हेतु धन भेजा जाता है वहां के शिक्षकों से 15 से 20 प्रतिशत कमीशन वसूला जाता है और शिक्षकों को निम्न स्तर का कार्य करवाने का प्रोत्साहन दिया जाता है। दो-तीन वर्ष पूर्व में वृहद लघु मरम्मत हेतु धन भेजे गये अनेकों विद्यालयों को जर्जर दिखा करके ध्वस्तीकरण कराया गया तथा उस स्थान पर नवीन विद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। इस तरह का कार्य वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय मुड़घाट वि0क्षे0 बस्ती सदर में कराया जा रहा है।

अनूप कुमार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती द्वारा अनेकों विद्यालयों के प्रधानाध्यापक से नवीन निर्माण हेतु आये अतिरिक्त कक्षा-कक्ष का लाखों रूपये का मद पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से निकलवा लिया गया और नियम विरूद्ध ढंग से बाहरी ठेकेदारों से नवीन निर्माण का कार्य कराया गया है। पीएमश्री विद्यालय पीएमश्री विद्यालय सहिजनपुर कोठवाभरतपुर, वि0 क्षे0-बहादुरपुर वि0 क्षे0-कप्तानगंज के प्रधानाध्यापकों से पी0 एफ0 एम0 एस0 से निर्माण मद का धन निकलवाकर अपने चहेते ठेकेदार से मानक विहीन ढंग से काम करवाते हैं। तो वहीं दूसरी तरफ बात करें विकासखंड परशुरामपुर अंतर्गत पीएम श्री विद्यालय जगदीशपुर की जहां पर 50 से अधिक बच्चों की टीसी न मिलने से इस साल की पढ़ाई नहीं हो पाने का दर्द भी बच्चों ने बया किया और यहां के विद्यालय के अंदर जो भी मिड डे मील अंतर्गत सामान सप्लाई लोग करते हैं उन दुकानदारों का भी लगभग 8 से 9 महीने का वेतन भुगतान बाकी है रसोईया का भी यही हाल है झाड़ू लगाने वाले सफाई कर्मचारी का भी यही हाल है गांव वालों का साफ़ कहना है कि अगर 2 दिन में हमारी मांगों को नहीं माना गया और बच्चों की टीसी नहीं दी गई तो हम अनवरत तरीके से क्क्र कार्यालय का घेराव करेंगे धरना वहां पर देंगे निश्चित कालीन और तब तक धरना देंगे जब तक वहां से हमें संतुष्ट नहीं किया जाता है।

जिलाधिकारी अमेठी व पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा जनपद के व्यापारी बन्धुओं के साथ कलेक्ट्रेट सभागार की गयी गोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी अमेठी व पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार गौरीगंज में जनपद के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों, बर्तन व सर्राफा व्यवसायियों, पेट्रोल पंप संचालकों, गेस्ट हाउस संचालकों आदि जनपद के व्यापारी बन्धुओं के साथ गोष्ठी की गयी। बैठक में व्यापारी बन्धुओं को 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत जागरूक करते हुए सुरक्षा के दृष्टिगत अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने हेतु अपील की गई विशेषतः ज्वैलर्स की दुकानों पर अन्दर के साथ बाहर की ओर भी सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाने हेतु अपील की गई ताकि किसी भी प्रकार की घटना होने पर खुलासा करने में मदद मिल सके। गोष्ठी में व्यापारी बन्धुओं से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सुझाव लिये गये तथा सड़कों से अतिक्रमण हटाने संबन्धी आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई। व्यापारी बन्धुओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं के निराकरण हेतु संबन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये व उनकी सुरक्षा के सम्बन्ध में आश्वस्त किया गया। व्यापारी बन्धुओं को अपने प्रतिष्ठान से बड़ी धनराशि का परिवहन करते समय स्थानीय पुलिस की सहायता लेने हेतु अवगत कराया गया। इस दौरान अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

बेटी की विदाई से पहले घर में घुसे चोर, लाखों के गहने- नगदी की पार, दुधौरा गांव में दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुधौरा गांव में गुरुवार रात चोरों ने फिल्मी अंदाज में दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और परिवार के लोगों के सोते रहने के दौरान आलमारी तोड़कर नगदी और जेवरात समेट ले गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार घर में बेटी की शादी का माहौल था और जल्द ही विदाई होनी थी। शादी के लिए जुटाए गए गहने, नगदी और सामान घर में रखा हुआ था। इसी बीच देर रात चोरों ने घर को निशाना बना लिया। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो कमरे का सामान बिखरा पड़ा था और आलमारी टूटी मिली। परिवार का आरोप है कि चोर करीब 8 लाख रुपये के जेवरात और लगभग 1 लाख 15 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

ग्रामीणों के मुताबिक चोरों ने गांव के एक और घर में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। लगातार दो घरों में हुई चोरी से इलाके में दहशत फैल गई है। लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त नाममात्र की रह गई है, जिसका फायदा चोर उठा रहे हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। पीड़ित परिवार का कहना है कि बेटी की विदाई की खुशियां देखते ही देखते मातम में बदल गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की सूचना मिलने के बाद कप्तानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरी में शामिल बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि क्या यह मामला भी अन्य चोरियों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा या फिर पुलिस इस बार कर देगी खुलासा । चोरी की घटनाओं से लगातार क्षेत्र वासियों में दहशत का माहौल है पुलिस इस समय ग्रस्त कर नहीं रही है जिस वजह से चोरियां ज्यादा हो रही है।

जिलाधिकारी ने दिये आंधी-तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं विद्युत आपूर्ति बहाली के निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश–जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद में 13 मई को आए आंधी-तूफान से हुई क्षति के दृष्टिगत समस्त उप जिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आंधी-तूफान के कारण हुई पशुहानि, आवासीय क्षति एवं अन्य नुकसान से संबंधित रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित लोगों को शासन की मंशा के अनुरूप शीघ्र सहायता प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है, वहां अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता विद्युत द्वारा युद्धस्तर पर कार्य करते हुए विद्युत व्यवस्था शीघ्र बहाल कराई जाए। उन्होंने टूटे हुए विद्युत खंभों एवं क्षतिग्रस्त लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने के निर्देश दिए तथा कहा कि जनपद के सभी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना संबंधित अधिशासी अभियंता को तत्काल दें, जिससे समयबद्ध ढंग से समस्या का समाधान कराया जा सके। जिलाधिकारी ने पेयजल व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए तथा एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने को कहा।

10 वें दिन खत्म हुआ पत्रकार का आमरण अनशन

● प्रशासन ने निष्पक्ष जांच का दिया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद के ग्राम भरथीपुर में पिछले 10 दिनों से जारी पत्रकार त्रिपुरारी पांडेय का आमरण अनशन शुक्रवार 15 मई 2026 को प्रशासनिक आश्वासन के बाद समाप्त हो गया,लंबे समय से चल रहे इस अनशन को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा बनी हुई थी। अनशनकारी की बिगड़ती सेहत को देखते हुए प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और वार्ता के बाद मामला शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कराया गया।शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे जिलाधिकारी के निर्देश पर डॉक्टरों की एक टीम अनशन स्थल पर पहुंची। चिकित्सकों ने पत्रकार त्रिपुरारी पांडेय का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उनकी स्थिति का विस्तृत आकलन किया। बताया जा रहा है कि लगातार कई दिनों से भोजन त्यागने के कारण उनके स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट आ रही थी।मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार अजय कुमार सिंह ने प्रशासन की ओर से निष्पक्ष जांच कराने का भरोसा दिलाया।अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की पारदर्शी तरीके से जांच कराई जाएगी तथा किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद डॉक्टरों और अधिकारियों की मौजूदगी में पत्रकार त्रिपुरारी पांडेय को जूस पिलाकर आमरण अनशन समाप्त कराया गया।अनशन समाप्त होने की खबर मिलते ही मौके पर मौजूद समर्थकों, ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों ने राहत व्यक्त की। इस दौरान बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के लोग भी अनशन स्थल पर मौजूद रहे। पूरे घटनाक्रम के दौरान क्षेत्र में माहौल संवेदनशील बना रहा, लेकिन प्रशासनिक वार्ता के बाद स्थिति सामान्य हो गई।हालांकि इस पूरे मामले ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब एक पत्रकार पिछले दस दिनों से आमरण अनशन पर बैठा था और उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी, तब प्रशासन ने पहले गंभीरता क्यों नहीं दिखाई। लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि यदि समय रहते प्रशासन पहल करता तो स्थिति इतनी गंभीर न होती।फिलहाल प्रशासन ने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है, जिसके बाद अनशन समाप्त हो गया। अब सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

गांव की चौपाल बनी समाधान का केंद्र

● सीडीओ पूजा साहू (आईएएस) ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। शासन की मंशा के अनुरूप 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' अभियान के तहत विकासखंड शुकुल बाजार की ग्राम सभा हुसेनपुर में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू (आईएएस) की अध्यक्षता में भव्य ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी के बीच ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने आवास, बिजली, सड़क, पेयजल, पेंशन, राशन कार्ड, शिक्षा तथा स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं गांव पहुंचकर जनता की समस्याएं सुने और उनका समाधान करे।

इस दौरान खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र मिश्रा, सीडीपीओ धर्मेंद्र गौतम, एडीओ पंचायत आलोक कुमार, ग्राम विकास अधिकारी सुरेश मिश्रा सहित विद्युत विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन भी दिया गया।चौपाल में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। शिवली प्रधान प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, भटमऊ प्रधान रमन तिवारी, अहमदपुर प्रधान प्रतिनिधि संजय मौर्य सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास एवं जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी समस्याएं साझा कीं, जिससे चौपाल पूरी तरह जनसुनवाई का मंच बन गई। ग्राम चौपाल के सफल आयोजन से ग्रामीणों में संतोष और उत्साह देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन गांव स्तर पर प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मांगलिक कार्यक्रम में गए युवक की नहर किनारे संदिग्ध मौत, गांव में पसरा मातम

● मोबाइल बंद मिलने के बाद परिजनों ने शुरू की तलाश, रात में नहर किनारे मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परासिया गौरी अंतर्गत मजरा पंपापुर में उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव निवासी हरिराम पुत्र जगदीश का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नहर किनारे पड़ा मिला। घटना से पूरे गांव में शोक और भय का माहौल व्याप्त हो गया। बताया जाता है कि हरिराम गुरुवार दोपहर अपनी साइकिल से रामस्वरूप पुरवा में आयोजित एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर शाम तक घर वापस न लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिवार के लोगों ने कई बार मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल बंद मिलने से अनहोनी की आशंका गहरा गई।

परिजन और ग्रामीण रातभर उनकी तलाश में जुटे रहे। इसी दौरान रात करीब 9 बजे नहर किनारे हरिराम का शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और गांव में मातम छा गया। सूचना मिलते ही महराजगंज तराई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं। वहीं, प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। थाना प्रभारी संतोष तिवारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फर्रुखाबाद के मुस्लिम युवक ने हिंदू बनकर गुजरात की युवती से रचाई शादी

फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद)। यूपी के फर्रुखाबाद में 'लव जिहाद' और प्रताड़ना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। 16 साल तक धोखे और जुल्म की बेड़ियों में जकड़ी एक महिला ने अब न्याय की गुहार लगाई है। मुस्लिम युवक ने पहले हिंदू बनकर धोखे से शादी की और अब उसे यातनाएं दे रहा। 16 वर्ष पहले मुस्लिम युवक ने अपने को हिंदू बताकर अनुसूचित जाति की युवती से शादी कर उसे घर ले आया। मतांतरण कराकर युवती का नाम बदल दिया। अब आरोपित युवती से भीख मांगने का दबाव बनाकर शारीरिक उत्पीड़न कर रहा है। विरोध करने पर आरोपित युवक ने युवती को पीटकर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की गुहार लगाकर उसे गुजरात भिजवाने की मांग की। गुजरात के जनपद राजकोट थाना मधुवन बिहार क्षेत्र की अनुसूचित जाति की एक युवती ने गुरुवार को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की गुहार लगाकर गुजरात भिजवाने की मांग की। युवती ने बताया कि 16 वर्ष पहले गुजरात में शहर के मुहल्ला मनिहारी गढ़ी निवासी मुस्लिम युवक ने अपने को हिंदू बताकर उससे शादी कर ली। उसका मतांतरण कराकर उसका नाम बदल दिया। आरोपित उसे अपने घर ले आया। यहां पर उन्होंने पांच बच्चों को जन्म दिया।

गैरहाजिरी पर 22 पंचायत सहायकों को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर श्रीदत्तगंज। पंचायत भवनों में ऑनलाइन अटेंडेंस की अनदेखी अब पंचायत सहायकों पर भारी पड़ने लगी है। लगातार गैरहाजिर रहने और ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न करने वाले 22 पंचायत सहायकों को प्रशासन ने कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब तलब किया है।पंचायत सहायकों की ऑनलाइन उपस्थिति और पंचायत भवनों से ग्रामीणों को मिलने वाली सेवाओं की समीक्षा के दौरान कई कर्मचारी ड्यूटी से नदारद मिले। जांच में उनकी ऑनलाइन अटेंडेंस भी दर्ज नहीं पाई गई, जिस पर विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। नोटिस की जद में अगया बुजुर्ग की शांति देवी, अगया खुर्द की लक्ष्मी देवी, बभनपुरवा के विजय कुमार, भिठौढ़ी की नंदिनी पांडेय, चमरूपुर की ज्योति कौशल, चंदापुर की सुषमा वर्मा, चवई बुजुर्ग की प्रीति वर्मा, दारीचौरा की रीना वर्मा, इटईमैदा की आशा वर्मा, जगदेवा की आरती यादव, जिगना के कैलाश जायसवाल शामिल हैं।इसके अलावा केरावगढ़ की मीनाक्षी देवी, खमरिया अलादाद की पूनम देवी, खरदौरी की दीपा वर्मा, क्यामजोत के सीनू, पचौथा के रजत जायसवाल, पिपरा रामचंदर के इब्ने हसन, पुरैना कानूनगो की जैनब खान, रसूलपुर की महक फातिमा, सहदेइया की सूची गुप्ता, त्रिगुनायतपुर की वैशाली तिवारी और विसम्भरपुर की सुमन देवी को नोटिस दिया गया है।कई पंचायत सहायकों को पहले भी चेतावनी दी जा चुकी है। रसूलपुर की पंचायत सहायक महक फातिमा को चौथी बार नोटिस जारी हुआ है, जबकि कई अन्य कर्मचारियों को तीसरी बार चेतावनी मिली है।लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : श्रेयाजिला पंचायत राज अधिकारी श्रेया उपाध्याय ने साफ कहा कि पंचायत भवन ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने का केंद्र हैं। ऐसे में कर्मचारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित पंचायत सहायकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

52 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा, कार, नकदी व मोबाइल फोन बरामद

चोपन/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों तथा मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 15.05.2026 को प्रातः लगभग 03:15 बजे करगरा मोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर चोपन की ओर से आ रही एक डार्क मैरून रंग की टाटा मन्जा कार संख्या क्क्ष 6छ्व9293 को रोककर चेक किया गया। वाहन से 06 बोरियों में कुल 52 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा, 2740 रुपये नगद,01 मोबाइल फोन बरामद व मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप कुमार गौतम पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम गड़ेड़ियेनपुरवा, पो0 सेमरी चक पिहानी, थाना एकौना, जनपद श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश, उम्र करीब 28 वर्ष ने बताया कि वह उक्त गांजा उड़ीसा से श्रावस्ती ले जा रहा था।

महिला की मौत पर परिजनों का हॉस्पिटल के बाहर हंगामा, अनुभवहीन डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

● गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप, महिला की मौत के बाद अमृत हॉस्पिटल के बाहर हंगामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से एक महिला की मौत हो गई स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी सीएमओ द्वारा केवल जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया ताजा मामलामुंडेरवा थाना क्षेत्र स्थित अमृत हॉस्पिटल में कथित रूप से गलत इंजेक्शन लगाए जाने से 26 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आने के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। घटना के बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है

जानकारी के अनुसार मुंडेरवा थाना क्षेत्र के लोहदर गांव निवासी अनिल चौधरी अपनी पत्नी रोशनी देवी को गुरुवार देर रात लगभग 11:30 बजे शरीर में तेज खुजली की शिकायत होने पर अमृत हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में महिला को एक के बाद एक तीन इंजेक्शन लगाए गए। आरोप है कि तीसरा इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद रोशनी देवी की हालत अचानक बिगड़ गई और उनके मुंह से झाग निकलने लगा।

परिजनों के मुताबिक स्थिति गंभीर होते देख अस्पताल संचालकों ने महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन ओड़वारा रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचते-पहुंचते उसकी मौत हो गई। इसके बावजूद परिजन महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका के परिजनों ने दावा किया कि अस्पताल में लगाए गए इंजेक्शन की तस्वीर उन्होंने मोबाइल में खींच ली थी। आरोप है कि जब वह फोटो जिला अस्पताल के डॉक्टर को दिखाई गई तो परिजनों द्वारा कथित रूप से बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने कहा कि गलत इंजेक्शन लगाए जाने के कारण महिला की हालत बिगड़ी। हालांकि इस संबंध में अभी किसी डॉक्टर की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि सुबह अस्पताल स्टाफ द्वारा जो इंजेक्शन का नाम बताया गया, वह रात में लगाए गए इंजेक्शन से अलग था। मामले को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है और अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन जारी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही।

लोगों के अनुसार महिला ने कोई दवा खाई थी, जिसके बाद शरीर में खुजली की समस्या शुरू हुई थी। परिजनों का कहना है कि महिला द्वारा जो दवा खाया गया था उक्त दवा को हम लोग लेकर आए थे और अस्पताल स्टाफ को भी दिखाये , लेकिन उन्हें आश्वस्त किया गया कि कोई गंभीर बात नहीं है और मरीज ठीक हो जाएगी। फिलहाल पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है।परिजनों द्वारा सड़क जाम करने तथा प्रशासन को बुलाने के मांग पर खड़े होने की वजह से क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप यादव तथा सीएमओ पहुंचे। सी एम ओद्वारा अस्पताल का जांच कर उसे सील कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

कृष्ण जन्म प्रसंग सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आनापुर गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म का पावन प्रसंग सुनाया। जैसे ही कथा में कृष्ण जन्म की घड़ी आई पूरा परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के संकीर्तन से गूंज उठा। श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा व्यास सुमित जी महराज ने बताया कि जब जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है तब तब भगवान स्वयं अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं। उन्होंने अजामिल की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान के नाम का जाप ही मनुष्य को भवसागर से पार कर देता है। नाम स्मरण की शक्ति से ही अजामिल ने यमराज को परास्त कर भगवान को प्राप्त किया। कृष्ण जन्म प्रसंग सूनाते हुए कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण संपूर्ण विश्व के गुरु हैं। उन्होंने बताया कि भगवान के जन्म के समय कारागार के बंधन टूट गए। सुरक्षा में लगे पहरेदार चिर निद्रा में चले गए। कृष्ण का जन्म होते ही पूरा वातावरण आनंद से भर गया। यह दृश्य सुनते ही श्रद्धालु आनंदित हो गए। भगवान श्री कृष्ण की सुंदर झांकी निकाली गई भक्तों ने आतिशबाजी कर कृष्ण जन्म का आनंद लिया। आयोजन में रामआसरे साहू, राजेश, अनुराग, संजय प्रधान, बीरेंद्र सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

योगी सरकार का बाढ़ के खतरे पर 'एक्शन प्लान', खेती और आबादी को बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम तेज

लखनऊ। योगी सरकार इस वर्ष मानसून के दौरान जीरो जनहानि और कृषि भूमि को कम से कम नुकसान सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुटा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नालों की सफाई, तटबंधों की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन समेत तमाम उपाय आगामी मानसून के दौरान बड़ी राहत साबित होंगे। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है ताकि पहली जून से इन्हें संचालित किया जा सके। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुताबिक इस वर्ष रिकॉर्ड गति से कार्य करते हुए अब तक लगभग 4 हजार किलोमीटर लंबाई के तटबंधों को सुरक्षित किया गया है। वहीं नदियों-नालों के किनारे बसे गांवों और कृषि भूमि को कटान से बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन्हें 15 जून 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। संवेदनशील और अति-संवेदनशील स्थानों पर कटाव निरोधक कार्य पूरे किए जा रहे हैं। नदियों के किनारों पर पत्थर की पिचिंग और जियो-बैग्स का उपयोग कर सुरक्षा घेरा भी मजबूत किया जा रहा है। विभाग के मुताबिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मार्च 2026 तक 16 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई में नालों की सिल्ट सफाई का काम पूरा हो चुका है। बारिश शुरू होने से पहले बचे सभी संवेदनशील जगहों पर सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके जरिए भारी बारिश होने पर पानी की निर्बाध निकासी से फसलों और गांव-बस्तियों को डूबने से बचाया जा सकेगा। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की तरफ से लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज समेत प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बाढ़ और प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी के लिए यह कक्ष 15 जून से 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। जलस्तर की रियल टाइम निगरानी और आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई इनके जरिए सुनिश्चित कराई जाएगी।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष फायरिंग तीन सगे भाइयों को लगी गोली, दो की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के कल्लू का पुरवा मजरे कोरिहरा गांव में शुक्रवार को जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग में तीन सगे भाई गोली लगने से घायल हो गए। जबकि उनके चाचा को भी मारपीट में चोटें आई हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गांव निवासी शिवप्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नगर की जीवनदीप टॉकीज के पीछे बंजर भूमि पर जेसीबी से रास्ता बनाया जा रहा था। इसी बात को लेकर गांव के विजय बहादुर, बाल्हेश्वर, उनके बेटे अतुल, अंकित व अनुज समेत ऊसरहा का पुरवा निवासी शिवम, सेखवापुर गांव के भल्ले लोधी और खैरानी निवासी विवेक स्कार्पियो से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने लाठी-डंडों और कुल्हाड़ियों से हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इसी दौरान अतुल यादव ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से कई राउंड फायरिंग की। गोली लगने से मनोज, रामचंद्र और प्रमोद घायल हो गए। मनोज के जांघ में गोली लगी है जबकि रामचंद्र के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इमरजेंसी में तैनात डॉ. सत्यजीत ने बताया कि मारपीट में घायल चार लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें तीन लोगों को गोली लगने की बात सामने आई। मनोज और रामचंद्र की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया है। डॉक्टरों ने गोली लगने की पुष्टि के लिए घावों के सैंपल भी सुरक्षित कर लिए हैं। पीड़ित पक्ष ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ पुलिस को नामजद तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीडित के तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही।

पुलिस विभाग में तैनात हैं दो आरोपी- पीड़ित पक्ष के अनुसार आरोपी अतुल यादव और अंकित यादव सगे भाई हैं। दोनों उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात बताए गए हैं। अतुल यादव कानपुर के चकेरी थाने में तैनात है जबकि उसका भाई अंकित यादव सुल्तानपुर में कार्यरत है। आरोप है कि अतुल यादव ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से कई राउंड फायरिंग की।

लगातार बारिश से सिलचर में कृत्रिम बाढ़, कई इलाके जलमग्न

● हर साल जलभराव से जूझता शहर, प्रशासन पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के सिलचर में लगातार बारिश के कारण के एक बार फिर कृत्रिम बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। शहर के कई इलाके पानी में डूब गए, जबकि बिलपार, राधामाधव पथ, विवेकानंद पथ, लिंक रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र की स्थिति सबसे अधिक भयावह देखी गई। हाल के वर्षों में सिलचर में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या लगातार सामने आती रही है। गत 14 और 15 मई शुक्रवार को हुई लगातार बारिश के चलते बिलपार, आश्रम रोड, लिंक रोड और विवेकानंद पथ समेत कई क्षेत्रों की सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गईं। कई जगहों पर लोगों को कमर तक पानी में होकर गुजरना पड़ा। विवेकानंद पथ में लोगों को जान जोखिम में डालकर पानी के बीच शव को श्मशान तक ले जाते हुए देखा गया।

जल निकासी व्यवस्था की पोल खुली

बारिश के साथ ही शहर की जल निकासी व्यवस्था की कमजोरियां फिर सामने आ गई। नालों की सफाई और पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कें, दुकानें और घर पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के समय यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन की ओर से स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता। लोगों ने सवाल उठाया कि सर्दियों के दौरान नालों की सफाई और ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने का काम क्यों नहीं किया गया।

'हर साल वादे, लेकिन समाधान नहीं '

शहरवासियों का आरोप है कि वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से केवल आश्वासन ही दिए जाते हैं। कई क्षेत्रों में नालियां कचरे और गाद से भरी हुई हैं, जिसके कारण बारिश का पानी निकल नहीं पाता। सिलचर में जलनिकासी और बाढ़ की समस्या को लेकर पहले भी लोगों में नाराजगी देखी गई है।

बड़ा हादसा होने की आशंका

लगातार जमा पानी के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन शहर में जलभराव और निकासी की समस्या को दूर करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

महमूदाबाद-फतेहपुर मार्ग पर देर रात भीषण हादसा

● भूसा लदे ट्रैक्टर-ट्रॉला की टक्कर से कार में लगी आग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर)- जनपद के महमूदाबाद-फतेहपुर मार्ग पर गुलरामऊ गांव के पास देर रात करीब 11:30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मार्ग पर जा रही कार को भूसा लदे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉला ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बनकर पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत यह रही कि कार में सवार लोग समय रहते फुर्ती से बाहर निकल आए, जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के बाद ट्रैक्टर लेकर चालक फरार हो गया।

चश्मदीदों के मुताबिक, कार रात के सन्नाटे में अपने गंतव्य की ओर जा रही थी, तभी गुलरामऊ के पास ओवरलोड भूसा लदे ट्रैक्टर-ट्रॉला ने उसे चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही कार के अगले हिस्से से चिंगारी उठी और आग की लपटें निकलने लगीं। कार सवारों को सुरक्षित निकलता देख और घटना को बिगड़ता देख ट्रैक्टर चालक मौके का फायदा उठाकर अपना वाहन लेकर रात के अंधेरे में तेजी से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। वही धूं-धूं कर जलती कार देखकर हाईवे पर हड़कंप मच गया। रात के वक्त लगी इस भीषण आग से हाईवे पर हड़कंप मच गया। यात्रियों के उतरते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। राहगीरों और ग्रामीणों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि कार चंद मिनटों में लोहे के कंकाल में बदल गई।

राशन की दुकान पर बड़ा फर्जीवाड़ा, कोटेदार पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज

● खाद्यान्न की कालाबाजारी का सनसनीखेज खुलासा

अंगूठा लगवाकर राशन हड़पने और घटतौली का घिनौना खेल उजागर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर तहसील महमूदाबाद क्षेत्र के अंतर्गत विकास खंड रामपुर मथुरा की ग्राम पंचायत शुकुलपुरवा में गरीबों के राशन पर डाका डालने का एक बड़ा और सनसनीखेज मामला सामने आया है। महमूदाबाद की क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक निशी अग्रवाल की तहरीर पर रामपुर मथुरा पुलिस ने उचित दर विक्रेता सपना भारती के खिलाफ गंभीर कानूनी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रशासनिक स्तर पर हुई इस अचानक और कड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के भ्रष्ट राशन डीलरों में हड़कंप मच गया है। मामला तब खुला जब पूर्ति निरीक्षक ने शुकुलपुरवा स्थित उचित दर दुकान का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कोटेदार सपना भारती खुद दुकान से नदारद मिलीं और दुकान का संचालन अनधिकृत रूप से उनके ससुर कुवंर चन्द्र और पति आजाद द्वारा किया जा रहा था। जब भौतिक सत्यापन किया गया, तो विभागीय आंकड़ों और मौके पर मौजूद स्टॉक में जमीन-आसमान का अंतर पाया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दुकान में 53.43 क्विंटल गेहूं, 80.11 क्विंटल चावल और 0.69 क्विंटल चीनी शेष होनी चाहिए थी, लेकिन मौके पर मात्र 3 बोरी चावल, 7 बोरी गेहूं और 25 किलोग्राम खुला गेहूं ही मिला। जांच रिपोर्ट में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि कोटेदार द्वारा कुल 49.68 क्विंटल गेहूं, 78.61 क्विंटल चावल और 0.69 क्विंटल चीनी का गंभीर दुरुपयोग करते हुए उसे खुले बाजार में कालाबाजारी की गई। कार्डधारकों के बयान से 'घटतौली और फर्जीवाड़े' का घिनौना सच उजागर हुआ है।जांच अधिकारी ने जब ग्राम पंचायत के दर्जनों कार्डधारकों से पूछताछ की और उनके लिखित बयान दर्ज किए, तो कोटेदार की जालसाजी की परतें खुलती चली गईं, कार्डधारिका शिव लोचनी, फूलमती व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार के पति और ससुर उनसे ई-पॉस (e-POS) मशीन पर अंगूठा लगवा लेते थे, लेकिन राशन या तो दिया ही नहीं जाता था या फिर बेहद कम दिया जाता था। वहीं आरती देवी व अन्य ने आरोप लगाया कि जब वे राशन घर लाकर तौलते थे, तो उसमें 3 से 6 किलो तक की भारी घटतौली मिलती थी। कई लाभार्थियों ने बताया कि कोटेदार महीनों से अपनी मायके जनपद बहराइच में रह रही हैं और दुकान पूरी तरह से उनके परिजनों के अवैध कब्जे में है। पूर्ति निरीक्षक की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी कोटेदार सपना भारती के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(5) (अमानत में खयानत/फर्जीवाड़ा) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। नियमों और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा नियमावली-2016 का सरेआम उल्लंघन करने पर दुकान का अनुबंध पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की संस्तुति की जा चुकी है।

साथ ही, जब्त किए गए बचे हुए राशन को पास की ग्राम पंचायत कनरखी की उचित दर दुकान संचालक ममता तिवारी को सुपुर्द कर दिया गया है ताकि ग्रामीणों को राशन मिलता रहे। प्रशासन की इस धमाकेदार कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाले किसी भी भ्रष्ट तंत्र को बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

एल्पिस ग्लोबल स्कूल में मेधावी अलंकरण समारोह हर्षोल्लाह एवं गरिमामय वातावरण में हुआ सपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर- नगर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल स्कूल में मेधावी अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी, प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा एवं सबा मैम द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को माल्यार्पण, गुलदस्ते एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। साथ ही विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अभिभावकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में माता-पिता का त्याग, अनुशासन एवं सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय की छात्रा विभूति वर्मा ने 96.80% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर एवं जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उम्मे हानी ने 94.20%, भाव्या अग्रवाल ने 93.40%, आकृति अग्रवाल ने 92.60%, कशिश खेतान एवं रेहान अंसारी ने 92.40%, शौनक शुक्ला ने 91.00%, श्रेयांश अवस्थी ने 90.80%, रोहन राज एवं अविनाश वर्मा ने 90.40% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त दैविक रस्तोगी (89.00%), आयुषी शर्मा (88.80%), स्तुति अग्रवाल (88.60%), सक्षम अग्रवाल (88.00%), माही अग्रवाल एवं आत्यंतिक रस्तोगी (87.20%), मोहम्मद हसन बदर, महक दीप कौर एवं अक्षत वर्मा (87.00%), कौस्तुभ द्विवेदी (86.60%), अल्तमश (86.20%), आयुषी त्रिवेदी (85.80%), अनमोल वर्मा (85.40%) तथा पियूष मिश्रा (84.80%) ने भी शानदार सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का परिणाम होती है तथा अभिभावकों का सहयोग विद्यार्थियों की सफलता में अतुलनीय भूमिका निभाता है। प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने वाले विद्यार्थी ही सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में आशीर्वचन एवं जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इकाना स्टेडियम में CSK और LSG के मैच के दौरान एक दर्शक की तबीयत खराब

● युवक को सीने में दर्द की शिकायत थी। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। आईपीएल में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच के दौरान इकाना स्टेडियम में एक दर्शक की तबीयत खराब हो गई। उसको मेडिकल टीम ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। माना जा रहा है कि दर्शक को हार्ट अटैक आया है। लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स मैच के दौरान एक दर्शक की अचानक तबियत खराब हो गई। वह दर्शक दीर्घा में बेहोश हो गया। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा। युवक को सीने में दर्द की शिकायत थी। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। पीली जर्सी पहले युवक की तबीयत खराब होने पर पुलिसकर्मी दर्शक दीर्घा से नीचे लाए और फिर व्हील चेयर पर बैठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इकाना स्टेडियम में सीएसके के फैन की तबीयत बिगड़ी तो उसको मेडिकल टीम ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। माना जा रहा है कि युवक को हार्ट अटैक आया है।

यूपी की सभी गोशालाओं में होगी कृषि सखियों की तैनाती

लखनऊ। योगी सरकार गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और जैविक खेती से जोड़कर नए रोजगार माडल के रूप में विकसित करेगी। सरकार के मास्टर प्लान के अनुसार सभी 75 जिलों की साढ़े सात हजार से अधिक गोशालाओं में कृषि सखियों की तैनाती की जाएगी। उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन की महिलाओं को विशेष भूमिका सौंपी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को गो संरक्षण में सहभागी बनाने के लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गोशालाओं को जैविक कृषि के माडल के रूप में विकसित किया जाएगा। गोबर का उपयोग बड़े पैमाने पर जैविक खाद तैयार करने में होगा। महिलाओं के माध्यम से खाद निर्माण इकाइयां संचालित की जाएंगी। किसानों की रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होगी। खेती की लागत घटेगी और मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी। उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन से जुड़ी कृषि सखियां इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनेंगी।

तहजीब के शहर में बजा टेक्नोलॉजी का डंका

● लखनऊ में 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव' में यूपी ने दिखाया ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रोडमैप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजनरी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक छवि को पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे बड़े 'टेक्नोलॉजी और एआई इनोवेशन हब' के रूप में नई पहचान बना रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नवाबों के शहर लखनऊ में 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026' का भव्य आयोजन किया गया, जहाँ देशभर से आए 50 से अधिक वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के डिजिटल कायाकल्प पर मंथन किया। यह कॉन्क्लेव केवल एक चर्चा का मंच नहीं, बल्कि यूपी को तकनीक के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कॉन्क्लेव के दौरान 'द एआई-पावर्ड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटर' विषय पर आयोजित विशेष वर्कशॉप में डॉ. सुबी चतुर्वेदी (संस्थापक, NIHIT) ने भविष्य की गवर्नेंस का खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ अब केवल तहज़ीब का केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार का सबसे उपयुक्त केंद्र बनकर उभरा है। इनमोबी जैसी डीपटेक कंपनियों के आगमन और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते प्रदेश में रिसर्च, टैलेंट और आंत्रप्रेन्योरशिप का एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश को भारत की डिजिटल शक्ति का केंद्र बना देगा। योगी सरकार ने एआई की शक्ति को समझते हुए लखनऊ की वृंदावन योजना में 368 करोड़ की लागत से देश की पहली 'एआई सिटी' (AI City) को हरी झंडी दे दी है। इसके साथ ही, 'यूपी एआई मिशन' के लिए 225 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को नई उड़ान देगा। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह के अनुसार, यह डिजिटल क्रांति उत्तर प्रदेश

के 'ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य को हासिल करने में गेम-चेंजर साबित होगी। सरकार का ध्यान केवल तकनीक के विस्तार पर ही नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग पर भी है। आईटी प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि एआई, क्वांटम और डीपटेक के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। वर्कशॉप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'MANAV' फ्रेमवर्क का उल्लेख करते हुए डॉ. चतुर्वेदी ने जोर दिया कि भविष्य की तकनीक का केंद्र 'मानव' होना चाहिए। जवाबदेह और सुलभ एआई के माध्यम से ही समावेशी विकास और भरोसेमंद तकनीकी भविष्य का सपना साकार किया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर रिश्वत लेते वीडियो वायरल

लखनऊ। क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय, लखनऊ में उपनिदेशक पर्यटन के पद पर तैनात डॉ कल्याण सिंह को रिश्वत लेने के प्रकरण में निलंबित कर दिया गया है। इनका रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। निलंबन के बाद उन्हें पर्यटन निदेशालय, लखनऊ से संबद्ध किया गया है। डॉ कल्याण सिंह के रिश्वत लेने के प्रकरण को शासन ने गंभीर अनुशासनहीनता, निरंकुश कार्यशैली और भ्रष्ट आचरण माना है। उनके खिलाफ गंभीर कदाचार और भ्रष्टाचार के आरोपों में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। दोष सिद्ध होने पर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है। डॉ कल्याण सिंह का अभी कुछ दिन पहले रिश्वत लेते हुए वीडियो सामने आया था, जिसमें उपनिदेशक एक व्यक्ति से रिपोर्ट लगाने के लिए 500 रुपये के नोटों की गड्डी लेकर दराज में रखते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि निलंबित उपनिदेशक कल्याण सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। उनका दावा है कि वीडियो में उनकी आवाज बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी डीपफेक का इस्तेमाल किया गया है।

चुनाव टलने की आशंका के बीच लामबंद हुए ग्राम प्रधान

● सैकड़ों प्रधानों के हस्ताक्षर, आंदोलन की सुगबुगाहट

ग्राम पंचायतें ग्रामीण प्रशासन की आधारशिला हैं अगर इन्हें निष्क्रिय किया गया, तो शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन पूरी तरह प्रभावित होगा

ब्रजेश कुमार वर्मा (पप्पू), अध्यक्ष, अखिल भारतीय प्रधान संगठन, महमूदाबाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बादलों के बीच अब ग्रामीण राजनीति गरमाने लगी है। सीतापुर जिले के महमूदाबाद विकास खंड के ग्राम प्रधानों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। 'अखिल भारतीय प्रधान संगठन' के बैनर तले प्रधानों ने उपजिलाधिकारी महमूदाबाद के माध्यम से सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में साफ तौर पर कहा गया है कि महमूदाबाद क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगामी 26 मई, 2026 को समाप्त होने जा रहा है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समय पर पंचायत चुनाव संपन्न होने की संभावना बेहद कम और अनिश्चित नजर आ रही है। ग्राम प्रधानों का कहना है कि अगर समय पर चुनाव नहीं हुए या कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो ग्रामीण स्तर पर चल रहे विकास कार्य पूरी तरह ठप हो जाएंगे। आम जनता को अपनी रोजमर्रा की समस्याओं के लिए भटकना पड़ेगा और जनकल्याणकारी योजनाएं अधर में लटक जाएंगी।

ज्ञापन में प्रधानों ने दो 'धमाकेदार' शर्तें रखकर सरकार के पाले मे गेंद डाल दी है। प्रशासनिक ठप-व्यवस्था से बचने के लिए संगठन ने मुख्यमंत्री के सामने दो प्रमुख विकल्प रखते हुए ठोस व्यवस्था करने की मांग की है, पहली समस्या में कार्यकाल का विस्तार बढाया जाना, या तो ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को आवश्यकतानुसार आगे बढ़ा दिया जाए। दूसरी मांग है कि जब तक चुनाव नहीं होते, तब तक वर्तमान ग्राम प्रधानों को ही 'प्रशासक' के रूप में कार्यभार सौंप दिया जाए ताकि गांवों में चल रहे विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहे। इस मांग पत्र पर क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधानों जिनमें शुद्धि देवी, प्रियंका वर्मा, सोबरन लाल, शशी वर्मा, शशिलता, सुशस्ती, चेतराम, रामखेलवान सहित भारी संख्या में महिला व पुरुष प्रधान शामिल रहे। प्रधानों ने अपने हस्ताक्षर कर एकजुटता दिखाई है। अब देखना यह होगा कि क्या उत्तर प्रदेश सरकार इन ग्राम प्रधानों की मांग पर मुहर लगाते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाती है या फिर गांवों का जिम्मा सरकारी अधिकारियों (प्रशासकों) के हाथों में सौंपती है। इस फैसले पर पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की नजरें टिकी हुई हैं!

दिल्ली फिर शर्मसार: निर्भया के बाद भी क्यों नहीं थम रही महिलाओं के खिलाफ दरिंदगी?

महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल, समाज और व्यवस्था दोनों कठघरे में

देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर ऐसी अमानवीय घटना की गवाह बनी, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। चलती बस में एक महिला के साथ गैंगरेप की घटना ने लोगों को वर्ष 2012 के बहुचर्चित निर्भया कांड की भयावह यादें ताजा कर दीं। यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि समाज की संवेदनहीनता, कानून व्यवस्था की कमजोरी और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावों पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। राजधानी की सड़कों पर सात किलोमीटर तक चलती रही दरिंदगी यह बताने के लिए पर्याप्त है कि आज भी महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

भारत आज विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर सेना तक, प्रशासन से लेकर उद्योग जगत तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। देश की बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, सीमा पर देश की रक्षा कर रही हैं, बुलेट ट्रेन और मेट्रो चला रही हैं, बड़े-बड़े पदों पर कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद यदि एक महिला रात में सुरक्षित घर नहीं लौट सकती, तो यह विकास अधूरा है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से होती है। यदि वहां महिलाओं के साथ भय, हिंसा और अत्याचार जुड़ा हो, तो वह समाज आधुनिक नहीं कहलाया जा सकता।

दिल्ली में हुई यह घटना केवल अपराधियों की विकृत मानसिकता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच को भी उजागर करती है, जिसमें महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने में अभी भी संकोच दिखाई देता है। आज भी कई लोग महिलाओं की स्वतंत्रता, पहनावे और जीवनशैली को अपराधों से जोड़ने की कोशिश करते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि अपराध का कारण महिला नहीं, बल्कि अपराधी की मानसिकता होती है। जब तक समाज लड़कियों को सम्मान और लड़कों को संस्कार देने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

यह भी दुखद है कि हर बड़ी घटना के बाद कुछ दिनों तक देश में आक्रोश दिखाई देता है, मोमबत्तियां जलाई जाती हैं, सोशल मीडिया पर अभियान चलाए जाते हैं, राजनीतिक बयान दिए जाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अपराधी कुछ समय बाद कानून की प्रक्रियाओं का लाभ उठाने लगते हैं और पीड़िता न्याय के लिए वर्षों तक संघर्ष करती रहती है। यही कारण है कि अपराधियों में कानून का भय कम होता जा रहा है। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में तेजी से और कठोर कार्रवाई आवश्यक है, ताकि समाज में स्पष्ट संदेश जाए कि ऐसी मानसिकता और अपराध के लिए कोई जगह नहीं है।

दिल्ली की इस घटना का सबसे मार्मिक पक्ष पीड़िता की मजबूरी है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी उसने इलाज छोड़कर घर लौटना उचित समझा, क्योंकि उसके बीमार पति और छोटे बच्चों की जिम्मेदारी उसी पर थी। यह केवल एक महिला की कहानी नहीं,

बल्कि देश की उन लाखों महिलाओं की सच्चाई है, जो अत्याचार सहने के बाद भी परिवार की जिम्मेदारियों के कारण टूट नहीं सकतीं। यह स्थिति हमारे सामाजिक ढांचे की भी पोल खोलती है, जहां पीड़िता को पर्याप्त सुरक्षा, आर्थिक सहायता और मानसिक सहारा नहीं मिल पाता।

महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून बनाने से सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए समाज, परिवार, प्रशासन और सरकार सभी को मिलकर कार्य करना होगा। सबसे पहले बच्चों को बचपन से ही महिलाओं के प्रति सम्मान की शिक्षा देनी होगी। स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा तथा संवेदनशीलता को बढ़ावा देना होगा। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में युवाओं के सामने जो सामग्री परोसी जा रही है, उसका भी मानसिकता पर प्रभाव पड़ता है। अश्लीलता, हिंसा और महिलाओं को वस्तु की तरह प्रस्तुत करने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगाने की आवश्यकता है।

सरकार को भी महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाना समय की मांग है। बसों, टैक्सियों और अन्य वाहनों की नियमित जांच होनी चाहिए। जिन वाहनों पर नियमों के उल्लंघन के मामले दर्ज हों, उन्हें सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। दिल्ली की घटना में जिस बस का उपयोग हुआ, वह पहले से नियमों के उल्लंघन के कारण कार्रवाई का सामना कर चुकी थी। यदि समय रहते कठोर निगरानी होती, तो शायद यह घटना टाली जा सकती थी। पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्रिय और संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और तुरंत कार्रवाई करना बेहद जरूरी है। कई बार पीड़िताएं सामाजिक भय और पुलिस के व्यवहार के कारण शिकायत दर्ज कराने से भी डरती हैं। यदि उन्हें भरोसा और सम्मान मिले, तो अपराधों की रोकथाम में मदद मिल सकती है। शहरों में सीसीटीवी कैमरों, हेल्पलाइन और महिला पेट्रोलिंग जैसी व्यवस्थाओं को और मजबूत करना होगा।

समाज में बढ़ती संवेदनहीनता भी चिंता का विषय है। लोग घटनाओं को केवल खबर की तरह पढ़ते हैं और कुछ समय बाद भूल जाते हैं। जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हर नागरिक महिलाओं की सुरक्षा को अपनी जिम्मेदारी समझे। यदि कहीं कोई महिला संकट में दिखाई दे, तो लोग आगे आकर मदद करें। चुप रहना भी अपराध को बढ़ावा देने जैसा है।

आज आवश्यकता केवल आक्रोश व्यक्त करने की नहीं, बल्कि स्थायी समाधान खोजने की है। देश की बेटियों को डर के साए में जीने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। महिलाओं की सुरक्षा केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के सम्मान का प्रश्न है। जब तक हर महिला बिना भय के घर से निकलकर सुरक्षित वापस लौटने का विश्वास महसूस नहीं करेगी, तब तक हमारा विकास अधूरा रहेगा।

निर्भया कांड के बाद देश ने बहुत कुछ सीखा, कानून बदले, जागरूकता बढ़ी, लेकिन यदि आज भी ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, तो यह आत्ममंथन का समय है। अपराधियों को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों के सामने एक उदाहरण स्थापित हो सके। साथ ही समाज को भी अपनी सोच बदलनी होगी। महिलाओं का सम्मान केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यवहार और व्यवस्था में दिखाई देना चाहिए। भारत तभी सच्चे अर्थों में विकसित और सभ्य राष्ट्र कहलाएगा, जब उसकी हर बेटी सुरक्षित, सम्मानित और निर्भय होकर जीवन जी सकेगी।

कांतिलाल मांडोत

न्याय में देरी: पूरे सिस्टम की खामियां

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

न्याय में देरी केवल एक वजह से नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की खामियों के कारण है और इसीलिए छोटे-छोटे मुकदमों में वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। अभी हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तारीख पर तारीख को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केसों में देरी के लिए सिर्फ जज नहीं, बल्कि सरकार, पुलिस और खराब सिस्टम भी जिम्मेदार हैं। जस्टिस अरुण कुमार देशवाल ने कहा कि स्टाफ की कमी, पुलिस की लापरवाही और फ्रस्रुरिपोर्ट में देरी की वजह से न्यायिक अधिकारी भी ठीक से काम नहीं कर पाते। कोर्ट ने ये भी कहा कि सिस्टम की इसी धीमी रफ्तार का फायदा उठाकर कई अपराधी नेता और मंत्री तक बन जाते हैं। इस विषय पर हमारी सरकार को बड़ी ही गहराई से सोचना होगा। मुकदमों में देरी: न्याय का इंतजार कब तक? भारत में 'तारीख पर तारीख' एक कहावत बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला अदालत तक, हर जगह लाखों केस पेंडिंग हैं। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के मुताबिक मई 2026 तक देशभर की अदालतों में 5 करोड़ से ज्यादा मुकदमे लंबित हैं। सवाल यह है कि न्याय मिलने में इतनी देरी क्यों होती है और इसका खामियाजा कौन भुगतता है।

इस मामले में देरी की 5 बड़ी वजहें सामने आ रहीं हैं और यदि समय रहते उचित प्रबंध नहीं किए गए तो आगे यह और बढ़ सकती है।

जजों की कमी- देश में हर 10 लाख लोगों पर मात्र 21 जज हैं। लॉ कमीशन की सिफारिश 50 जज प्रति 10 लाख की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में ही 50% से ज्यादा पद खाली हैं। एक जज पर रोज 150 से 200 केस की सुनवाई का बोझ है। बुनियादी स्टाफ और इंफ्रास्ट्रक्चर- निचली अदालतों में स्टेनो, पेशकार, क्लर्क के पद खाली पड़े हैं। कई कोर्ट में कमरे, कंप्यूटर और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा नहीं है। आदेश टाइप होने में हफ्तों लग जाते हैं। पुलिस और जांच में लेटलतीफी- चार्जशीट समय पर दाखिल नहीं होती। गवाह पेश नहीं किए जाते। समन तामील नहीं होता। कई बार जांच अफसर ही ट्रांसफर हो जाते हैं और नया अफसर फिर से फाइल पढ़ता है।

FSL और एक्सपर्ट रिपोर्ट - रेप, मर्डर, NDPS केस में फॉरेंसिक रिपोर्ट के बिना ट्रायल रुक जाता है। देश की ज्यादातर फ्रस्रुलैब में स्टाफ कम है और पेंडेंसी 2 से 3 साल की है। वकीलों की रणनीति और बार-बार स्थगन भी इसका बहुत बड़ा कारण है- कई बार जानबूझकर तारीख ली जाती है। गवाह न आना, दस्तावेज न देना, बहस के लिए समय मांगना आम है। कोर्ट पर भी स्थगन देने का दबाव रहता है।

ऐसे में अब यह सवाल उठता है कि आखिर इस देरी का असर किस पर पड़ता है। हमने देखा है कि पुलिस अपने मुकदमें अक्सर हार जाती है और उसका सबसे बड़ा कारण भी लेट लतीफी ही है। एक -एक मुकदमें में पुलिस के न जाने कितने इन्वेस्टीगेशन आफिसर बदल जाते हैं। ठीक ढंग से पैरवी नहीं हो पाती है, गवाह मिलते नहीं हैं और अपराधी छूट जाता है। कई बार इसका खामियाजा पीड़ित को भी भुगतना पड़ता है। पीड़ित सालों केस लड़ने के बाद थककर समझौता कर लेता है। गवाह टूट जाते हैं या मर जाते हैं। **आरोपी:** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल में कहा कि इसी देरी का फायदा उठाकर कई आरोपी जमानत पर बाहर रहकर चुनाव लड़ते हैं और नेता-मंत्री बन जाते हैं। **आम आदमी:** कोर्ट का चक्कर लगाते-लगाते जिंदगी और कमाई दोनों चली जाती है। भरोसा टूटता है। **अर्थव्यवस्था:** कमर्शियल केस 5-10 साल तक खिंचते हैं। नीति आयोग के मुताबिक इससे जीडीपी को हर साल नुकसान होता है। इससे खिन्न होकर इलाहाबाद हाईकोर्ट को टिप्पणी करनी पड़ी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या कहा- जस्टिस अरुण कुमार देशवाल ने साफ किया कि देरी के लिए सिर्फ जज जिम्मेदार नहीं हैं। सरकार, पुलिस और खराब सिस्टम भी बराबर दोषी हैं। जब तक स्टाफ पूरा नहीं होगा, पुलिस जवाबदेह नहीं बनेगी और फ्रस्रुरिपोर्ट समय पर नहीं आएगी, तब तक जज चाहकर भी तेज फैसला नहीं दे सकते।

समाधान क्या है- खाली पद भरना: जज और कोर्ट स्टाफ की भर्ती मिशन मोड में हो। तकनीक का इस्तेमाल: ई-समन, ई-फाइलिंग, वर्चुअल गवाही को अनिवार्य किया जाए। पुलिस रिफॉर्म: चार्जशीट की समय सीमा तय हो। जांच अफसर की जवाबदेही तय की जाए। फ्रस्रुको मजबूत करना: हर जिले में लैब, ज्यादा साइंटिस्ट और टाइम बाउंड रिपोर्ट। स्थगन पर सख्ती: बिना ठोस वजह के तारीख न दी जाए। 'कॉस्ट' लगाकर स्थगन हतोत्साहित किए जाएं।

फास्ट ट्रैक कोर्ट- रेप, पॉक्सो, भ्रष्टाचार के केस के लिए अलग कोर्ट और डेडलाइन।

निष्कर्ष 'न्याय में देरी न्याय से इनकार के समान है' यह सिर्फ एक लाइन नहीं है। यह लाखों लोगों की हकीकत है। मुकदमों में देरी एक विभाग की गलती नहीं है। यह पूरे सिस्टम की सामूहिक नाकामी है। जब तक सरकार, पुलिस, फॉरेंसिक, वकील और कोर्ट सब अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक तारीख पर तारीख मिलती रहेगी। न्याय में तेजी लानी है तो सिस्टम की रफ्तार बढ़ानी होगी। तकनीकी के बढ़ने के साथ अभी तक न्यायालयों में इसका उपयोग कम ही देखने को मिला है। ई सम्मन को पूरी तरह से वैध किया जाना चाहिए यानि कि व्हाट्सएप या मैसेज के जरिए जो भी सम्मन भेजे जाएं उनको मान्यता दी जानी चाहिए। पुलिस के बयान को भी आन लाइन स्वीकारता दी जानी चाहिए। कभी - कभी छुट्टी न मिलने के कारण आई ओ महीनों गवाही के लिए नहीं आ पाता और केस पेंडिंग पड़े रहते हैं। यदि आई ओ नहीं आ पा रहा है तो उसके बयान आनलाईन दर्ज करने को पूरी तरह मान्यता दी जानी चाहिए।

वट सावित्री व्रत की परंपरा और धार्मिक महत्व

वट सावित्री व्रत भारतीय सनातन परंपरा का अत्यंत श्रद्धापूर्ण और पुण्यदायी पर्व माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय दांपत्य जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए रखा जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी को त्याग, समर्पण, प्रेम और धैर्य का प्रतीक माना गया है और वट सावित्री व्रत उसी आदर्श का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 2026 में यह पावन व्रत 16 मई, शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन महिलाएं विधिपूर्वक व्रत रखकर वट वृक्ष की पूजा करती हैं और सावित्री तथा सत्यवान की कथा सुनती हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं है, बल्कि वैवाहिक जीवन में विश्वास, निष्ठा और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश भी देता है।

वट सावित्री व्रत का संबंध पुराणों में वर्णित सावित्री और सत्यवान की अमर कथा से जुड़ा हुआ है। कथा के अनुसार सावित्री अत्यंत तेजस्विनी, बुद्धिमती और पतिव्रता स्त्री थीं। उन्होंने सत्यवान नामक राजकुमार को अपने पति के रूप में चुना, जबकि उन्हें यह ज्ञात था कि सत्यवान की आयु बहुत कम है। विवाह के बाद जब सत्यवान की मृत्यु का समय आया तो यमराज स्वयं उनके प्राण लेने पहुंचे। सावित्री ने अपने अटूट पतिव्रत, साहस, तप और बुद्धिमत्ता से यमराज को प्रसन्न कर लिया। अंततः यमराज को सत्यवान के प्राण वापस करने पड़े। इसी घटना के कारण सावित्री को आदर्श पतिव्रता नारी माना जाता है और उनके स्मरण में यह व्रत किया जाता है। वट वृक्ष का इस व्रत में विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का वास माना जाता है। इसकी विशाल जड़ें, लंबी आयु और सदैव हरा रहने वाला स्वरूप स्थिरता, समृद्धि और दीर्घ जीवन का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करके अपने परिवार की सुख समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। वट वृक्ष की परिक्रमा करते समय कच्चा सूत बांधा जाता है जो वैवाहिक संबंध की मजबूती और सात जन्मों के अटूट बंधन का प्रतीक माना जाता है।

वर्ष 2026 में वट सावित्री व्रत का शुभ समय सुबह 5:30 बजे से 8:15 बजे तक बताया गया है। वट वृक्ष पूजा का श्रेष्ठ समय सुबह 6:00 बजे से 7:45 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:50 बजे से 12:40 बजे तक रहेगा जिसे सभी शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना गया है। वहीं राहुकाल सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे तक रहेगा और इस समय पूजा करने से बचना चाहिए। शुभ मुहूर्त में पूजा करने से व्रत का फल अधिक शुभ माना जाता है और परिवार में सुख शांति बनी रहती है। इस व्रत की तैयारी महिलाएं एक दिन पहले से ही शुरू कर देती हैं। घर की साफ सफाई की जाती है और पूजा सामग्री एकत्र की जाती है। पूजा में वट वृक्ष, कच्चा सूत, रोली, अक्षत, जल, फूल, दीपक, फल, मिठाई, धूप, अगरबत्ती और पूजा की थाली का विशेष महत्व होता है। व्रत वाले दिन महिलाएं प्रातः जल्दी उठकर स्नान करती हैं और स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। कई स्थानों पर महिलाएं लाल, पीले या हरे रंग के वस्त्र पहनती हैं क्योंकि इन्हें शुभ माना जाता है। विवाहित महिलाएं सोलह श्रृंगार भी करती हैं जो सुहाग और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। पूजा के समय महिलाएं वट वृक्ष के पास जाकर जल अर्पित करती हैं, रोली और अक्षत चढ़ाती हैं तथा वृक्ष के चारों ओर 7 बार परिक्रमा करती हैं। परिक्रमा करते समय कच्चा धागा वृक्ष पर लपेटा जाता है। इसके बाद सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी जाती है। कई महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत भी रखती हैं जबकि कुछ महिलाएं फलाहार ग्रहण करती हैं। श्रद्धा और नियम के साथ किया गया यह व्रत वैवाहिक जीवन में प्रेम, सम्मान और विश्वास को मजबूत बनाने वाला माना जाता है। वट सावित्री व्रत केवल धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। भारतीय परिवार व्यवस्था में पति पत्नी का संबंध केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह व्रत परिवार में प्रेम, सहयोग, त्याग और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। महिलाएं इस दिन अपने परिवार के सुख और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। महिलाएं समूह में गीत गाती हैं, कथा सुनती हैं और सामूहिक रूप से पूजा करती हैं जिससे सामाजिक एकता भी बढ़ती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन कुछ विशेष नियमों का पालन करना आवश्यक माना जाता है। झूठ बोलने, क्रोध करने और किसी का अपमान करने से बचना चाहिए। तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। नाखून और बाल काटना भी अशुभ माना जाता है। दिन में सोना उचित नहीं माना जाता और काले वस्त्र पहनने से भी परहेज किया जाता है। माना जाता है कि शुद्ध मन और सच्ची श्रद्धा के साथ किया गया व्रत ही पूर्ण फल प्रदान करता है। आधुनिक समय में भी वट सावित्री व्रत का महत्व कम नहीं हुआ है। आज की व्यस्त जीवनशैली में भी महिलाएं अपनी परंपराओं और संस्कारों से जुड़ी हुई हैं। यह व्रत भारतीय संस्कृति की उस भावना को जीवित रखता है जिसमें परिवार, प्रेम और समर्पण को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। आज कई शिक्षित और कामकाजी महिलाएं भी इस व्रत को श्रद्धा के साथ करती हैं क्योंकि यह केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं बल्कि वैवाहिक जीवन के प्रति आस्था और सम्मान का प्रतीक है।

वट सावित्री व्रत हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा प्रेम केवल सुख के समय साथ निभाने का नाम नहीं बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति है। सावित्री ने अपने साहस, तप और बुद्धिमत्ता से मृत्यु तक को पराजित कर दिया था। उनकी कथा आज भी महिलाओं को आत्मविश्वास, धैर्य और समर्पण की प्रेरणा देती है। यही कारण है कि यह पर्व सदियों से भारतीय समाज में श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता रहा है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण का संदेश भी देता है। वट वृक्ष को पूजनीय मानने की परंपरा लोगों को वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूक करती है। वट वृक्ष पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। यह लंबे समय तक जीवित रहता है और अनेक जीवों को आश्रय प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति में पेड़ों को देवतुल्य मानकर उनकी रक्षा करने की परंपरा रही है और वट सावित्री व्रत उसी परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंत में यही कहा जा सकता है कि वट सावित्री व्रत श्रद्धा, प्रेम, निष्ठा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अनुपम संगम है। यह पर्व नारी शक्ति, पारिवारिक एकता और वैवाहिक जीवन की पवित्रता का संदेश देता है। वर्ष 2026 में 16 मई को मनाया जाने वाला यह पावन व्रत प्रत्येक विवाहित महिला के लिए विशेष महत्व रखता है। सच्चे मन, विश्वास और श्रद्धा से किया गया वट सावित्री व्रत जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और दांपत्य जीवन में मधुरता लाने वाला माना जाता है। यही कारण है कि यह पर्व भारतीय समाज में आज भी उतनी ही आस्था और भक्ति के साथ मनाया जाता है जितना प्राचीन काल में मनाया जाता था।

महेन्द्र तिवारी

कविता

संजीव-नी।

कामनाएं, पंखुरियों सी हल्की हों।

चलो गगन के पार चलें,
मन की थकी भावनाओं पर
बोझिल दस्तक न हो,
जहाँ रिश्तों की हथेलियों पर
आशाओं की धूप खिली खिली।

राग-द्वेष की धूल न हो,
स्वार्थ की दुखदाई बेलें
मानवता तक न पहुँचें
चलो वहाँ चलें,
शब्द नदी सा निर्मल हों,
आँखों में निराशा के भाव न हो।

जहाँ चेहरा
ओस सा पारदर्शी लगे,
लालच की धुंध में
आत्मा ना विचलित हो
प्रेम सीमा से परे
चिड़ियों सा गगन
में विचरण करें।

चलो उस दिशा में,
ममता का सौदा ना हो
करुणा दीप बन
हर पीड़ा के माथे
पर उजास फैला दे।

मन की मलीनताओं को
निर्मल वर्षा बहा ले जाए,
भीतर बैठा अकेलापन
बाँसुरी की धुन सुन
धीमे मुस्कुराने लगे।

चलो गगन के उस पार चलें,
जहाँ मनुष्य केवल मनुष्य हो,
न ऊँच-नीच का शोर हो,
न अहंकार की दीवारें।

कामनाएं
पंखुरियों सी हल्की हों,
जीवन की सांझ में भी
आशा का एक दीप
धीमे-धीमे जलता रहे।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष राशि कल का दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में रुका धन मिलने के संकेत हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। **शुभ रंग:** लाल **शुभ अंक:** 9

वृषभ राशि धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

मिथुन राशि कल का दिन लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। दोस्तों के साथ समय अच्छा बीतेगा। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

कर्क राशि भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। पारिवारिक मामलों में संयम जरूरी रहेगा। नौकरी में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लाभ देगा। **शुभ रंग:** क्रीम **शुभ अंक:** 2

सिंह राशि भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

कन्या राशि कल सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी दस्तावेज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 7

तुला राशि साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक राशि विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, लेकिन परिणाम अच्छे मिलेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

धनु राशि रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन शुभ है। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। **शुभ रंग:** पीला **शुभ अंक:** 3

मकर राशि घर-परिवार के मामलों में व्यस्तता बढ़ सकती है। संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 10

कुंभ राशि संचार और बातचीत से लाभ मिलेगा। नए लोगों से संपर्क भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे। छोटी यात्रा के योग हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ अंक:** 4

मीन राशि आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। निवेश करने के लिए समय अच्छा हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** पीला **शुभ अंक:** 12

आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, पर बौद्धिक शक्ति सीमाएँ लाँघ रही है

[दुनिया जीत रहे भारतीय, लेकिन अपना देश हार रहा है]

[ब्रेन ड्रेन या ब्रेन गेन? भारत के भविष्य की सबसे बड़ी दुविधा]

जब दुनिया की अर्थव्यवस्था अदृश्य संबंधों से नई दिशा गढ़ती है, तब भारत वह धुरी बनकर उभरता है जहाँ प्रवासन केवल स्थानांतरण नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव की प्रक्रिया बन जाता है–यही चित्र विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 प्रस्तुत करती है। 2024 में 138 अरब डॉलर (लगभग 11.5 लाख करोड़ रुपये) का रेमिटेंस सिर्फ आँकड़ा नहीं, बल्कि 19 मिलियन भारतीय प्रवासियों की प्रतिभा, परिश्रम और उनके योगदान का सशक्त प्रमाण है। यह पहली बार है जब किसी देश ने 100 अरब डॉलर की सीमा पार की है। अब गल्फ देशों से आगे बढ़कर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से आने वाले उच्च-कुशल भारतीय पेशेवरों का योगदान भारत की बदलती प्रवासन संरचना और उसकी तेजी से उभरती वैश्विक आर्थिक शक्ति को दर्शाता है।

आज का भारतीय प्रवासन अब श्रम-आधारित नहीं, बल्कि तेज़ी से उच्च-कुशल वैश्विक गतिशीलता में बदल चुका है। आईटी विशेषज्ञ, डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता और छात्र बेहतर वेतन, उन्नत शोध अवसरों और उच्च जीवन स्तर के लिए विदेश जा रहे हैं। विश्व बैंक और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार एच-1बी जैसी नीतियों ने भारतीय आईटी कौशल को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाया, लेकिन घरेलू प्रशिक्षण और रोजगार पर भी असर डाला है। आईआईटी जैसे संस्थानों के कई छात्र, खासकर टॉप रैंकर्स में एक तिहाई या अधिक विदेश जाते हैं, जिससे प्रतिभा का बड़ा हिस्सा बाहर चला जाता है, हालांकि कुछ मामलों में यह ब्रेन सर्कुलेशन का रूप भी लेता है। रेमिटेंस आज भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सशक्त वित्तीय धारा बन चुका है, जो परिवारों की आय को तुरंत सुदृढ़ कर शिक्षा, स्वास्थ्य और उपभोग व्यय को तेज़ी से बढ़ाता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा, स्थिरता और क्रय शक्ति का विस्तार होता है। आरबीआई के अनुसार पश्चिमी देशों से आने वाला उच्च-मूल्य रेमिटेंस अब गल्फ देशों की तुलना में अधिक प्रभावी भूमिका निभा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है और घरेलू मांग को निरंतर बल मिलता है। लेकिन यह विकास का पूर्ण आधार नहीं है, क्योंकि उच्च-कुशल प्रतिभा के बाहर जाने से दीर्घकाल में नवाचार, अनुसंधान एवं उत्पादकता पर दबाव भी बढ़ सकता है।

यह प्रवासन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक बदलावों की परतें भी उकेरता है। 'गल्फ वाइव्स' और 'एनआरआई पैरेंट्स' जैसी नई पारिवारिक संरचनाएँ तेजी से आकार ले रही हैं, जहाँ परिवार का एक हिस्सा विदेश में और दूसरा देश में भावनात्मक दूरी के साथ जीवन जीने को मजबूर होता है। बुजुर्ग माता-पिता अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। युवा पीढ़ी में विदेश-गमन की आकांक्षा एक मजबूत सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिससे घरेलू शिक्षा और करियर के मानक भी विदेशी मॉडल की ओर झुकते जा रहे हैं। साथ ही, महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ने से उनके जीवन में सामाजिक और भावनात्मक दबाव और अधिक गहरा हो जाता है।

ब्रेन ड्रेन और ब्रेन गेन का विमर्श आज वैश्विक विकास की सबसे निर्णायक बहसों में बदल चुका है। अनेक अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि विदेश जाने की संभावना घरेलू स्तर पर कौशल उन्नयन को भी गति देती है, जैसा कि फिलीपींस के नर्सिंग क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखा गया। भारत में भी यह प्रभाव आईटी सेक्टर में दिखाई देता है, जहाँ वैश्विक मांग ने प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा दोनों को नई ऊँचाई दी है। साथ ही ब्रेन गेन के रूप में रिवर्स माइग्रेशन भी बढ़ा है–2023-24 में लाखों प्रोफेशनल्स भारत लौटे, जिन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप्स को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। फिर भी स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी आज भी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

जब देश के भीतर अवसर सीमित और संरचनात्मक बाधाएँ स्पष्ट होती हैं, तब युवाओं का रुझान विदेश की ओर बढ़ता है। सीमित रोजगार, अनुसंधान में अपर्याप्त फंडिंग, असंतुलित वर्क-लाइफ और जटिल नौकरशाही उन्हें बाहर जाने के लिए प्रेरित करती है। उद्योग विशेषज्ञ श्रीधर वेम्बू इसे केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती को प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति मानते हैं, जो रुपये की स्थिरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की गति को भी धीमा करती है। साथ ही, विदेश शिक्षा पर होने वाला भारी व्यय देश से पैसा बाहर जाने की मात्रा बढ़ाता है, जिससे भारत के वित्तीय संतुलन पर दबाव पड़ता है।

नीति स्तर पर प्रतिभा को देश में बनाए रखना अब एक अनिवार्य और निर्णायक आवश्यकता बन चुका है। यदि भारत को अपने विदेशों में कार्यरत उच्च-कुशल भारतीयों के लाभ को संतुलित करना है, तो अनुसंधान एवं विकास में निवेश को बढ़ाकर इसे कम से कम जीडीपी के 0.64 प्रतिशत से ऊपर ले जाना होगा। इसके साथ कर प्रोत्साहन, स्टार्टअप इकोसिस्टम का विस्तार और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को तेज़ करना आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप मजबूत करना होगा, ताकि प्रतिभा को देश के भीतर ही अवसरों की व्यापक संभावनाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दें। केवल आर्थिक प्रोत्साहन ही नहीं, बल्कि प्रभावी और दूरगामी संस्थागत सुधार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जब वैश्विक प्रवासन की वास्तविक तस्वीर सामने आती है, तो 138 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत की आर्थिक शक्ति और व्यापक प्रवासी नेटवर्क की मजबूत पुष्टि करता है, लेकिन यह केवल एक पक्ष है। इसके भीतर प्रतिभा के निरंतर पलायन और सामाजिक ढांचे में हो रहे सूक्ष्म लेकिन गहरे परिवर्तन छिपे हैं। उच्च-कुशल प्रवासी भारत को दुनिया से जोड़ते हैं, पर देश के भीतर संतुलन स्थापित करना अब अनिवार्य हो गया है। ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन में बदलने के लिए शिक्षा, नवाचार और जीवन-गुणवत्ता में ठोस सुधार जरूरी हैं। विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 स्पष्ट करती है कि प्रवासन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया है, जिसे समझना और संतुलित करना भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन चुकी है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े आनलाइन ठगी के धंधे में लिप्त दो आरोपी

रूद्रपुर, देवरिया। एकौना थाना क्षेत्र का नारायणपुर कहीं दूसरा जामताड़ा तो नहीं बन रहा है। दिल्ली पुलिस ने नारायणपुर गांव से गुरुवार की शाम दो युवकों को धर दबोचा और अपने साथ ले गए। विश्वस्त सूत्रों की माने तो ये दोनों युवक छत्तीसगढ़ के जामतारा की तर्ज पर लोगों से ऑनलाइन ठगी का धंधा करते थे। गांव में इस तरह की सुगबुगाहट थी किंतु कोई मुंह नहीं खोल रहा था। बहुत जल्द ही इन लोगों के पास इफरात पैसा आने लगा और इन्होंने सुविधा भोगी जीवन जीना व्यतीत किया। गांव में आलीशान मकान भी बनवाया और चार पहिया गाड़ियां भी खरीदी। लोगों की माने तो ये युवक खाते से हैकिंग के माध्यम से पैसा भी निकाल लेते थे और ऑनलाइन ठगी के माध्यम से भोले भाले लोगों को लॉटरी के बहाने, इनाम के बहाने और गंभीर धाराओं में फसाने का डर दिखाकर पैसा मांगते थे। दोनों का काम इतना शातिराना अंदाज में चल रहा था कि किसी को कानो कान खबर नहीं हो रही थी। हालांकि गांव में उनके बढ़ते रसूख को देखकर लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म था। गुरुवार को जब दिल्ली पुलिस ने इन युवकों को उठाया तो लोगों का शक विश्वास में बदल गया। हालांकि एकौना पुलिस कुछ भी न जानने की बात कर रही है किंतु मामला गंभीर हो सकता है। बहरहाल उक्त दोनों आरोपी किस मामले में लिप्त है। दिल्ली पुलिस की कार्यवाही के बाद सच्चाई सामने आएगी।

पुलिस के सामने चटकी लाठियां, बुजुर्ग को पीट-पीट कर किया घायल

सहजनवा-गोरखपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के भैंसला में शुक्रवार को भूमि विवाद में दो पक्षों में भिड़ंत हो गई.पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच जम कर लाठियां चलीं और पुलिस कर्मी मूकदर्शक बने रहे. मारपीट में एक व्यक्ति को गंभीर चोट लगी है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी से सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसला में दो पक्षों के बीच भूमि को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा है.विवाद कोर्ट में भी लंबित है लेकिन शुक्रवार को एक पक्ष के तरफ से निर्माण कार्य शुरू किया जाने लगा। निर्माण का दूसरे पक्ष ने विरोध करना शुरू किया, जिसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इसी दौरान किसी ने डायल 112 की पुलिस को बुला लिया मौके पर पुलिस दोनों पक्षों से बातचीत कर रही थी कि अचानक दोनों पक्षों में तकरार बढ़ गई.देखते ही देखते दोनों पक्षों के पुरुष व महिलाएं एक दूसरे पर लाठी डंडा लेकर टूट पड़ी और जम कर लाठियां चलने लगी. विवाद के दौरान पुलिस कर्मी मूकदर्शक बन कर चुपचाप देखते रहे। मारपीट में शेषनाथ को गंभीर चोट लगी, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस को शेषनाथ सिंह ने तहरीर दी है। इस संदर्भ में थानेदार संजय कुमार मिश्र ने कहा कि जमीनी विवाद मे मार पिट की जानकारी मिली है. एक पक्ष से तहरीर भी आई है. मामले की जांच कर केस दर्ज किया जायेगा।

बकरी पालन योजना में 90 प्रतिशत अनुदान, 28 मई तक करें आवेदन

देवरिया। पशुपालन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए अनुदान संख्या-15 के तहत जनपद देवरिया को 10 बकरी इकाइयों का लक्ष्य आवंटित किया गया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि योजना में लाभार्थियों को 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत एक इकाई की कुल लागत 60 हजार रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें राज्यांश 54 हजार रुपये तथा लाभार्थी अंश 6 हजार रुपये होगा। प्रत्येक इकाई में एक नर एवं पांच मादा बकरियों का क्रय कराया जाएगा। नर बकरे की कीमत 10 हजार रुपये तथा प्रत्येक मादा बकरी की कीमत 9 हजार रुपये तय की गई है। शेष 5 हजार रुपये बीमा, चिकित्सा एवं परिवहन आदि मदों पर खर्च किए जाएंगे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि योजना का उद्देश्य सीमांत किसानों, भूमिहीन मजदूरों, विधवा एवं निराश्रित महिलाओं की आय बढ़ाना तथा बकरी पालन को प्रोत्साहित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के जनपद निवासी सभी वर्ग के लोग योजना के लिए पात्र होंगे। भूमिहीन महिला-पुरुष, विधवा, निराश्रित महिलाएं एवं बेरोजगार परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। चयन प्रक्रिया में 3 प्रतिशत दिव्यांगजनों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भेड़ एवं बकरी पालन प्रशिक्षण केंद्र इटावा तथा केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान फरह, मथुरा से प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। लक्ष्य के सापेक्ष 20 प्रतिशत अतिरिक्त लाभार्थियों की प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी। इच्छुक लाभार्थी 28 मई तक अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय अथवा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय, देवरिया में आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 208 करोड़ की 79 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

» लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र, चेक, टूलकिट व स्वीकृति पत्र
विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद महराजगंज के नौतनवा में 208 करोड़ रुपये लागत की 79 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, प्रतीकात्मक चाभी, चेक एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डेढ़ वर्ष बाद पुनः नौतनवा आने का अवसर मिला है और पिछले नौ वर्षों में महराजगंज की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कभी पिछड़े जनपद के रूप में पहचाने जाने वाला महराजगंज आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मुख्यमंत्री ने बनेलिया देवी रोहिन बैराज, प्रस्तावित सीएम कंपोजिट विद्यालय तथा निर्माणाधीन गोरखपुर-सोनौली फोरलेन मार्ग जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के सतत प्रयासों और सरकार की प्रतिबद्धता से यह विकास संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि नौतनवा के विधायक और सांसद समय-समय पर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं से सरकार को अवगत कराते रहते हैं। भारत-नेपाल संबंधों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच 'रोटी-बेटी' का रिश्ता सदियों पुराना है। साझा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक विरासत दोनों देशों को मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में पूर्वांचल के कई जिलों में एईएस और जेई जैसी गंभीर बीमारियों से बच्चों की मौत चिंता का विषय थी, लेकिन सरकार के सतत प्रयासों से अब इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने महराजगंज सहित पूरे क्षेत्र के बच्चों को जेई/एईएस जैसी घातक बीमारियों से मुक्ति दिलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि पहले गोरखपुर, महराजगंज, नौतनवा और ठूठीबारी की सड़कें बेहद खराब थीं, लेकिन अब इन क्षेत्रों को फोरलेन मार्गों से जोड़ा जा रहा है। इससे नौतनवा से गोरखपुर की दूरी लगभग एक घंटे में पूरी की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने रोहिन बैराज के लोकार्पण, बनैलिया मंदिर के जीर्णोद्धार और क्षेत्र में सड़कों के विस्तृत नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वनटांगिया गांवों को बीते नौ वर्षों में पहचान और अधिकार दिलाने का काम सरकार ने किया है। इन गांवों को राशन कार्ड, मतदाता सूची और विकास योजनाओं से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महराजगंज के सैकड़ों युवाओं ने पुलिस भर्ती में सफलता हासिल कर प्रदेश पुलिस में अपनी जगह बनाई है। आज उत्तर प्रदेश का नौजवान प्रदेश के बाहर अपनी पहचान छिपाने के बजाय गर्व से बताता है कि वह यूपी से है। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए नागरिकों से खाद्यान्न, बिजली, पेट्रोल और डीजल की बचत करने की अपील की। किसानों से यूरिया के सीमित उपयोग और जैविक एवं कम्पोस्ट खाद को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया। उन्होंने चेतावनी दी कि खाद्यान्न की कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा नवजात शिशुओं को पौष्टिक आहार और खिलौनों का वितरण किया। साथ ही लाभार्थियों को कृषि यंत्र, टूलकिट, आयुष्मान कार्ड एवं मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र, विधायक पनियरा ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 86 हजार रुपए की ठगी, दो नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा- गोरखपुर: सहजनवा तहसील के हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कटाई टिकर निवासी राकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि नौकरी दिलाने के नाम पर उसे कुल 86,000 रुपये की ठगी की गई। शिकायत में दो नामजद और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, धमकी और मारपीट के आरोप लगाये गए हैं। हरपुर-बुदहट पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रार्थना पत्र में राकेश ने बताया कि 30 जनवरी 2026 को ग्राम पंचायत दरघाट निवासी ज्योति पासवान (पत्नी शरद पासवान) ने उसकी पत्नी वंदना मौर्या का परिचय अविनाश नामक व्यक्ति से कराया। अविनाश ने सदर अस्पताल में नौकरी दिलाने के लिए तीन लाख रुपये की मांग की। झांसे में आकर राकेश ने अलग-अलग तिथियों में फोनपे के जरिए 46,000 रुपये ट्रांसफर किए और अतिरिक्त 40,000 रुपये नकद दिए, जिससे कुल 86,000 रुपये प्रदान किए गए।

राकेश के अनुसार आरोपियों ने नौकरी मिलने के नाम पर एक ज्वाइनिंग लैटर भी दिया, लेकिन जब वह ज्वाइनिंग लैटर लेकर सदर अस्पताल पहुंचे तो वह फर्जी निकला। ज्वाइनिंग लैटर फर्जी पाए जाने पर जब राकेश ने दिए गए पैसे वापस माँगे तो आरोपी उसे जान-माल की धमकी देने लगे।

सीओ गीडा योगेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष हरपुर-बुदहट को निर्देश दिए गए हैं। शिकायत के आधार पर अविनाश (पिता का नाम अज्ञात), ज्योति पासवान (पत्नी शरद पासवान) और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 348(2), 316(2), 351(3), 352, 318(2) और 131 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच-पड़ताल कर रही है।

धर्म शिक्षक बनने पर जतायी खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। भारतीय सेना में धर्म शिक्षक के पद पर चयनित होने पर लोगों ने खुशी जतायी है। विकासखण्ड सांगीपुर के कपूरपुर राजमतीपुर निवासी आचार्य त्रिलोकपति तिवारी पुत्र शिवमूर्ति तिवारी का चयन भारतीय सेना में धर्म शिक्षक के पद पर हुआ है। परिवारीजनों ने बताया कि त्रिलोकपति की बीती चौदह मई को तैनाती हुई है। प्रधान संजय सिंह, संत बहादुर सिंह, ऋषिराम तिवारी, संतोष सिंह, मंगेश मौर्या, दिलीप तिवारी आदि ने खुशी जतायी है।

गोरखपुर: पत्नी से अवैध संबंध के शक में बड़े भाई ने छोटे भाई को मारी गोली, गले में लगी गोली से हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। पत्नी से अवैध संबंध होने के शक में एक युवक ने अपने ही छोटे भाई को गोली मार दी। गोली युवक के गले में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पिस्टल समेत गिरफ्तार कर लिया। घायल युवक का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बेलीपार गांव निवासी धर्मेंद्र पाल के बेटे रोशन पाल को काफी समय से शक था कि उसकी पत्नी और छोटे भाई रोहन पाल के बीच अवैध संबंध हैं। इसी संदेह को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद और कहासुनी होती रहती थी। परिवार और गांव के लोगों ने कई बार दोनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ।

बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब 11 बजे एक बार फिर दोनों भाइयों के बीच इसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि रोशन पाल आपा खो बैठा। आरोप है कि उसने अचानक पिस्टल निकाल ली और छोटे भाई रोहन पाल पर फायर झोंक दिया। गोली सीधे रोहन के गले में जा लगी। गोली लगते ही वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर चीख-पुकार मच गई। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। गांव में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेलीपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को

तत्काल अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मौके से आरोपी रोशन पाल को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। एसपी साउथ दिनेश पूरी ने बताया कि दोनों भाई गांव में रहकर मजदूरी करते हैं, जबकि उनके पिता धर्मेंद्र पाल पुणे में पेंट-पॉलिश का काम करते हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही।

टीबी जांच को मिली मजबूती, जिले को मिलीं तीन नई ट्रूनट मशीनें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद में टीबी जांच सुविधाओं को और मजबूत करने की दिशा में शुक्रवार को बड़ी पहल की गई। महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी मेडिकल कॉलेज में चार-चार मॉड्यूल की दो ट्रूनट मशीनों तथा सीएचसी पथरदेवा में एक नई ट्रूनट मशीन का शुभारंभ किया गया। मेडिकल कॉलेज में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार गुप्ता एवं प्राचार्या रजनी पटेल ने फीता काटकर मशीनों का उद्घाटन किया। नई मशीनों के शुरू होने से जिले में ट्रूनट मशीनों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। इन मशीनों के माध्यम से टीबी रोगियों की त्वरित और सटीक जांच संभव हो सकेगी। सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्रूनट मशीन का उपयोग संभावित टीबी मरीजों की जांच में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के 18 स्वास्थ्य संस्थानों पर ट्रूनट मशीनें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें मेडिकल कॉलेज, सीएचसी गौरीबाजार, रुद्रपुर, बरहज, लार, सलेमपुर, पथरदेवा, तरकुलवा समेत कई पीएचसी और सीएचसी शामिल हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु से फैलती है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि लगातार खांसी, बलगम, बुखार, वजन घटना और रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। ट्रूनट मशीन के माध्यम से बीमारी की पुष्टि तेजी से हो सकेगी, जिससे मरीजों का उपचार समय पर शुरू किया जा सकेगा। कार्यक्रम में सीएमएस डॉ एचके मिश्रा, डीपीसी देवेंद्र प्रताप सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

लाहीलपार में स्वस्थ जीवनशैली पर गोष्ठी, बच्चों को भी किया जाएगा जागरूक

देवरिया। स्वस्थ जीवनशैली विषयक गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में ग्रीष्म ऋतु के अनुसार ऋतुचर्या और दिनचर्या अपनाने के प्रति लोगों एवं बच्चों को जागरूक किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से प्राथमिक विद्यालय लाहीलपार, देवरिया में आयोजित होगा। गोष्ठी में स्वास्थ्य विशेषज्ञ गर्मी के मौसम में खानपान, दिनचर्या, जल सेवन और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव देंगे। इस संबंध में जानकारी आरोग्य भारती के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. अजीत नारायण मिश्रा एवं महिला आयाम प्रमुख श्रीमती गरिमा तिवारी ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

केसीसी महाअभियान से किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

देवरिया। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना से अधिकाधिक जोड़ने के उद्देश्य से जनपद में 15 मई से 31 मई तक केसीसी संतृप्तिकरण महा अभियान चलाया जाएगा। यह निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। जिला अग्रणी प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आर. एस. प्रेम ने बताया कि अभियान के दौरान विकासखंड स्तर पर बैंक शाखाओं द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने की प्रक्रिया एवं इसके लाभों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन एवं फसली ऋण खातों के नवीनीकरण तथा समय से ऋण भुगतान पर मिलने वाले ब्याज अनुदान के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों को भी केसीसी योजना से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। जिला अग्रणी प्रबंधक ने बताया कि सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को अभियान में सक्रिय सहभागिता के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

डीजल-पेट्रोल को लेकर मची हाहाकार, ड्राई रह रहे पेट्रोल पंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। हालांकि लग्न समाप्त होने के बाद डीजल व पेट्रोल की मांग में थोड़ी बहुत कमी जरूर आई है किंतु अभी भी पेट्रोल पंपों पर डीजल व पेट्रोल के लिए लंबी-लंबी लाइन देखी जा रही है। तहसील क्षेत्र के तमाम पेट्रोल पंप ड्राई रह रहे हैं। मालिकों का कहना है कि नकद पैसा जमा करने के बाद भी एक हफ्ते पर किसी तरह से टैंकर मिल पा रहे हैं। इस बीच भारत सरकार ने डीजल और पेट्रोल के मूल्य में बढ़ोतरी भी कर दिया। बावजूद इसके मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पा रही है। तेल कंपनियों ने डीजल व पेट्रोल की बिक्री का मानक भी तय कर रखा है। उनका साफ कहना है की 500 से 1000 तक मूल्य का ही डीजल या पेट्रोल दिया जाए। इससे अधिक देने पर पेट्रोल पंप की आपूर्ति भी रोकी जा सकती है। दूसरी तरफ उपभोक्ताओं की मांग कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाल के दिनों में कार व मोटरसाइकिलों की बढ़ती संख्या के कारण

डीजल व पेट्रोल की मांग लगातार बढ़ रही है। अमेरिका- ईरान युद्ध संकट के अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए की लगातार गिरती स्थिति भी आयात में बाधा बन रही है। सरकार विदेश से कम से कम आयात करना चाहती है। जिससे डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूती मिल सके, किंतु भारत की जनता को अपनी आवश्यकता से ही मतलब है और केंद्र की भाजपा सरकार मांग के मुकाबले आपूर्ति नहीं कर पा रही है। जिसे लेकर लोगों में आक्रोश भी व्याप्त हो रहा है। पेट्रोल पंप मालिक और वहां काम करने वाले लोग भी उपभोक्ताओं की डिमांड को लेकर खासे परेशान है और तू तू मैं मैं की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

गोरखपुर में दर्दनाक अंत: इंजीनियर ने कुसम्ही जंगल में लगाई फांसी, परिवार के लिए बनाया आखिरी वीडियो

● बोला- 'मेरा सेहरा तैयार हो गया है'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र स्थित कुसम्ही जंगल से शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई। पत्नी से चल रहे विवाद, कोर्ट केस और मानसिक तनाव से परेशान एक इंजीनियर ने जंगल में पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। आत्महत्या से पहले युवक ने परिवार के लिए एक भावुक वीडियो भी बनाया, जिसमें उसने कहा– 'मेरा सेहरा तैयार हो गया है... '। बताया जा रहा है कि मृतक लंबे समय से पारिवारिक कलह और कानूनी विवादों से तनाव में था। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने लिखा– 'मेरे मरने का समय नहीं था, लेकिन पत्नी के अत्याचार से जीने की इच्छा नहीं बची।' इस लाइन ने पूरे मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है। घटना की सूचना मिलते ही खोराबार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जंगल में युवक का शव लटकता देख इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए। पुलिस मृतक के मोबाइल, वीडियो और सुसाइड नोट की जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, इंजीनियर और उसकी पत्नी के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। मामला कोर्ट तक पहुंच चुका था, जिससे वह मानसिक रूप से टूट चुका था।

आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो में युवक बेहद भावुक नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और सुसाइड नोट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। यह घटना एक बार फिर रिश्तों में बढ़ते तनाव और मानसिक दबाव के गंभीर परिणामों को सामने ला रही है।

कागजों में इंटर कॉलेज, जमीन पर गैस गोदाम, दुर्गापुर से लाइसेंस- मुडिला में कारोबार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुडिला/दुर्गापुर(महराजगंज)। गैस एजेंसी के नाम पर सरकारी जमीन हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 'प्रगतिशील गैस एजेंसी' का लाइसेंस दुर्गापुर ग्राम सभा के पते पर जारी हुआ है, लेकिन इसका गोदाम मुडिला ग्राम सभा में आराजी नंबर 944 मि की जमीन पर बना है। जांच में सामने आया कि आराजी नंबर 944 इंटर कॉलेज और कन्या इंटर कॉलेज के नाम से दर्ज है। हैरानी की बात यह है कि इस जमीन पर आज तक स्कूल का निर्माण ही नहीं हुआ। केवल कागजों में यह जमीन स्कूल के नाम पर है। इसी खाली पड़ी जमीन पर अवैध रूप से गैस एजेंसी का गोदाम बना दिया गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने खोला मोर्चा

पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय ने इस पूरे फर्जीवाड़े को लेकर उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि आराजी नंबर 944 शिक्षा विभाग की संपत्ति है। वहां इंटर कॉलेज या कन्या इंटर कॉलेज का निर्माण कभी हुआ ही नहीं। इसके बावजूद राजस्व और आपूर्ति विभाग ने मिलीभगत कर उस जमीन पर गैस गोदाम के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दी। नरसिंह पाण्डेय ने लाइसेंस रद्द कर जमीन कब्जा मुक्त कराने और दोषियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बाहुबली के दबाव में झुका विभाग

स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक स्थानीय बाहुबली के दबाव में विभाग ने सारे नियम ताक पर रख दिए। स्कूल की जमीन पर व्यावसायिक गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गई। बाहुबली ने अपने बचाव के लिए बेहद गरीब ग्रामीण के नाम पर लाइसेंस लिया है। गोदाम से लेकर सिलेंडर वितरण तक पूरा कारोबार बाहुबली ही देखता है। कागजी लाइसेंसधारी को हर महीने बाहुबली की तरफ से वेतन दिया जाता है।

फर्जीवाड़े के अहम बिंदु:

1. जमीन का खेलः आराजी नंबर 944 इंटर कॉलेज और कन्या इंटर कॉलेज के नाम दर्ज है। मौके पर कोई स्कूल नहीं है।
2. पता बदलकर लाइसेंस आवेदन में दुर्गापुर का पता दिखाया गया, जबकि गोदाम मुडिला में शिक्षा विभाग की जमीन पर है।
3. बेनामी संचालनः लाइसेंस गरीब व्यक्ति के नाम पर, असल मालिक बाहुबली।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि शिकायत मिली है। राजस्व रिकॉर्ड और अनापत्ति प्रमाण पत्र की फाइल तलब की गई है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई होगी।

पुलिस लाइन में एसपी ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, फिटनेस और अनुशासन पर दिया जोर

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर पुलिस बल का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस कर्मियों की शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस को लेकर विशेष जोर दिया गया। एसपी ने सभी पुलिसकर्मियों की दौड़ लगवाकर उन्हें फिट रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल भी कराई गई। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने क्वार्टर गार्ड, एमटी शाखा, यूपी-112 पीआरवी, मनोरंजन कक्ष, जिला मेस, स्टोर और आरटीसी मेस समेत विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यूपी-112 पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरण, फर्स्ट एड किट सहित अन्य संसाधनों की जांच कर उनकी नियमित साफ-सफाई और समुचित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने गार्ड कमांडरों एवं विभिन्न शाखाओं के रजिस्टरों और अभिलेखों का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सभी अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने पर विशेष बल दिया गया। एसपी के निर्देश पर जनपद के सभी थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को भी शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रखने तथा अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से नियमित परेड कराई जा रही है।

गोला राजस्व टीम के सामने धधकी झोपड़ी, कब्जा हटाने की कार्रवाई बीच में रुकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला- गोरखपुर: गोला बाजार के रकौली गांव में गुरुवार की देर शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व और पुलिस टीम के सामने अचानक एक झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रशासन को कब्जा हटाने की कार्रवाई बीच में ही रोककर वापस लौटना पड़ा। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ग्राम रकौली स्थित गाटा संख्या 164 की करीब 0.3080 हेक्टेयर जमीन को लेकर बंगेश चौधरी और अशोक यादव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। मामला हाईकोर्ट, दीवानी न्यायालय बांसगांव और एसडीएम कोर्ट गोला तक पहुंच चुका है। आरोप है कि अशोक यादव कई वर्षों से जमीन पर नाद-खूंटा गाड़कर और छप्पर डालकर कब्जा किए हुए हैं। करीब पांच साल पहले उपजिलाधिकारी न्यायालय से बंगेश चौधरी के पक्ष में फैसला आने के बावजूद

उन्हें जमीन पर कब्जा नहीं मिल सका था।

हाल ही में बंगेश चौधरी ने उपजिलाधिकारी गोला से शिकायत कर अवैध कब्जा हटवाने की मांग की थी। लेखपाल की रिपोर्ट में भी भूमि बंगेश चौधरी के पक्ष में बताए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर 11 मई को नायब तहसीलदार बालचंद चौहान के नेतृत्व में राजस्व टीम गठित की गई थी। गुरुवार शाम राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई शुरू होते ही नाद-खूंटा उखाड़ा जाने लगा, तभी बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। इसी दौरान अचानक झोपड़ी से आग की लपटें उठने लगीं। आग लगते ही मौके पर भगदड़ मच गई और प्रशासनिक कार्रवाई रोकनी पड़ी। राजस्व टीम का आरोप है कि कार्रवाई रुकवाने के लिए झोपड़ी के अंदर मौजूद महिला ने खुद आग लगा ली, जबकि अशोक यादव ने विपक्षी पक्ष पर आगजनी कराने का आरोप लगाया है।

अशोक यादव का कहना है कि जमीन उनके पिता ने वर्षों पहले खरीदी थी और वे लंबे समय से उस पर काबिज हैं। उन्होंने विपक्ष पर फर्जी तरीके से वरासत कराने का भी आरोप लगाया। घटना के दौरान नायब तहसीलदार बालचंद चौहान, राजस्व निरीक्षक चंद्रमणि, लेखपाल प्रकाश चंद्र, अजय पाठक, सुरेंद्र पटेल, आलोक कुमार सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

संक्षिप्त खबरें

जलभराव से नाराज लोगों ने पालिका में किया प्रदर्शन

तिलहर (शाहजहांपुर)। मकान के आगे जलभराव तथा गंदगी से परेशान नागरिकों ने प्रदर्शन करते हुए अधिशासी अधिकारी सत्येन्द्र प्रकाश को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार को निजाम गंज मोहल्ले के तमाम नागरिकों ने प्रदर्शन करते हुए अधिशासी अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश उद्यापन सौंप कर बताया कि उनके मोहल्ले में स्थित तालाब का गंदा पानी गलियों के साथ-साथ कई घरों तक पहुंच गया है, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। मोहल्ले में जलभराव के कारण बच्चों और बुजुर्गों में संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया गया। अधिशासी अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश ने बताया कि तालाब का पानी गलियों तथा कुछ घरों तक पहुंचने से लोगों को परेशानी हो रही है। पानी निकासी के लिए दो मोटरें भेजी जा रही हैं, जिनकी मदद से जल्द जलभराव समाप्त कराया जाएगा। साथ ही स्थायी समाधान के लिए भी योजना बनाई जा रही है।इस दौरान हिंदू युवा वाहिनी के डॉ. संजीव कुमार, रामगोपाल गुर्जर, सूरजपाल, मंगली सहित तमाम नागरिक मौजूद रहे।

तीन सौ बेड हॉस्पिटल बरेली में क्लस्टर बेस्ड ट्रेनिंग का आयोजन सम्पन्न हुआ

बरेली। 300 बेड हॉस्पिटल बरेली में क्लस्टर बेस्ड ट्रेनिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसमें ई एम टी कर्मचारियों को आपातकालीन सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान MOIC डा. सुनील सर ने EMT स्टाफ को गोल्डन ऑवर के महत्व, रोड ट्रैफिक एक्सीडेंट (RTA) केस में एम्बुलेंस की तैयारी, एम्बुलेंस में सुरक्षित डिलीवरी कराने की प्रक्रिया एवं PPH (पोस्ट पार्टम हेमरेज) के प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर सही उपचार एवं तैयारी मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस दौरान PM शिवम ने भी EMT कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां एवं कार्य से संबंधित उपयोगी सुझाव दिए। साथ ही ट्रेनर फैजान, ऑडिटर संदीप एवं EME अभिषेक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुनील सर ने सभी EMT एवं स्टाफ के कार्यों की सराहना करते हुए उनके समर्पण एवं सेवा भावना की प्रशंसा की। प्रशिक्षण में मौजूद सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई जानकारियां प्राप्त कीं।

'नो व्हीकल डे' को सफल बनाने को निकली टूण्डला प्रेस क्लब की पदयात्रा

टूण्डला पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत का दिया संदेश, लोगों से अभियान में जुड़ने की अपील

टूण्डला। फ़िरोज़ाबाद जिलाधिकारी संतोष शर्मा की 'नो व्हीकल डे' पहल को समर्थन देते हुए शुक्रवार शाम टूण्डला प्रेस क्लब द्वारा जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन बचत का संदेश दिया। शाम करीब छह बजे फ्रेंड्स क्लब, दीपा का चौराहा से शुरू हुई पदयात्रा बड़े चौराहे तक निकाली गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने लोगों से अनावश्यक निजी वाहनों का उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। पदयात्रा का उद्देश्य लोगों को पेट्रोल-डीजल की बचत, प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूक करना रहा। प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि यदि लोग सप्ताह में एक दिन भी निजी वाहनों का कम उपयोग करें तो इससे पर्यावरण को बड़ा लाभ मिल सकता है। इस अवसर पर संरक्षक राजू उपाध्याय, हेमंत उपाध्याय, पुनीत रावत, अध्यक्ष राधेश्याम चौहान, सचिव अरुण रावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोमेंद्र पोनिया, सीपी रावत, हितेंद्र यादव और कोषाध्यक्ष राष्ट्रदीप जैन, रामपाल सिंह, सुनील गर्ग, विवेक शर्मा, संतोष शर्मा, संजय पचौरी, गुलाब सिंह, जावेद अली, गिरधारी लाल, योगेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, उपेंद्र, महेश ठैनुआं, अनुज रावत, अंकित श्रोत्रिय, विमल किशोर, सुनील गर्ग, सहित समस्त सामाजिक संगठन के लोग मौजूद रहे।

अरुणेश मिश्रा और लेखपाल डीमरौल पर रिश्वत लेने के गंभीर आरोप

● रुपये लेते ऑडियो और वीडियो हो रहा सोशल मीडिया पर वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- मामला तहसील गोला के ब्लॉक बीजूआ के अंतर्गत ग्राम डीमरौल में एक किसान की जमीन को विपक्षी गणों से भारी भरकम रिश्वत राशि लेकर उसके नाम दर्ज जमीन को विपक्षियों को नाप दिए जाने का मामला चर्चा का विषय बना है।शिकायत कर्ता का आरोप है कि लेखपाल शिल्पा सिंह और काफी समय से गोला तहसील में जमे कानूनगो अरुणेश मिश्रा ने रिश्वत लेकर किए गए खेल के चलते किसान अपनी बोई हुई फसल गेहूं की नहीं काट पा रहा हैं कानूनगो और लेखपाल शिल्पा सिंह का रुपये लेते वीडियो भी वायरल हो रहा है और ऑडियो रिकॉर्डिंग भी वायरल हुई है फिर भी इन भ्रस्ट लोगों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हो रही हैं । किसान न्याय की आशा लिए अधिकारियों की चौखट की गणेश परिक्रमा कर्ता फिर रहा है लकिन उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। गोला तहसील के अंतर्गत ग्राम पलहनापुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने भी कानून गो अरुणेश मिश्रा पर रिश्वत खोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं प्रधान प्रतिनिधि के द्वारा लगाए गए आरोपों में भारी रिश्वत राशि लेकर सार्वजनिक उपयोग की सैकड़ों बीघा जमीन पर कानूनगो ने कब्जा करा रहा हैं कई तो पक्के मकान बनवा दिए हैं।जिनमें से चार अवैध कब्जे दारो पर बेदखली के आदेश भी पारित हो चुके हैं इतना ही नहीं बेदखली आदेश पारित हुए 6 माह हो चुके हैं आज तक बेदखली नहीं कारवाई गई।अब उक्त अवैध कब्जा धारकों से 60,000 रुपए लेकर बेदखली आदेश को अपास्त करने के लिए वर्तमान लेखपाल मोहन कश्यप से पूनःजिरह करने का दबाब बनाया जा रहा है। अवैध कब्जा धारक राजेंद्र सिंह बृजेंद्र सिंह, शिव बालक सिंह तथा गजेंद्र सिंह ने ऑन कैमरा बताया कि कानूनगो अरुणेश मिश्रा ने उनसे उपरोक्त राशि ली है और कहा है कि बेदखली आदेश खत्म करवा देंगे।इतना ही नहीं राजेंद्र सिंह ने तो यहां तक बताया है कि दर्जनों लोगों ने काफी सरकारी जमीनें कब्जा कर रखी हैं जिन पर कोई कार्रवाई आजतक नहीं की गई है। क्योंकि सभी ने तत्कालीन लेखपाल और कानूनगो मिश्रा को पैसा दिया था उस समय हम चार लोगों ने पैसा नहीं दिया तो बेदखली की कार्रवाई की गई है इसलिए हमने भी वही किया जो सबने किया है।काफी दिन पैसा दिए हो चुका है लकिन बेदखली आदेश निरस्त नहीं किया गया । इनके चर्चे तो पूरे गोला तहसील में हो रहे है यह जनाब तो तहसील के आला अफसरों के खास माने जाते हैं इनकी मर्जी के वगैर पत्ता नहीं हिल सकता ऐसा कई विभागीय सूत्रों ने बताया है।बताया तो यहां तक जा रहा है कि ग्राम मुड़ा बुजुर्ग में खलिहान खेल मैदान श्मशान पर अवैध कब्जा कराकर भारी रिश्वत राशि वसूली गई है इसकी जानकारी तहसील दार गोला को भी उप जिलाधिकारी गोला को भी है लकिन किसी ने भी सार्वजनिक भूमि का सीमांकन कराकर अवैध कब्जा हटवाया जाना उचित नहीं समझा।जिसके परिणामस्वरूप आज पूरी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण दबंगों का देखा जा सकता है। ग्रामीणों में तहसील प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों ने मांग की है कि गाव की सरकारी जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराकर अवैध तरीके से कब्जा करने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का तो यहां तक कहना है कि जब तक इनका कार्यकाल चलेगा या यह यहां रहेंगे तब अवैध कब्जा मुक्त नहीं हो पाएँगी सरकारी जमीन। 78 एकड़ सरकारी जमीन को इन्हीं कानूनगो साहिब ने बीजुआ निवासी मोहित दीक्षित को ठेके पर दे रखी है जिस पर धान और गन्ना की फसल खड़ी देखी जा सकती हैं।मीडिया में खबरें चलने के बाद तहसील दार पूर्व अमले के साथ मौके मुआयना करने गए थे मौके पर जाने के बाद भी किसी के कान पर जू तक नहीं रेंग रहा हैं अब इसे प्रशासनिक लापरवाही कहे या फिर कुछ और जो राजस्व अभिलेखों में सरकारी जमीन दर्ज होने के बाद भी कब्जा क्यों नहीं हटवाया जा रहा है बड़ा सबाल है?

पेपर लीक के विरोध में एबीवीपी का उग्र प्रदर्शन, एनटीए का फूंका पुतला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, शाहजहांपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं का गुस्सा बुधवार को सड़कों पर फूट पड़ा। नगर इकाई तिलहर के बैनर तले छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए एनटीए का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की। नगर के विरियागंज चौराहे पर पुतला फूकते हुए विभाग संयोजक हर्षित ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है और जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष मिश्रा ने कहा कि छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक माफिया उनकी मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को जेल भेजा जाए।नगर मंत्री वैभव मिश्रा ने कहा कि लगातार हो रहे घोटालों से युवाओं का परीक्षा प्रणाली से भरोसा उठता जा रहा है। सरकार को परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'पेपर लीक बंद करो', 'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो' जैसे नारे लगाए। इस मौके पर दिव्यांश अग्रवाल, सारांश गुप्ता, राहुल राठौर, राहुल गंगवार, अली खान, दीपक मिश्रा, संदीप वर्मा, शुभम गुप्ता, शिवांग शुक्ला, आयुष गुप्ता समेत बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

तहसील परिसर में बैनामा को लेकर हंगामा, स्टांप पेपर फाड़े, आरोपी हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर (शाहजहांपुर)। तहसील परिसर में शुक्रवार को जमीन के बैनामे को लेकर उस समय अफरा-तफरी मच गई,जब दो भाइयों के बीच विवाद बढ़ने पर मारपीट और हंगामा शुरू हो गया।आरोप है कि गुस्साए युवक ने बैनामे के लिए तैयार किए गए स्टांप और दस्तावेज फाड़ दिए। घटना से तहसील परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं और अन्य लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया।थाना खुदागंज क्षेत्र के गांव भुण्डी के निवासी सेठपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह गांव तहरपुर परगना जलालपुर स्थित अपने हिस्से की जमीन का बैनामा गांव तहरपुर के निवासी रामकिशन के पक्ष में कराने के लिए शुक्रवार को तहसील स्थित अधिवक्ता विनीत शर्मा के चैंबर पर पहुंचे थे। वहां बैनामे की प्रक्रिया चल रही थी और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जा चुके थे।इसी दौरान उनका भाई गुलफान वहां पहुंच गया। आरोप है कि उसने बैनामे का विरोध करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मारपीट पर उतारू हो गया।सेठपाल का आरोप है कि गुलफान ने करीब पांच लाख 250 रुपये मूल्य के स्टांप व बैनामा संबंधी कागजात फाड़ दिए। तहसील परिसर में अचानक हुए हंगामे से अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने आरोपी गुलफान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा ने बताया कि मामले में शांति भंग करने के आरोप में संबंधित व्यक्ति का चालान किया गया है।

गन्ना किसानों की सुविधा के लिए द्वारकेश चीनी मिल ने खोला क्षेत्रीय कार्यालय

बरेली/ द्वारकेश चीनी मिल फरीदपुर के द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, नवाबगंज एवं चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक गन्ना तथा गन्ना समिति नवाबगंज के संचालक राकेश द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य महाप्रबंधक गन्ना द्वारा किसानों को गन्ना विकास एवं विपणन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। क्षेत्रीय प्रबंधक अखिलेश गंगवार द्वारा किसानों को मिल द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। गोष्ठी में मिल की ओर से संदीप राणा, रामपाल गंगवार एवं विकास वर्मा उपस्थित रहे। गोष्ठी में उपस्थित किसानों ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने, आधुनिक खेती अपनाने तथा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चर्चा की तथा मिल प्रशासन द्वारा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया गया।

समायोजन सूची में अनेकों खामियां,संगठन ने की काउंसलिंग कराने की मांग

● जूनियर में आदेश के बावजूद भी सब्जेक्ट मैपिंग लागू नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की इकाई ने शुक्रवार को समयोजन संबंधित अनेक समस्याओं और मांगो को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा एवं उसके उपरांत प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भी वार्ता की।जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने मांग की है, समायोजन उपरांत विद्यालय आवंटन से पूर्व महिला शिक्षिकाओं के साथ साथ पुरुष शिक्षकों की भी काउंसलिंग कराई जाए,जिससे शिक्षकों को सुविधानुसार स्कूल मिल सके एवं जनपद के अनेक उच्च प्राथमिक विद्यालयों में एक ही विषय के एकाधिक शिक्षक कार्यरत हैं। अतः ऐसे विद्यालयों में सरप्लस शिक्षक का चयन करते समयविषयवारआवश्यकता का विशेष ध्यान रखा जाए, उसी विषय के अतिरिक्त शिक्षकों को ही सरप्लस माना जाए।जिला अध्यक्ष ने बताया किसी भी शिक्षक के साथ गलत नहीं होने दिया जायेगा।मांडलिक मंत्री रुचि सैनी ने बताया कि आदेशानुसार जहां 30 अप्रैल 2026 तक दो शिक्षक कार्यरत हैं, वहां पुन तैनाती नहीं की जाएगी,इसका ध्यान रखा जाए। केवल उन्हीं विद्यालयों में समायोजन किया जाए जहां उक्त तिथि तक दो शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। वहीं कुछ शिक्षकों ने आरोप लगाया है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय रजऊ में भाषा के 7 शिक्षक कार्यरत हैं, तीन भाषा के पद हैं।जबकि किसी का नाम समायोजन में नहीं है और ऐसा कई स्कूल में ऐसा हुआ है।वही वि चैनपुर के कई स्कूल में पचास बच्चे से कम हैं, वहां दो शिक्षक कार्यरत हैं । फिर भी एक पद और पद स्वीकृत दिखा रखा है। जिला मंत्री गिरजेश कुमार द्वारा भदपुरा ब्लॉक का संगठन विस्तार किया गया।जिसमें ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्रपाल, संयुक्त मंत्री संजीव कुमार, महिला उपाध्यक्ष वंदना गुप्ता एवं अनेक पदाधिकारी की घोषणा की गई। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार ने मांग की सरप्लस शिक्षकों के निर्धारण के लिए एक समान मानक अपनाया जाए। कहीं वरिष्ठ शिक्षक एवं कहीं कनिष्ठ शिक्षक और किसी ब्लॉक में हेड को सरप्लस में दिखाया गया है और किसी ब्लॉक में नहीं जबकि आदेशानुसार हेड का समायोजन नहीं होना है अतः जारी लिस्ट में एकरूपता लाई जाए। ब्लॉक फरीदपुर के हमारे दो शिक्षक साथी सड़क दुर्घटना में आकस्मिक घटना में मृत्यु हो गई है।संगठन ने दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की। ज्ञापन देने बालों में जिला मंत्री गिरजेश कुमार,जिला संयुक्त मंत्री प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार,जिला संगठन मंत्री अतुल सिंह एवं अरुण गंगवार एवं हेमेंद्र गंगवार ,जिला प्रचार मंत्री बचन सिंह,जिला उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता,जिला प्रचार मंत्री धीरेंद्र चौहान,जिला प्रवक्ता अरविंद कुमार,जिला उपाध्यक्ष शुमायला खान, दमखोदा के अध्यक्ष राजप्रकाश गंगवार, भदपूरा के अध्यक्ष सोम पाल मंत्री अमित गंगवार, ब्लॉक मंत्री अजय कुमार , प्रदीप पुष्कर, इंद्रपाल गंगवार,सुनील कुमार, राहुल गंगवार, सनी ग्वाल, नेहा, साक्षी कटियार, मोनी, सहित तमाम शिक्षक रहे।

8 वर्षों से सड़क के नाम पर सिर्फ छलावा, अब आर-पार की लड़ाई के मूड में ग्रामीण

● 24 मई की महापंचायत में 2027 विधानसभा चुनाव बहिष्कार पर होगा ऐतिहासिक फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बेदाखेड़ा से मझिगवां तक लगभग 5 किलोमीटर लंबे संपर्क मार्ग की बदहाल स्थिति ने अब क्षेत्रवासियों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। आठ वर्षों से सड़क निर्माण के नाम पर केवल आश्वासन, झूठे वादे और राजनीतिक दिखावा मिलने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि अब भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो बड़ा जनआंदोलन छेड़ा जाएगा और 2027 विधानसभा चुनाव के पूर्ण बहिष्कार का निर्णय लिया जाएगा।खेल मैदान मुंडा विष्णु में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि जनता को लगातार गुमराह किया गया है। हर बार आंदोलन उठने पर 'बजट पास ', 'टेंडर प्रक्रिया' और 'जल्द निर्माण' जैसे खोखले दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर सड़क आज भी मौत का रास्ता बनी हुई है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार का निर्णय लिया था। उस समय मंडी परिषद उत्तर प्रदेश के सचिव द्वारा लिखित आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया गया और मतदान कराया गया, लेकिन दो वर्ष बाद भी न सड़क बनी और न ही किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने जवाबदेही निभाई। इससे साफ है कि जनता की समस्याओं को केवल चुनावी हथकंडे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।बैठक में कहा गया कि टूटी सड़क और गहरे गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्कूली बच्चों को महज 5 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए लगभग 10 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है। किसान, मजदूर और मरीज तक इस बदहाल सड़क के कारण गंभीर परेशानियां झेल रहे हैं।ग्रामीणों ने प्रशासनिक चुप्पी को जनता के साथ विश्वासघात बताते हुए कहा कि अब क्षेत्रवासी भी चुप नहीं बैठेंगे। गांधीजी के असहयोग आंदोलन की तर्ज पर सरकारी कार्यों में सहयोग न करने और जनगणना जैसे कार्यों का बहिष्कार करने की रणनीति बनाई जा रही है।बैठक में सर्वसम्मति से 24 मई को विशाल महापंचायत बुलाने का निर्णय लिया गया, जिसमें हजारों ग्रामीण भाग लेंगे। महापंचायत में 2027 विधानसभा चुनाव के पूर्ण बहिष्कार सहित व्यापक जनआंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि अब यह आंदोलन किसी आश्वासन से रुकने वाला नहीं है। यदि जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष छेड़ा जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।बैठक में संदीप वर्मा, पुष्पेंद्र, निलेश, कैलाश, मोहम्मद अशफाक, संजय, रामकुमार, रामेश्वर प्रसाद समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जज साहब से सिफारिश लगवाकर जेल भेजने की धमकी, पीड़ित ने कोतवाली में दी तहरीर

● न्यायालय में काम करने वाली मां-बेटी पर न्यायधीश के नाम के दुरुपयोग का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निघासन खीरी। निघासन क्षेत्र के प्रीतम पुरवा गांव निवासी विनोद कुमार ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाली शांति देवी पत्नी राजू आए दिन विवाद करती हैं और झूठे आरोप लगाकर कोतवाली में प्रार्थना पत्र देती रहती हैं।विनोद कुमार के अनुसार उनके घर तक आने-जाने का रास्ता उनके नाम दर्ज खतौनी में मौजूद है, बावजूद इसके शांति देवी लगातार विवाद करती रहती हैं। पीड़ित का कहना है कि कई बार दोनों पक्षों में समझौता भी हो चुका है, लेकिन इसके बाद भी शांति देवी विवाद और गाली-गलौज से बाज नहीं आ रही हैं।विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि शांति देवी कहती हैं कि उनकी बेटी निघासन वाह्य न्यायालय में कार्य करती है और जज साहब से सिफारिश लगवाकर मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवा देंगी। इतना ही नहीं, शांति देवी खुद भी न्यायालय में काम करने की बात कहकर लोगों पर दबाव बनाने का प्रयास करती हैं।पीड़ित विनोद कुमार का कहना है कि जब गाली-गलौज का विरोध किया जाता है तो उन्हें न्यायालय और न्यायाधीश के नाम पर डराया-धमकाया जाता है। मामले से आहत होकर उन्होंने निघासन कोतवाली में लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेजतर्रार सीओ यादवेंद्र यादव की कार्यशैली बनी मिसाल, क्षेत्र में हो रही सराहना

मितौली खीरी। क्षेत्राधिकारी मितौली यादवेंद्र यादव अपनी ईमानदार एवं सक्रिय कार्यशैली को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना उनका प्रमुख लक्ष्य है, जिसके चलते वह हर छोटी-बड़ी घटना पर स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति की कमान संभालते हैं।सीओ यादवेंद्र यादव की तत्परता और सख्त लेकिन जनहितैषी कार्यशैली से क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था मजबूत हुई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि किसी भी घटना की सूचना मिलते ही वह बिना देर किए मौके पर पहुंचते हैं और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।उनकी सक्रियता के चलते अपराध नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को काफी सफलता मिल रही है। आमजन के प्रति सरल व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठा के कारण क्षेत्र में उनकी काफी सराहना की जा रही है।

5 की दवा 500 में! मेडी लाइफ हॉस्पिटल (डीसी रोड) को लेकर उठे सवाल

● आखिर स्वास्थ्य विभाग कब करेगा सख्त कार्रवाई?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- शहर के निजी अस्पतालों और क्लीनिकों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी क्रम में लखीमपुर खीरी के डीसी रोड स्थित *मेडी लाइफ हॉस्पिटल* को लेकर भी कुछ शिकायतें सामने आई हैं। आम लोगों का आरोप है कि सस्ती जेनेरिक (generic) दवाइयों को मरीजों को कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है।सूत्रों और मरीजों के परिजनों के अनुसार, जो दवाएं बाजार में मात्र 5 से 10 में उपलब्ध हैं, वही अस्पतालों में 300 से 500 तक वसूली जा रही हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। यह अंतर गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों के लिए भारी आर्थिक बोझ बनता जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि जेनेरिक दवाइयां और ब्रांडेड दवाइयों में असर का अंतर बहुत कम होता है, फिर भी अस्पतालों में महंगी दवाएं लिखने और बेचने का चलन बढ़ता जा रहा है।मरीजों का आरोप है कि कई जगह उन्हें बाहर से दवा खरीदने की अनुमति नहीं दी जाती और अस्पताल के अंदर से ही ऊंचे दामों पर दवा लेने के लिए मजबूर किया जाता है। इसके साथ ही यह भी शिकायत है कि अस्पताल परिसर में चल रही मेडिकल दुकानों की दवाइयों की तत्काल जांच होनी चाहिए। आरोप है कि न केवल 5 वाली दवाएं 500 में दी जा रही हैं, बल्कि एक ही मरीज को कई अतिरिक्त दवाइयां भी इसी ऊंचे रेट पर थमा दी जाती हैं।

बड़ा सवालः सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्वास्थ्य विभाग इस पर कब कार्रवाई करेगा? क्या दवा की कीमतों पर नियंत्रण और अस्पतालों की निगरानी के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे?

प्रशासन की भूमिकाः- लोगों की मांग है कि स्वास्थ्य विभाग, औषधि निरीक्षक और संबंधित अधिकारी इस मामले में सख्त और निष्पक्ष जांच करें। यदि जांच में कोई अनियमितता पाई जाती है, तो नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

निष्कर्षः- स्वास्थ्य सेवाएं सेवा का क्षेत्र हैं, न कि मुनाफाखोरी का जरिया। ऐसे में जरूरी है कि सामने आई शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, ताकि सच्चाई सामने आए और मरीजों का भरोसा कायम रह सके।

करोड़ों की योजनाएँ ध्वस्त, प्यास और बीमारी के साये में जी रही कुकरा की अवाम

● जल जीवन मिशन हुआ बेअसर, शुद्ध पेयजल के अभाव में संक्रामक रोगों का बढ़ा खतरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुकरा खीरी। बाँकेगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकरा में सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना भ्रष्ट व्यवस्था और अधिकारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई जल निगम की भव्य पानी टंकी और बिछाई गई पाइपलाइन आज निष्प्रयोज्य साबित हो रही हैं। हालात यह हैं कि कुकरा की हजारों की आबादी आज भी शुद्ध और शीतल पेयजल के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को दूषित पानी और जलजनित बीमारियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से घर-घर पेयजल आपूर्ति योजना शुरू की गई थी। कुकरा कस्बे में जल निगम ने भव्य टंकी निर्माण के साथ पाइपलाइन बिछाकर लोगों को कनेक्शन भी उपलब्ध कराए, लेकिन कुछ दिनों तक पानी आपूर्ति होने के बाद पूरी व्यवस्था ठप पड़ गई। आज करोड़ों की सरकारी संपत्ति सफेद हाथी बनकर खड़ी है और जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। शुद्ध पानी की उपलब्धता न होने से क्षेत्र में डायरिया, खांसी, जुकाम, बुखार और दिमागी बुखार जैसी गंभीर एवं संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दूषित पानी पीने को मजबूर जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जल निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी समस्या से पूरी तरह बेखबर बने हुए हैं। सबसे गंभीर स्थिति विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों की है। छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पलिया विधायक रोमी साहनी द्वारा विधायक निधि से कुकरा पुलिस चौकी गेट पर लगवाया गया आरओ प्लांट भी बंद पड़ा है। वहीं जिला पंचायत सदस्य अनुराधा उराव के प्रस्ताव पर लाखों रुपये खर्च कर बाजार क्षेत्र में स्थापित आरओ प्लांट भी शोपीस बन चुका है। कुकरा की जनता अब सवाल उठा रही है कि जब करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी लोगों को शुद्ध पानी नसीब नहीं हो पा रहा, तो आखिर इन योजनाओं का लाभ किसे मिला? ग्रामीणों ने शासन से पूरे मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा तत्काल पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

1.वर्जन- पलिया विधायक रोमी साहनी ने कहा कि कुकरा में करोड़ों की लागत से बनी जल निगम टंकी और आरओ प्लांट बंद पड़े हैं, जिससे जनता में आक्रोश है। उन्होंने बताया कि मामले से शासन को अवगत करा दिया गया है और जल्द शुद्ध पेयजल व्यवस्था बहाल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

2.बयान- अरमान क्लाथ स्टोर के संचालक अरमान अंसारी का कहना है कि इलाकाई रहनुमा,व जनपद के आला हुक्मरान तथा सूबाई वजीर ए जल निगम के हुक्मरान क़स्बा कुकरा कि अवाम को शीतल एवंम शुद्ध पानी ना मिलने से हैं बेखबर,कस्बे में बनी टंकी व दोनों आर ओ पर करोड़ो हुए हैं खर्च।

3.बयान-हंजला ग्रुप सेंटर के संचालक व बीडीसी बली मोहम्मद गाजी का कहना है कि जनपद खीरी के डीएम साहब लें संज्ञान,जल निगम के आला हुक्मरान बने हैं अंजान,क़स्बा की अवाम भीषण गर्मी में शुद्ध एवंम शीतल पेयजल से है महरूम,,4 वर्षों से बंद पड़ा पेयजल टैंक।

4.बयान- बैंक ऑफ बदौड़ा कुकरा के बीसी संचालक हामिद अंसारी का कहना है कि जल निगम द्वारा क़स्बा कुकरा में भव्य टंकी का निर्माण वर्षो पुर्व हुआ था चंद दिन में ही शोपीस बन कर रह गयी है, जिम्मेदार हैं बे खबर।

5.बयान-कुकरा के शौरभ मिश्रा का कहना है जल जीवन मिशन योजना के आला हुक्मरानों पर सूबा के वजीरे आला के फरमान हैं बे असर,मुख्य बाजार में जिला पंचायत द्वारा लगवाया गया आर ओ बना शोपीस,जिम्मेदार बने हैं अंजान।

6.बयान= कुकरा निवासी रिजवान अंसारी का कहना है कि जल जीवन मिशन योजना सिर्फ छलावा है,कस्बा कुकरा में जब से पेयजल टंकी का निर्माण हुआ है, उसके बाद 1 साल तक जो घरों में लगी हुई कनेक्शन पानी टंकियां को चेक करने के लिए ट्रायल के रूप में पानी मिला है,उसके बाद लगभग 4 साल हो चुके हैं अभी तक कस्बा कुकरा बासियो को पेयजल टंकी का पानी तक नसीब नहीं हुआ है,इसका जिम्मेदार कौन।

संक्षिप्त खबरें

किसान बीज भंडार का विधायक ने किया उद्घाटन

हलिया मीरजापुर। ड्रमड्गज क्षेत्र के दुर्जनी महावीर पेट्रोल पंप के बगल में 96 विधायक रिकी कोल ने किया किसान बीज भंडार का उद्घाटन दुकान के प्रोपराइटर फूलचंद पटेल ने बताया कि हमारे यहां सभी प्रकार के बीज कीटनाशक दवाइयां एवं खरपतवार नाशक व स्प्रे मशीन उचित मुल्य पर मिलेगा वहीं क्षेत्र पंचायत सदस्य महेशपुर सुशील कुमार पटेल ने बताया कि क्षेत्र के लिए अच्छे मूल्य पर मिलेगा किसानों को बिज कीटनाशक दवाइयां उद्घाटन में 96 विधायक रिकी कोल ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नदौली पटेहरा धीरज मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा संजय तिवारी सुशील पटेल ब्रह्म शंकर पटेल विनय दुबे सोनू सिंह फूलचंद इत्यादि लोग मौजूद रहे।

हाईवा ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार 50 वर्षीय की मौत

मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा पुल पर हाइवा ट्रक कि चपेट में आ जाने से बाइक सवार कि मौके पर ही दर्दनाक हुई मौत, जानकारी के अनुसार गोपाल सिंह उम्र लगभग (50) वर्ष पुत्र कामता प्रसाद सिंह निवासी नियामतपुर खुर्द थाना चुनार बैरमपुर अपने बहन के घर से सुबह वापस नियामतपुर खुर्द जा रहें थे कि ज्यों ही सोनवर्षा पुल से आगे बढ़े जमुई के तरफ़ अहरौरा के तरफ़ से तेज रफ़्तार हाइवा ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दिया और गोपाल हाइवा ट्रक कि चपेट में आ गए और उनकी दर्दनाक मौके पर ही मौत हो गई, जैसे ही इमिलिया चट्टी चौकी प्रभारी सुनील कुमार को जानकारी मिली मौके पर फोर्स के साथ पहुंच गए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए, वहीं मौके पर जब घटना हुई लोग शव को पहचान करने में जुट गए, कुछ देर बाद मृतक की पहचान गोपाल सिंह पुत्र कामता प्रसाद सिंह निवासी नियामतपुर खुर्द के रूप में हुई, जब परिजन को सूचना मिली परिजन और रिस्तेदार पहुंच कर शव की मांग करने लगे इमिलिया चट्टी चौकी पर इधर पुलिस पहले ही शव को पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया था, अहरौरा थाना प्रभारी के अलावा अदलहाट थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए, पुलिस द्वारा बताया गया कि कानूनी कार्रवाई कि गई और गाड़ी पकड़ी गई है जब जाकर परिजन मान गए।

टीबी मरीजों को बांटी गई पोषण पोटली

100 दिवसीय अभियान में समुदाय से सहयोग की अपील

जिला क्षयरोग अधिकारी डा. रामनरेश सोनी बोले, टीबी पूरी तरह इलाज योग्य बीमारी, लक्षण दिखने पर तुरंत कराएं जांच

ललितपुर। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिला क्षयरोग नियंत्रण केन्द्र में क्षयरोग (टीबी) मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला क्षयरोग अधिकारी डा.रामनरेश सोनी ने मरीजों की काउंसलिंग करते हुए कहा कि पोषण पोटली वितरण का उद्देश्य टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार करना और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि टीबी पूरी तरह इलाज योग्य बीमारी है, बशर्ते मरीज नियमित रूप से बिना नागा दवा लें और संतुलित खान-पान का पालन करें। उन्होंने आमजन, अधिकारियों और समाजसेवी संगठनों से आगे आकर निःक्षय मित्र बनने की अपील करते हुए कहा कि टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पोषण और उपचार में सहयोग करना समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में 24 मार्च 2026 से 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का द्वितीय चरण संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उच्च जोखिम वाले लोगों की स्क्रीनिंग और जांच कर रही हैं। इसमें बुजुर्ग, कुपोषित व्यक्ति, टीबी मरीजों के संपर्क में रहने वाले लोग, डायबिटीज और एचआईवी से ग्रसित मरीजों सहित धूम्रपान और शराब सेवन करने वाले लोग शामिल हैं। डा.सोनी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, लगातार बुखार, वजन कम होना, सीने में दर्द, रात में पसीना आना, अत्यधिक थकान, बलगम में खून आना या शरीर में गांठ जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच करानी चाहिए।

एक ही जमीन को कई व्यक्तियों को बेचकर धोखाधड़ी करने वाले को दण्ड

● 03 वर्ष का कारावास एवं 50,000/- का अर्थदण्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दिनांक 27.10.2008 को वादी केशवपुरी ने अभियुक्त छोटेलाल पुत्र पुरुषोत्तम मौर्य निवासी चकिया उर्फ उदमी का पुरा, थाना सुरियावां, जिला भदोही से भूमि संख्या-132 (5 बिस्वा 15 धुर) एवं भूमि संख्या-165 (10 धुर) कुल एक लाख तीस हजार रुपये में रजिस्टर्ड इकरारनामा (सट्टा) किया। वादी द्वारा एक लाख रुपये नकद देने के बावजूद अभियुक्त बैनामा करने से टालमटोल करता रहा। जांच में पता चला कि अभियुक्त ने जानबूझकर पहले ही भूमि संख्या-132 को कमलेश चन्द उपाध्याय के पक्ष में सट्टा कर दिया था तथा बाद में उसी जमीन को पचुका देवी के पक्ष में बैनामा कर दिया। इसी प्रकार भूमि संख्या-165 को अपनी पत्नी के पक्ष में पहले ही बैनामा कर चुका था, फिर वादी के साथ इकरारनामा किया। इस प्रकार अभियुक्त ने एक ही संपत्ति को बार-बार बेचकर वादी को धोखा दिया और एक लाख रुपये हड़प लिए। वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना भदोही पर मु0अ0सं0 83/2012 धारा 419,420,467,468 व 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर आरोप पत्र मा0 न्यायालय में प्रेषित किया गया।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में एवं अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध मा0 न्यायालय से अधिकतम व त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकृत अभियोग संख्या-83/2012 थाना भदोही में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल एवं एपीओ ब्रह्ममूर्ति की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप आज दिनांक 15.05.2026 को मा0 न्यायाधीश डॉ0 निधि यादव-द्व, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, भदोही-ज्ञानपुर द्वारा अभियुक्त छोटेलाल को धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध में 03 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 50,000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड न अदा करने पर अभियुक्त को एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। अधिरोपित अर्थदण्ड की आधी धनराशि (25,000/-) वादी केशवपुरी को दी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा साप्ताहिक शुक्रवार परेड की ली गई सलामी व परेड का किया गया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस लाईन ज्ञानपुर परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई एवं परेड का निरीक्षण किया गया। परेड निरीक्षण के उपरांत अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही का अवलोकन कर उसे और बेहतर तरीके से करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इसके पश्चात पुलिस लाईन परिसर का भ्रमण कर वहां निर्माणाधीन नए बैरकों के कार्य की प्रगति देखी गई तथा एमटी कार्यालय व वहां के अभिलेखों के रख-रखाव को परखा गया। निरीक्षण के इसी क्रम में परेड ग्राउंड पर मौजूद यूपी-112 की गाड़ियों और एमटी अनुभाग के राजकीय वाहनों व उनमें उपलब्ध उपकरणों की क्रियाशीलता को चेक करते हुए व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

परेड व निरीक्षण के उपरांत महोदय द्वारा अर्दली रूम किया गया, जिसमें रजिस्टर पेशी सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन कर उन्हें अद्यतन रखने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में, शैक्षिक सत्र 2025-26 की हाईस्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर जनपद भदोही पुलिस परिवार के मेधावी छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

मेधावी छात्र-छात्राओं का विवरण- कृतिका यादव, पुत्री-श्री देवमणि यादव (हेड आपरेटर, रेडियो प्राप्तांक- 95.40 अर्चिता यादव, पुत्री- धर्मेन्द्र यादव (उ0नि0, यातायात प्राप्तांक- 92.60%, शुभम यादव -राजकुमार यादव (मु0आ0पु0, पुलिस लाइन) प्राप्तांक- 92.80% भदोही पुलिस परिवार को इन सभी प्रतिभाशाली बच्चों पर गर्व है। जनपद पुलिस द्वारा सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने हेतु शुभाशीष प्रदान किया गया।

जीरो डोज बच्चों की पहचान को लेकर स्वास्थ्य विभाग का प्रशिक्षण

टीकाकरण कवरेज बढ़ाने पर जोर

सीएमओ बोले, डेटा आधारित रणनीति से शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य

ललितपुर। जिले में टीकाकरण से वंचित बच्चों की पहचान कर उन्हें नियमित टीकाकरण के दायरे में लाने के उद्देश्य से शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य जीरो डोज बच्चों की पहचान कर डेटा आधारित रणनीतियों के माध्यम से जनपद में टीकाकरण कवरेज को शत-प्रतिशत तक पहुंचाना है। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य टीकाकरण से संबंधित आंकड़ों में सुधार कर आने वाले महीनों में अधिक से अधिक बच्चों को जीवनरक्षक टीकों से जोड़ना है। प्रतिरक्षण अधिकारी डा.शिव प्रकाश ने कहा कि जीरो डोज से वंचित बच्चे न केवल स्वयं गंभीर बीमारियों के खतरे में रहते हैं, बल्कि संक्रमण फैलने का माध्यम भी बन सकते हैं। वहीं डा. सौरभ सक्सेना ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों को ऐसे बच्चों की पहचान, डेटा गुणवत्ता में सुधार और विश्लेषण आधारित कार्रवाई की जानकारी दी गई। डा.संजय सिंह ने बताया कि आर एण्ड टी इंडिया फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए डेटा एनालिटिक्स प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है।

स्वगणना अभियान में भदोही का शानदार प्रदर्शन, यूपी में हासिल की आठवीं रैंक

● जिलाधिकारी के कुशल मॉनिटरिंग का असर, स्वगणना में भदोही टॉप-10 में शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जनपद भदोही में चल रहे स्वगणना अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल निर्देशन, सतत समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते जनपद ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश के टॉप-10 जनपदों में स्थान बनाया है। शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक कुल 50,346 अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों द्वारा स्वगणना पूर्ण की जा चुकी है। इसी उपलब्धि के आधार पर भदोही ने प्रदेश में आठवीं रैंक हासिल की है।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा कार्य में शिथिलता बरतने वाले विभागों के प्रति सख्त रुख अपनाया गया है। प्रशासनिक सक्रियता एवं लगातार निगरानी का सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अभियान में तेजी लाने के लिए सभी विभागों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वगणना अभियान में बेसिक शिक्षा विभाग ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसकी जिलाधिकारी ने विशेष सराहना की। उन्होंने अन्य विभागों से भी अपेक्षा जताई कि वे समयबद्ध तरीके से अपने निर्धारित लक्ष्य पूरे करें और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि भदोही को प्रदेश में और बेहतर रैंक दिलाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को स्वगणना के प्रति जागरूक कर अभियान से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि 21 मई तक चलने वाले स्वयं जनगणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपनी स्वगणना अवश्य करें। जनपद प्रशासन का मानना है कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं विभागों के सहयोग से भदोही जल्द ही प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य ने चुनार-चोपन रेलखंड का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। प्रयागराज मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य श्री दीपक कुमार ने शुक्रवार को चुनार-चोपन रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण कर रेलवे के विभिन्न विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सक्तेशगढ़, लूसा, सोनभद्र, चुर्क, अगोरी खास एवं चुनार स्टेशनों का अवलोकन किया।उल्लेखनीय है कि प्रयागराज मंडल के अंतर्गत सोनभद्र एवं चुनार सहित कुल 14 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जबकि करछना एवं गोविंदपुरी स्टेशनों का उद्घाटन पूर्व में किया जा चुका है। इस दौरान उन्होंने लूसा- खैराही रेललाइन के दोहरीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त किय। अपर मंडल रेल प्रबंधक/ सामान्य ने स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मो, सर्कुलेटिंग एरिया तथा प्रवेश एवं निकास मार्गो का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा से जुड़े सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से वर्तमान ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के लिए पर्याप्त पेयजल, स्वच्छता एवं छायादार स्थानों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान दीपक कुमार ने स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारियों से संवाद करते हुए उन्हें यात्रियों के प्रति संवेदनशील, सहयोगात्मक एवं उत्तरदायी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है,जिसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं सतत निगरानी आवश्यक है।उन्होंने स्टेशन पर संचालित विभिन्न विकास एवं अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध सुविधाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्टेशन परिसर में स्वच्छता, सुदृढ़ प्रकाश व्यवस्था एवं यात्रियों को बेहतर सूचना सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की हुई मौत

दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल ट्रामा सेंटर रेफर

मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे बजे किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वही दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित अहरौरा थाना क्षेत्र के दुर्गाजी पहाड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक रोशन विश्वकर्मा पुत्र शिवाजी (22) वर्ष निवासी सरौली मधुपुर राबर्ट्सगंज की मौत हो गई वही दूसरा साथी सुंदरम पुत्र रामबली (22) वर्ष निवासी सरौली मधुपुर राबर्ट्सगंज गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पीआरबी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात संजीव यादव मौके पर पहुंचे घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने रोशन विश्वकर्मा को मृतक घोषित किया वही सुंदरम को गंभीर चोट होने के कारण वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे को कार्यवाही में जुट गए।

विजय मिश्रा समेत परिवार को सजा, कोर्ट ने सुनाया कठोर कारावास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही पुलिस की प्रभावी पैरवी और 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत चिन्हित सफेदपोश माफिया विजय मिश्रा एवं उनके परिवार के सदस्यों को अदालत ने कठोर सजा सुनाई है। विशेष न्यायालय एमपी/एमएलए कोर्ट भदोही-ज्ञानपुर ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए विजय मिश्रा, उनकी पत्नी रामलली मिश्रा और पुत्र विष्णु मिश्रा को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास तथा पुत्रवधू रूपा मिश्रा को 4 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही सभी आरोपियों पर कुल ?5.26 लाख का अर्थदंड भी लगाया गया। मामला थाना गोपीगंज में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 273/2020 से जुड़ा था। आरोप था कि अभियुक्तों ने वादी को मारपीट कर बंधक बनाया, परिवार को प्रताड़ित किया तथा जान से मारने की धमकी देते हुए पैतृक संपत्ति जबरन अपने नाम कराने का दबाव बनाया। मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराएं भी शामिल थीं। पुलिस ने त्वरित विवेचना करते हुए मजबूत साक्ष्य संकलित किए और आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत मामले की लगातार मॉनिटरिंग की गई। लोक अभियोजक एडीजीसी प्रवेश तिवारी की प्रभावी पैरवी के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराया।

न्यायाधीश पुष्पा सिंह, विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए)/अपर सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय भदोही-ज्ञानपुर ने फैसला सुनाते हुए विजय मिश्रा को विभिन्न गंभीर धाराओं में 10 वर्ष का कठोर कारावास और 1.76 लाख अर्थदंड से दंडित किया। वहीं रामलली मिश्रा को 10 वर्ष कारावास व 1.75 लाख, विष्णु मिश्रा को 10 वर्ष कारावास व1.65 लाख अर्थदंड तथा रूपा मिश्रा को अलग से 4 वर्ष के साधारण कारावास व 10 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

पुलिस के अनुसार वर्तमान में जेल में निरुद्ध विजय मिश्रा के विरुद्ध हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार, रंगदारी, जालसाजी और संपत्ति हड़पने समेत गंभीर अपराधों के कुल 86 मुकदमे दर्ज हैं। भदोही पुलिस ने इस फैसले को 'ऑपरेशन कन्विक्शन' की बड़ी सफलता बताया है।

अमर शहीद झूरी सिंह स्मारक पर राजेन्द्र दुबे ने शंकराचार्य को भेंट किया त्रिशूल

● बोले जगद्गुरू एक नोट एक वोट की ताकत से होगी गौ रक्षा

● अंग्रेजो भारत छोडों नारे के साथ पूज्य गुरूदेव ने भी गौ रक्षा को लड़ी थी आजादी की लड़ाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ज्ञानपुर। 1857 की अमर क्रांति के महानायक झूरी सिंह के स्मारक पर माल्यार्पण करने पहुंचे ज्योतिष्पीठाधीश्वर बदरिकाश्रम हिमालय जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को ज्ञानपुर विधान सभा क्षेत्र के सपा नेता वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र दुबे ने त्रिशूल भेंट किया। इस दौरान जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अमर शहीद झूरी सिंह के पपौत्र रामेश्वर सिंह को त्रिशूल सौंपकर इस त्रिशूल से गौ सेवा करने का संकल्प दिलाया।

गोविष्ठ यात्रा के दौरान शुक्रवार को गोपीगंज से सिंहपुर और ज्ञानपुर नगर के लिए निकले ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य अमर शहीद झूरी सिंह के स्मारक स्थल पहुंचे। यहां अमर शहीद झूरी सिंह को माल्यार्पण कर जगद्गुरू ने कहा कि गौ रक्षा के लिए उनकी यह लड़ाई कोई नई नहीं है। इसके लिए पूज्य गुरूदेव भगवान स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी ने भी अंग्रेजों भारत छोडों नारे के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी, लेकिन आजादी के बाद अंग्रेजों से तो गौ की रक्षा हो गयी लेकिन आज भी लोग गौ रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। गौ माता की रक्षा के लिए आप सभी के एक नोट और एक वोट के साथ आगे आयें।

जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महराज के गोविष्ठ यात्रा की परऊपुर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान ज्ञानपुर के वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र दुबे ने जगद्गुरू को त्रिशूल भेंट किया जिसे गौ रक्षा के लिए शंकराचार्य ने

अमर शहीद के पपौत्र झूरी सिंह को गौ रक्षा को भेंट किया। इस अवसर पर दौरान उमड़े गौ सेवक रक्षक और श्रद्धालुओ को आशीर्वचन दिया। इस दौरान गौ सेवा को शंकराचार्य द्वारा ज्ञानपुर विधान सभा क्षेत्र के प्रतिनिधि घोषित राजेन्द्र दुबे के साथ अमर शहीद झूरी सिंह के पपौत्र रामेश्वर सिंह ने शंकराचार्य को झूरी सिंह की तस्वीर और दुपट्टा भेंट किया। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव, सपा शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव रोहित तिवारी, शिव शंकर यादव, संदीप मिश्र, अंकित पांडेय, शैलेन्द्र सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष डा.राजेन्द्र कुमार दुबे राजन, करिया पाल, सृजन मिश्र रामधनी यादव, शिवम चतुर्वेदी आदि कई शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने देवापुर (एन0एच0-35) से भटौली सेतु को जोडने हेतु मीरजापुर बाईपास मार्ग के सम्बंध मे बैठक कर की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद मीरजापुर मे देवापुर (एन0एच0-35) से भटौली सेतु को जोडने हेतु मीरजापुर बाईपास मार्ग का निर्माण संबंधित भू-स्वामियों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय करने हेतु उक्त मार्ग निर्माण में प्रभावित 07 गमो क्रमशः दुल्लहपुर, भुईली पाण्डेय, भुईली दूबे, माधोपुर, शिवमऊ, बैदौली खुर्द एवं जौसरा के किसानों के साथ भूमि क्रम के सम्बन्ध मे सहमति हेतु बैठक की गयी। जिसमें उक्त ग्रामो के मार्ग निर्माण मे प्रभावित किसानों द्वारा प्रतिभाग किया भाग किया गया जिलाधिकारी भूमि क्रय के सम्बंध में किसानो को हेक्टेयरवार मुआवजे के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिस पर भूमि क्रय के सम्बन्ध में किसानों द्वारा सहमति भी दी गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, भूमि अध्याप्ति अधिकारी गुलाब चन्द, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड अशोक कुमार, लोक निर्माण विभाग, मीरजापुर एवं लो0नि0वि0 के विभिन्न सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्तागण उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्टर को फोन पर जान से मारने की धमकी

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्टर को फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मारुति सुजुकी शोरूम के पीछे एन.एच. 44 के पास निवासी संदर्भ पटसारिया पुत्र प्रभाकर पटसारिया ने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि कुछ समय पूर्व उन्होंने वाहन संख्या यूपी 94 ए.टी. 1241 को भाड़े पर भेजा था। वाहन के संचालन की जिम्मेदारी वाहन स्वामी द्वारा अभिषेक जोशी, निवासी भैसाई को सौंपी गई थी। आरोप है कि इसी दौरान अभिषेक द्वारा भेजे गए ड्राइवर अरविंद पाल, निवासी ग्राम भैसाई, ने संदर्भ पटसारिया को फोन कर पैसों की मांग की। जब शिकायतकर्ता ने कहा कि वह उसे व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते और इस संबंध में अभिषेक जोशी से बात करे, तो आरोपी आग बबूला हो गया।

सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के ब्राह्मण विरोधी बयान पर सवर्ण आर्मी में आक्रोश

● जिला संयोजक सुशील पांडे व जिला अध्यक्ष मुकेश पांडे के नेतृत्व में फूंका गया पुतला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज को 'वैश्या के समान' बताने वाले आपत्तिजनक बयान के विरोध में आज सवर्ण आर्मी, मिर्जापुर के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला संयोजक सुशील कुमार पांडे एवं जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अस्पताल तिराहा पर राजकुमार भाटी का पुतला दहन किया और सपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला संयोजक सुशील कुमार पांडे ने कहा, 'राजकुमार भाटी का बयान ब्राह्मण समाज ही नहीं, पूरे सनातन धर्म का अपमान है। सपा ने हमेशा वोट के लिए समाज को बांटने का काम किया है। ब्राह्मण कोई 'विषय' नहीं, राष्ट्र का विचार है। अगर अखिलेश यादव 24 घंटे में माफी नहीं मांगते और भाटी को पार्टी से नहीं निकालते तो सवर्ण आर्मी पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी।

जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पांडे ने कहा, 'ब्राह्मण समाज ने देश को चाणक्य, मंगल पांडे और चंद्रशेखर आजाद दिए हैं। सपा के नेता मंच से हमारा अपमान कर रहे हैं। ये बर्दाश्त नहीं होगा। आज पुतला फूंका है, कल सपा कार्यालय का घेराव करेंगे। 2027 में ब्राह्मण समाज वोट की चोट से इसका जवाब देगा।' वही रमाकांत दुबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष ऐसे बेहूदा प्रवक्ता को तत्काल बर्खास्त कर गली का कुत्ता नहीं बना दिया तो हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा और आने वाले समय में चुनाव परिणाम समाजवादी पार्टी को उसकी औकात दिखा देगा प्रदर्शन करने वाले में मुख्य रूप से गुड्डू सिंह कृष्णकांत दुबे आनंद पाठक एडवोकेट विनय पांडे चिंटू सिंह कल्लू दुबे अवनीश दुबे अजय दुबे दिलीप सिंह गहरवार, अभिषेक सिंह धवल,

इंस्पेक्टर सिंह शिवम, मधुकर मिश्रा, रमाकांत दुबे अन्य सवर्ण कार्यकर्ताओं ने ब्राह्मण का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान 'राजकुमार भाटी माफी मांगो जय दादा परशुराम के नारे लगाए। सवर्ण आर्मी ने चेतावनी दी कि यदि सपा नेतृत्व ने तत्काल कार्रवाई नहीं की तो संगठन जनपद स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक आंदोलन तेज करेगा।

आजमगढ़ में पुलिस मुठभेड़ में ट्रैक्टर-पिकअप चोरी गैंग का शातिर बदमाश घायल, साथी गिरफ्तार

आजमगढ़। तरवां थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना तरवां पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-पिकअप चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी मौके से पकड़ लिया गया। पुलिस ने चोरी का ट्रैक्टर, पिकअप वाहन, तमंचा, कारतूस, छह बोरी अनाज और नकदी बरामद की है। दो मई को मौलानीपुर निवासी पूनम गिरी ने थाना तरवां में तहरीर देकर बताया था कि एक मई की रात उनके घर के बाहर खड़ा ट्रैक्टर चोरी हो गया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। 11मई की देर रात थाना तरवा पुलिस और एसओजी टीम बोंगरिया बाजार में संदिग्ध वाहन और अपराधियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि चोरी का ट्रैक्टर और पिकअप लेकर बदमाश कंचनपुर से बोगरिया मार्ग की ओर आ रहे हैं तथा उनके पास अवैध हथियार भी हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने बांसगांव तिराहे पर घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी।

संक्षिप्त खबरें

नए यमुना ब्रिज के पास तेज रफ्तार टेलर ने कार को मारी टक्कर

प्रयागराज। नए यमुना ब्रिज के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार टेलर वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार सवार लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार नए यमुना ब्रिज से शहर की ओर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार टेलर वाहन ने अचानक कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सड़क किनारे जाकर रुक गई और उसके अगले हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। बताया जा रहा है कि टेलर चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके चलते यह दुर्घटना हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा चालक की तलाश की जा रही है।

'कंप्रोमाइज्ड PM' ने अमेरिका के साथ अडानी की रिहाई का सौदा किया', राहुल का मोदी सरकार पर निशाना, जयराम ने पूछा ये सवाल

ब्यूरो प्रयागराज- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ मामले से जुड़ी खबरों की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं, अडानी की रिहाई का सौदा किया है। खबरों में दावा किया गया है कि अमेरिकी अधिकारी भारतीय अरबपति अडानी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अडानी समूह ने अतीत में लगे सभी आरोपों को खारिज किया था।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '''कंप्रोमाइज्ड, पीएम' ने व्यापार समझौता नहीं, अडानी की रिहाई का सौदा किया।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि अब यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर क्यों सहमत हुए और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को अचानक क्यों रोक दिया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अब यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका के बीच उस बेहद निराशाजनक और एकतरफा व्यापार 'डील' को क्यों स्वीकार किया, जो वास्तव में अमेरिका के पक्ष में एकतरफा सौदा था। यह भी साफ हो गया है कि उन्होंने 10 मई 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के आगे झुकते हुए, राष्ट्रीय हित के बजाय उनके दबाव में ऑपरेशन सिंदूर को अचानक क्यों रोक दिया।'' उन्होंने सवाल किया, ''प्रधानमंत्री आखिर और कितना समझौता करेंगे?'

महंगाई की मार! अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 8.30% पर पहुंची

ब्यूरो प्रयागराज। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर या थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 8.30 प्रतिशत (प्रोविजनल) रही है। इससे पहले मार्च में यह 3.88 प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को दी गई। सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि अप्रैल में महंगाई के सकारात्मक रहने की वजह खनिज तेल, कच्चे तेल और नेचुरल गैस, बेसिक मेटल, अन्य मैन्युफैक्चरिंग और गैर-खाद्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना है। आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी आर्टिकल्स में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 9.17 प्रतिशत रही। फ्यूल एंड पावर में महंगाई दर सालाना आधार पर 24.71 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स में महंगाई दर 4.62 प्रतिशत रही। हालांकि, खाद्य उत्पादों में महंगाई में नरमी बनी हुई है और अप्रैल में यह सालाना आधार पर 2.31 प्रतिशत रही है। आंकड़ों के मुताबिक, क्रूड पेट्रोलियम की कीमत में थोक महंगाई दर में सालाना आधार पर 88.06 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एलपीजी में थोक महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 10.92 प्रतिशत रही है।इससे पहले, सरकार ने खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 3.48 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर 3.74 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी क्षेत्र में यह 3.16 प्रतिशत थी।अप्रैल में खाद्य मंहगाई दर 4.20 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.87 प्रतिशत थी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर 4.26 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.10 प्रतिशत रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2026-27 के लिए देश की खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसका कारण रबी की अच्छी फसल से निकट भविष्य में खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर रहना है।

उन्नाव रेप केसः कुलदीप सेंगर को 'सुप्रीम' झटका, सजा पर रोक लगाने वाला आदेश रद्द, नए सिरे से फैसले के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन्नाव रेप केस में सजा काट रहे पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को मामले की दोबारा नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया है। दरअसल, दिसंबर 2025 में दिल्ली हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। इस फैसले के बाद देशभर में काफी नाराजगी और बहस देखने को मिली थी। इसके खिलाफ सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सीबीआई की अपील पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर हाईकोर्ट को फिर से गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा है कि या तो वह सेंगर की सजा के खिलाफ दाखिल अपील पर तीन महीने के भीतर फैसला सुनाए या फिर सजा पर रोक लगाने की अर्जी पर नया आदेश जारी करे। इससे पहले, दिसंबर 2025 में ही सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के जमानत आदेश पर रोक लगा दी थी और सेंगर व उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया था।

कुलदीप सेंगर को वर्ष 2019 में सीबीआई की विशेष अदालत ने उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराया था। उन्हें नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना था। पीड़िता और उसके परिवार ने सेंगर और उसके सहयोगियों पर लगातार धमकाने और उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। कुलदीप सेंगर पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े एक अलग मामले में भी 10 साल की सजा काट रहे हैं। जनवरी 2026 में दिल्ली हाईकोर्ट ने उस मामले में भी उनकी सजा पर रोक लगाने की दूसरी याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि सेंगर का आपराधिक रिकॉर्ड गंभीर है और मामले में कोई नया आधार सामने नहीं आया है।

नमक-रोटी और प्रताड़ना से तंग बेटे ने की पिता की हत्या, शव गड्ढे में दबाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरांव। थाना उतरांव क्षेत्र स्थित सिठौली सुंदरनगर गांव में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पिता की हत्या के मामले में वांछित आरोपी विजय कुमार यादव उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा और बांस का डंडा भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी विजय कुमार यादव ने 11 मई को अपने पिता दयाराम यादव की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने शव को घर के पीछे गड्ढा खोदकर दबा दिया, ताकि घटना का पता न चल सके। हालांकि दो दिन बाद गांव में दुर्गंध और संदिग्ध परिस्थितियों की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। 13 मई को मौके पर पहुंची थाना उतरांव पुलिस ने गड्ढे से शव बरामद किया और मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी बेटे पर शक हुआ। पूछताछ में विजय कुमार यादव ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका पिता उससे अत्यधिक काम कराता था और खाने में केवल नमक-रोटी देता था। इसी बात को लेकर वह काफी समय से नाराज और परेशान था। घटना वाले दिन विवाद बढ़ने पर उसने फावड़े और बांस के डंडे से हमला कर पिता की हत्या कर दी। वहीं पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दोनों सामान बरामद कर लिए हैं।

UP के कई राजकीय शिक्षक बिना स्थायीकरण के ही हो रहे सेवानिवृत्त

प्रयागराज। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्यों, प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों के सेवानिवृत्ति से पूर्व स्थायीकरण की मांग उत्तर प्रदेश राजकीय शिक्षक संघ ने उठाई है। कहा है कि कई शिक्षक करीब 35 वर्ष तक सेवा करके बिना स्थायीकरण के ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। स्थायीकरण के लिए पदाधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव (एसीएस) माध्यमिक शिक्षा को ज्ञापन भेजकर आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की गई है। ज्ञापन में संघ के प्रांतीय संरक्षक रामेश्वर प्रसाद पाण्डेय ने कहा है कि प्रदेश के अन्य विभागों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समय-समय पर स्थायीकरण किया जाता है, जबकि राजकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को 30 से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद भी इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। वह भी करीब 34 वर्ष की सेवा कर बिना स्थायीकरण के सेवानिवृत्त हो गए।

पूर्व सैनिकों के सम्मान और कल्याण के लिए बनेगा आधुनिक क्षेत्रीय कार्यालय

● कालिंदीपुरम में किया भूमि पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड की ओर से पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण को नई दिशा देने की पहल के तहत शुक्रवार को कालिंदीपुरम स्थित नए क्षेत्रीय कार्यालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में निगम के प्रबंध निदेशक शरद विक्रम सिंह ने विधिवत पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेजर जनरल शरद बिक्रम सिंह (अ.प्रा.) ने कहा कि बनने वाला यह नया कार्यालय केवल ईंट-पत्थरों से बनी इमारत नहीं होगा, बल्कि यह उन वीर सैनिकों की गरिमा, सम्मान और कल्याण के प्रति निगम की नवीनीकृत प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगा, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अनुशासन ही भारतीय सेना की सबसे बड़ी पहचान है और निगम का प्रत्येक सुरक्षाकर्मी भारतीय सशस्त्र बलों का प्रतिनिधि है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज मंडल के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए पुनः रोजगार, कल्याणकारी योजनाओं, प्रशासनिक सहायता तथा शिकायत निवारण का केंद्रीय केंद्र बनेगा। इसे 'सिंगल विंडो सिस्टम' के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां पूर्व सैनिकों को विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था को आधुनिक और डिजिटल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि पूर्व सैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं और लाभों में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी का दौरा कर पूर्व सैनिकों के बच्चों की उच्च शिक्षा तथा सुरक्षा सेवाओं में संभावित सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि निगम अनुशासित एवं प्रशिक्षित पूर्व सैनिक सुरक्षाकर्मियों के माध्यम से प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों के साथ हुई बैठक में आधुनिक परिसर सुरक्षा चुनौतियों और सुरक्षाकर्मियों के कौशल उन्नयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। दौरे के दौरान आयोजित विशेष 'सैनिक सम्मेलन' में मेजर जनरल शरद बिक्रम सिंह ने विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थानों में तैनात सुरक्षा कर्मियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि निगम समय पर वेतन, ईपीएफ और बीमा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू करने की घोषणा करते हुए इसे सैनिक परिवारों के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों से सैन्य अनुशासन बनाए रखने, सतर्कता बरतने और ड्यूटी के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही के प्रति 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाई जाएगी और सुरक्षा सेवाओं की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर क्वाडिनेटर अंजनी कुमार सिंह, राम प्रकाश, रवि शंकर सिंह, बृजेश कुमार, एचएलटी प्रकाश नारायण पाण्डेय तथा प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील कुमार सहित कई अधिकारी एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

पेट्रोल-डीज़ल आज से 3 रुपये महंगा, CNG 2 रुपये बढ़ी, दिल्ली में पेट्रोल करीब 100 रुपये

ब्यूरो प्रयागराज। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को ?3 प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने के दबाव के बीच यह बढ़ोतरी की गई है। विपक्षी दल पहले ही आशंका जता रहे थे कि पांच राज्यों में चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीज़ल के दाम मोदी सरकार बढ़ा देगी। लेकिन तब सरकार ने उसका खंडन कर दिया था। लेकिन 4 मई को चुनाव नतीजे आए थे। आज 15 मई को सरकार ने आखिरकार पेट्रोल-डीज़ल के रेट बढ़ा दिए। इससे महंगाई और बढ़ने की आशंका है। दिल्ली में नई कीमतों के अनुसार, पेट्रोल की कीमत 94.77 से बढ़कर 97.77 प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 87.67 से बढ़कर 90.67 प्रति लीटर पहुंच गई है। इस बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में पेट्रोल के दाम 100 के निशान के बेहद करीब पहुंच गए हैं। दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। सीएनजी अब 77.09 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 79.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

संगमरमर मस्जिद मामले में हाईकोर्ट की सुनवाई, 6 जुलाई तक ध्वस्तीकरण पर रोक बरकरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। बइलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को प्रयागराज जंक्शन सिटी साइड स्थित संगमरमर मस्जिद को लेकर दाखिल याचिका पर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। मस्जिद कमेटी की ओर से ध्वस्तीकरण कार्रवाई को चुनौती देते हुए कोर्ट में अपना पक्ष रखा गया। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने अगली तारीख 6 जुलाई निर्धारित करते हुए तब तक ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक जारी रखने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से अदालत में कहा गया कि यदि रेलवे परियोजना के तहत मस्जिद को हटाना आवश्यक है, तो प्रशासन पहले मस्जिद के लिए वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराए। साथ ही यह भी मांग की गई कि मस्जिद हटाए जाने की स्थिति में क्षतिपूर्ति के रूप में दूसरी उपयुक्त जमीन दी जाए, ताकि धार्मिक स्थल को दूसरी जगह स्थापित किया जा सके। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि संगमरमर मस्जिद लंबे समय से इलाके में मौजूद है और स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र रही है। उनका कहना था कि बिना उचित पुनर्वास व्यवस्था के ध्वस्तीकरण कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं होगा। वहीं प्रशासन और रेलवे से जुड़े पक्षों ने परियोजना की आवश्यकता और विकास कार्यों का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखा। गौरतलब है कि प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड क्षेत्र में रेलवे परियोजना और यातायात विस्तार कार्यों को लेकर कई निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इन्हीं के बीच संगमरमर मस्जिद का मामला भी विवाद का विषय बना हुआ है। मस्जिद को हटाने की संभावित कार्रवाई के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। अदालत के अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल मस्जिद पर किसी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब सभी पक्षों की नजर 6 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी है, जहां मामले में आगे की कानूनी दिशा तय हो सकती है।

दहेज हत्या मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। उतरांव पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक थाना उतरांव पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 90/2026 धारा 80(2)/85 भारतीय न्याय संहिता एवं 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त यादवेन्द्र प्रसाद पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम दमगढ़ा थाना उतरांव को शुक्रवार 15 मई 2026 को थाना क्षेत्र के दगमढ़ा तिराहा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया है कि गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पीड़िता को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया था। आरोप है कि प्रताड़ना के बाद पीड़िता की हत्या कर दी गई। पीड़िता पक्ष द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना उतरांव में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान यादवेन्द्र प्रसाद (35 वर्ष) निवासी ग्राम दमगढ़ा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज के रूप में हुई है।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होलागढ़/प्रयागराज। थाना होलागढ़ पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया। यह मामला बीते 10 मई को थाना क्षेत्र के टोडीपुरवा नहर पुल के पास हुई फायरिंग से जुड़ा है, जिसमें घायल युवक हिमांशु पासी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार थाना होलागढ़ में मु0अ0सं0-44/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता, 3(2)(1) एससी/एसटी एक्ट, बढ़ोत्तरी धारा 3(5) भा.न्या.सं. तथा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को उज्ज्वल त्रिपाठी पुत्र प्रमोद कुमार निवासी दहियांवा मेला मैदान तथा संदीप यादव पुत्र राकेश यादव निवासी पटेल नगर चौराहा बरईहरख को बरईहरख के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब एक वर्ष पूर्व मोटरसाइकिल टकराने को लेकर मृतक हिमांशु पासी और मुख्य आरोपी साहिल यादव के बीच विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते 10 मई को समझौते के बहाने हिमांशु को टोडीपुरवा नहर पुल के पास बुलाया गया, जहां दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। इसी दौरान आरोपी साहिल यादव ने तमंचे से फायरिंग कर दी, जिससे हिमांशु गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी साहिल यादव को पहले ही 12 मई को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। अब मामले में फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर ली गई है।

राष्ट्रहित में त्याग ही सर्वोपरि,गणेश केसरवानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने एक प्रेरणादायी पहल करते हुए अपने निजी वाहन तथा सुरक्षा वाहन का त्याग कर साइकिल से नगर निगम कार्यालय पहुंचने का संकल्प लिया। महापौर की इस पहल को लेकर नगर निगम परिसर में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा और कर्मचारियों सहित आम नागरिकों ने भी इसकी सराहना की। महापौर गणेश केसरवानी शुक्रवार सुबह अपने निज निवास से साइकिल चलाकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उनके साथ निगम के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं समर्थक भी साइकिल से शामिल हुए। महापौर ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, पेट्रोल-डीजल की खपत और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए अब प्रत्येक नागरिक को जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रहित में त्याग ही सर्वोपरि है और देशसेवा केवल बड़े कार्यों से नहीं बल्कि छोटे-छोटे जनहितकारी प्रयासों से भी होती है।' महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार देशवासियों को ऊर्जा संरक्षण, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। उसी भावना को आत्मसात करते हुए उन्होंने ईंधन बचत का संकल्प लिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि छोटी दूरी तय करने के लिए अधिक से अधिक साइकिल या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें, जिससे ईंधन की बचत के साथ-साथ प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाया जा सके। नगर निगम कार्यालय पहुंचने के बाद महापौर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक सप्ताह में एक दिन भी निजी वाहन का प्रयोग कम कर दे तो देश में करोड़ों लीटर ईंधन की बचत संभव है। उन्होंने युवाओं से भी फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल अपनाने का आह्वान किया।

मेजा में दर्दनाक सड़क हादसाः ट्रैक्टर की टक्कर से नवविवाहिता की मौत, भाई गंभीर घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेजा/प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक नवविवाहिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा लहरी गांव के समीप उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस के अनुसार हादसे में मुस्कान पुत्री स्वर्गीय सुबराती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई मोहम्मद इरफान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मेजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल अस्पताल भेजवाया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मुस्कान की शादी करीब एक महीने पहले ही हुई थी। शुक्रवार को वह अपने भाई मोहम्मद इरफान के साथ बाइक से घर जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक लहरी गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मुस्कान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनका भाई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। नवविवाहिता की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी मातम का माहौल है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी को इलाहाबाद HC से राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती तथा उनके शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका खारिज कर दी है। आशुतोष महाराज ने उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। आरोप लगाया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जमानत की शर्तो उल्लंघन किया है। इसलिए उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना के आरोप में केस चलाया जाए। शुक्रवार को अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं तो याची के पास इसे निरस्त कराने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज के झूंसी थाने में पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था।

आबकारी केस से जस्टिस स्वर्ण कांता ने खुद को हटाया

●लेकिन केजरीवाल पर अवमानना केस शुरू किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अरविंद केजरीवाल द्वारा आबकारी केस की सुनवाई से हटाने के लिए लगातार दबाव बनाए जाने के बीच आखिरकार जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अब खुद को उस केस से हटा लिया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं पर एक नया मुक़दमा शुरू कर दिया। जस्टिस शर्मा ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, विनय मिश्रा और सौरभ भारद्वाज समेत अन्य नेताओं पर सोशल मीडिया पर उनके ख़िलाफ़ अपमानजनक और झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए अवमानना का केस शुरू किया है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि अगर वे आबकारी मामले की सुनवाई जारी रखती हैं तो केजरीवाल और अन्य लोग सोच सकते हैं कि उनके मन में उनके प्रति नाराजगी है। यही कारण बताते हुए उन्होंने यह केस दूसरी बेंच को ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने साफ़ कहा, 'यह केस इसलिए ट्रांसफर नहीं किया गया क्योंकि केजरीवाल और अन्य लोग मुझे हटाए जाने की मांग कर रहे थे। मैंने पहले उनकी रिक्यूजल याचिका खारिज कर दी थी। लेकिन अब अवमानना केस शुरू होने के बाद स्थिति बदल गई है।' जस्टिस शर्मा ने कहा, 'संवैधानिक साहस का कभी-कभी व्यक्तिगत मूल्य चुकाना पड़ता है।' लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस शर्मा ने कहा, 'मैं अपने 'रिक्यूज़ल' के आदेश पर कायम हूँ। मैं इसमें एक भी शब्द नहीं बदलूँगी... मैंने इस संस्था और खुद के लिए आवाज़ उठाई है।' शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि केजरीवाल अदालत के अंदर तो सम्मान दिखाते हैं, लेकिन अदालत के बाहर उन्होंने उनके ख़िलाफ़ समन्वित अभियान चलाया। उनके वीडियो को एडिट करके फैलाया गया। जस्टिस शर्मा ने कहा कि एक कॉलेज कार्यक्रम के वीडियो को काट-छांटकर आरएसएस इवेंट बता दिया गया। उन्होंने कहा कि उनके बच्चों को भी मामले में घसीटा गया, जबकि वे इस केस से बिल्कुल जुड़े नहीं थे। जस्टिस शर्मा ने कहा कि पत्र लिखे गए, वीडियो वायरल किए गए और सोशल मीडिया पर जज की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ मेरे खिलाफ नहीं, पूरी न्याय व्यवस्था के खिलाफ बदनामी का अभियान था। अगर किसी को जज पसंद नहीं तो वह जज पर पक्षपात का आरोप लगा दे, वीडियो एडिट कर दे और सोशल मीडिया पर फैला दे- तो यह अराजकता होगी।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस शर्मा से अनुरोध किया कि वे आबकारी मामले की सुनवाई जारी रखें। उन्होंने कहा कि रिक्यूजल मांगने वालों को सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था, न कि सोशल मीडिया पर अभियान चलाना चाहिए। लेकिन जस्टिस शर्मा ने कहा, 'मैं जानती हूं कि मेरे सामने किस तरह का मुवक्किल है। अगर मैं सुनवाई करती रही तो वे फिर कहेंगे कि मैं उनके खिलाफ हूं।'

चुनाव आयोग ने की दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब समेत 16 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

ब्यूरो प्रयागराज। निर्वाचन आयोग ने देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की शुरुआत की घोषणा कर दी है। आयोग का यह कदम मतदाता सूची को अद्यतन और अधिक सटीक बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक, तीसरे चरण के तहत कई बड़े राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के विवरण की जांच और सूची को अपडेट करने का काम किया जाएगा। आयोग के अनुसार, तीसरे चरण में ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नागालैंड और त्रिपुरा में विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेशों में दमन-दीव, चंडीगढ़ और दिल्ली को भी इस चरण में शामिल किया गया है। तीसरे चरण की घोषणा के साथ ही संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनावी तैयारियों को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान के तहत छात्राओं को दी गई कानून की जानकारी

पाकुड़, झारखंडः- झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा प्रभारी सचिव विशाल मांझी के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड स्थित लिट्टीपाड़ा +2 विद्यालय में नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान के तहत छात्राओं को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जनहित में योग्य व्यक्तियों को प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता तथा नालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नालसा के टॉल फ्री नंबर 15100 पर मुफ्त कानूनी समस्या, सहायता एवं जानकारी हेतु संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक गंगाराम टुडू ने बाल विवाह रोकथाम, उसके दुष्प्रभाव एवं उससे संबंधित कानूनी दंड प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा डायन प्रथा एवं दहेज प्रथा जैसे सामाजिक कुरीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मिडिएटर मीनू टुडू ने घरेलू हिंसा एवं पारिवारिक विवादों से संबंधित कानूनी पहलुओं की जानकारी देते हुए लोगों से कानूनी विवादों से बचने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, पैरा लीगल वॉलंटियर्स भरत कुमार साहा, जयंती टुडू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विशेष अभियान विश्वास के तहत कोडरमा पुलिस ने 101 खोए मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए

कोडरमा, झारखंडः- कोडरमा पुलिस ने विशेष अभियान विश्वास के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए आम नागरिकों के 101 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कोडरमा से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष के निर्देश पर जिले में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत टेक्निकल सेल, कोडरमा ने आधुनिक तकनीकी अनुसंधान, मोबाइल ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण के माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया। सभी 101 मोबाइल फोन का सत्यापन करने के बाद उन्हें उनके वैध मालिकों को पुलिस अधीक्षक के हाथों सौंपा गया। लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने कोडरमा पुलिस के प्रति आभार जताया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना में सूचना दें और छ्ष्द्धक्र पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर मोबाइल बरामद किया जा सके। कोडरमा पुलिस ने कहा कि आम लोगों की सुरक्षा और सेवा के प्रति पुलिस लगातार प्रतिबद्ध है।

दुलाडीह में महिलाओं की बैठक आयोजित, स्वरोजगार और सामाजिक जागरूकता पर हुई चर्चा

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर प्रखंड के दुलाडीह एवं पदमपुर गांव की महिलाओं द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनने की दिशा में प्रेरित करना था। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में फुरकान अंसारी उपस्थित रहे। इस दौरान महिलाओं ने कहा कि गांव की महिलाएं भी स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगी, क्योंकि वर्तमान समय की यही आवश्यकता है। बैठक में शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने, संगठित रहने तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। महिलाओं ने राज्य सरकार द्वारा संचालित मैया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना एवं बिजली बिल माफी योजना की सराहना करते हुए झारखंड सरकार तथा मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के प्रति आभार व्यक्त किया। पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने महिलाओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों, विशेषकर बच्चियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा अन्य समस्याओं के समाधान हेतु मंत्री के समक्ष अपनी बात निसंकोच रखने की अपील की। बैठक का समापन सामाजिक जागरूकता एवं एकता के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में मुख्य रूप से बसंती देवी, नमिता देवी, ममता देवी, आरती देवी, प्रियंका कुमारी, बबिता देवी, मालती देवी, खुशबु देवी, पूर्णिमा देवी, गोलोनी सोरेन, सबिता मरांडी, अंजलि कुमारी, मनोज राय एवं गणेश राय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भौतिक सत्यापन को लेकर सभी पंचायतों में तीन दिवसीय शिविर शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- उपायुक्त कार्यालय के निर्देशानुसार बरही प्रखंड की सभी पंचायतों में मंईयां सम्मान योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभुकों के भौतिक सत्यापन को लेकर तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शुरू किया गया है। यह शिविर 15 मई से 17 मई तक आयोजित किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही एवं पात्र लाभुकों तक पहुंचे, इसी उद्देश्य से पंचायत स्तर पर विशेष सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। शिविर के माध्यम से लाभुकों की पहचान, दस्तावेजों की जांच तथा योजनाओं की वर्तमान स्थिति का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। शिविर में संबंधित पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, पंचायत पर्यवेक्षक, पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी सेविकाएं तथा जेएसएलपीएस की दीदियां उपस्थित रहकर लाभुकों का सत्यापन कार्य कर रही हैं। प्रखंड प्रशासन द्वारा पंचायतवार शिविर लगाकर लाभुकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जा रही है, ताकि अपात्र लाभुकों को चिन्हित किया जा सके और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे। शिविर के दौरान ग्रामीणों को योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। बीडीओ जयपाल महतो ने सभी लाभुकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने पंचायत में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। बरही पश्चिमी मुखिया शमशेर आलम, पूर्वी मुखिया मीनू देवी, बेन्दगी सिकंदर राणा, गौरियाकरमा मुखिया कुमारी मीरा, केदारुत

मुखिया सरिता देवी, खोड़ाहर मुखिया अनिता देवी, करसो मुखिया उषा राम, कोनरा मुखिया यास्मीन तब्बसुम, पंचमाधव बसरिया मुखिया नीलम देवी, धनवार मुखिया राजेन्द्र प्रसाद, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी, दुलमाहा मुखिया नारायण यादव, मलकोको मुखिया विजय यादव, विजैया मुखिया मकिना खातून, भंडारों मुखिया रीना देवी, कोल्हुआकला मुखिया मंगलदेव यादव, डपोक मुखिया इंदिरा देवी सहित अन्य पंचायतों के मुखिया एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मध्यगोपाली में संध्या प्रवचन मंच का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- जबनपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम मध्यगोपाली में आयोजित श्री श्री 108 श्री शनिदेव जयंती सह षष्ठम वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन संध्या प्रवचन मंच का उद्घाटन बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, स्थानीय मुखिया जानकी यादव, भाजपा कार्यकर्ता विकास यादव तथा समारोह अध्यक्ष मोहन यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि मध्यगोपाली में इस प्रकार के धार्मिक आयोजन से पूरे क्षेत्र में सनातन संस्कृति को मजबूती मिल रही है। उन्होंने आयोजन समिति को भव्य एवं सुंदर कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मंच उद्घाटन के बाद प्रवचनकर्ता एवं आचार्य नंदकिशोर पांडेय जी महाराज ने अपने मधुर वचनों से कथा का शुभारंभ किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मध्यगोपाली का यह आयोजन न केवल भक्ति की भावना को मजबूत कर रहा है, बल्कि सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में

भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बताया गया कि पिछले छह वर्षों से शनि देव मंदिर के संस्थापक एवं जयंती समारोह के प्रणेता मोहन यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों के सहयोग से इस भव्य आयोजन का सफल संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन समारोह सचिव सियाराम कुमार भारती ने किया। वहीं समारोह अध्यक्ष मोहन यादव ने आचार्य नंदकिशोर पांडेय जी महाराज को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, मुखिया जानकी यादव एवं भाजपा नेता विकास यादव ने मोहन यादव को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में खूबलाल साव, रंजीत प्रजापति, भरत सिंह, युगलकिशोर साव, बसंत राणा, कैलाश साव, जगदीश साव, सीताराम साव, मीरा देवी सहित सभी पुजारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

आदिवासी संस्कृति संरक्षण हेतु 27 लाभुकों के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण

महेशपुर, पाकुड़, झारखंडः- महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी ने गुरुवार को महेशपुर प्रखंड कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 27 लाभुकों के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण किया। कार्यक्रम का आयोजन समेकित जनजाति विकास अभिकरण के तत्वावधान में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने लाभुकों को ढोल, नगाड़ा, मांदर तथा घुंघरू जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है तथा पारंपरिक वाद्य यंत्र हमारी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। कार्यक्रम में झामुमो जिला सचिव माइकल मुर्मू, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, जिला संगठन सचिव अनरद्दीन मियां, उप प्रमुख नसीमा खातून, प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव तथा रिजवान अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एकमा विधायक ने एकमा सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

● एक सप्ताह में सुधार के लिए कड़े निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एकमा (सारण)। एकमा विधायक मनोरंजन कुमार सिंह उर्फ धूमल सिंह ने शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ एकमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। विधायक के अचानक अस्पताल पहुंचने से कर्मियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई, स्वास्थ्य व्यवस्था, स्टाफ कर्मियों की उपस्थिति सूची समेत अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। कई जगहों पर कमियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजन कुमार से अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अस्पताल की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जा रहा है। तय समय के भीतर व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ट्रांसफर कराने की अनुशंसा की जाएगी। विधायक ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एकमा प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि बच्चा सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह से बीस सूत्री अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, विपिन सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ साजन कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक वाहीद अख्तर, लेखाकार ब्रजेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे। उधर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजन कुमार ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर अस्पताल आने वाले मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में अगर किसी स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा लापरवाही पायी जाएगी, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धूप-छांव की 'आंख मिचौली' जारी, तीखी धूप और गर्म हवाओं ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- बीते शुक्रवार को क्षेत्र में तीखी धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों की परेशानी बढ़ती दिखी। दिनभर मौसम में धूप-छांव की आंख मिचौली जारी रही। दोपहर करीब दो बजे आसमान में बादल छाए रहने से लोगों को बीच-बीच में राहत भी मिलती रही। तीखी धूप की प्रखर किरणों से धरती तिलमिलाती नजर आई। गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ तथा लोग छांव की तलाश करते दिखे। वहीं, लताओं एवं अन्य कोमल हरी वनस्पतियों पर भी गर्मी का असर दिखाई पड़ा और उनकी हरियाली मुरझाती नजर आई। पिछले कुछ दिनों से मौसम अपेक्षाकृत सुहाना बना हुआ था, लेकिन 15 मई को अचानक बढ़ी गर्मी और तेज धूप ने लोगों को परेशान कर दिया। दोपहर के समय बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल देखी गई और बाजार वीरान नजर आने लगे। इसके बाद संध्या करीब चार बजे से मौसम में बदलाव देखने को मिला। पाकुड़िया के आसमान में बादल गरजने लगे तथा बिजली की कड़क भी सुनाई दी, जिससे वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई। समाचार प्रेषण तक मौसम सुहावना बना हुआ था तथा लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलती दिखाई दी।

सीएम उत्कृष्ट विद्यालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग के सीएम उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल) का शुक्रवार को उपायुक्त हेमन्त सती द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने 12वीं की परीक्षा में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन नहीं होने पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्राचार्या निकिता कुमारी से मुलाकात की तथा शिक्षण व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय में शिक्षकों की उपलब्धता की जानकारी ली। इस पर प्राचार्या ने बताया कि कक्षा 6 से 12 तक कुल 520 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं तथा सभी विषयों के लिए कुल 28 शिक्षक कार्यरत हैं। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों के कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि विद्यालय का शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर हो सके। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति की भी समीक्षा की तथा विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ प्रेरित करने पर भी जोर दिया। उपायुक्त श्री सती ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के बेहतर तरीके भी बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय की गहराई से समझ विकसित करें तथा पिछले 10 से 12 वर्षों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करें। जिन प्रश्नों को समझने में कठिनाई हो, उन्हें शिक्षकों से पूछें तथा मोबाइल का सकारात्मक उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री का लाभ उठाएं। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि प्रत्येक अध्याय की पढ़ाई पूर्ण होने के बाद नियमित रूप से टेस्ट आयोजित करें तथा विद्यार्थियों को लिखकर अभ्यास करने के लिए प्रेरित करें। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया तथा प्राचार्या को आवश्यक संसाधनों से संबंधित किसी भी समस्या को प्रशासन के संज्ञान में लाने को कहा एवं परिसर में साफ सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित रहकर पूरी मेहनत और लगन के साथ अध्ययन करने का संदेश दिया।

जिला पदाधिकारी के जनसुनवाई कार्यक्रम में 58 मामलों की सुनवाई

● कई मामलों का मौके पर ही हुआ निपटारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय में दिनांक 15मई, शुक्रवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने एक-एक कर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।कार्यक्रम के दौरान 58 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मुद्दे, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण व मरम्मत तथा राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। कई मामलों में जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिली। जनसुनवाई में उर्मिला देवी, अंगूरी खातुन, छठू दास, राजेन्द्र मिश्रा, घनश्याम यादव, पुनम देवी, अनिल कुमार, राकेश कुमार, साफिया खातून, पुनिता देवी, लव कुमार, हीरालाल कुमार, नवीन सिंह, प्रेम कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। यह कार्यक्रम सात निश्चय-3 के तहत चलाए जा रहे सबका सम्मान-जीवन आसान अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान उप विकास आयुक्त, काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, वरीय उप समाहर्ता, रोचना माद्री, नगमा तबस्सुम, अहमद अली, पीजीआरओ, बेतिया, मासूम अंसारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रांची में करंट से बेटे की मौत, सदमे में पिता ने भी तोड़ा दम

सोनाहातू। राहे थाना क्षेत्र के सीसीटांड़ गांव में ट्रांसफार्मर पर बांस की झूलती टहनियां के संपर्क में आने से 54 वर्षीय गुलेश्वर भोक्ता की मौत हो गई। घटना के संबंध में स्वजनों ने बताया कि बुधवार रात को बाड़ी में स्थित ट्रांसफार्मर पर बांस की टहनियां के संपर्क में आने से गुलेश्वर भोक्ता बेहोश हो गया था, तत्काल उसे सिंगपुर नर्सिंग होम मूरी ले जाया गया। इलाज के दौरान गुरुवार शाम को गुलेश्वर की मौत हो गई। गुरुवार रात शव को गांव लाया गया तो बेटा की मौत की सूचना पर सदमे में हृदयगति रुकने से पिता 74 वर्षीय खेदु भोक्ता का भी मृत्यु हो गई। परिवार में दो मौत होने से स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक गुलेश्वर भोक्ता का दो पत्नी और दो बेटी है। शुक्रवार सुबह राहे थाना पुलिस की जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। घटना की सूचना पर जिप सदस्य बादल महतो, उप प्रमुख उमेश महतो, मुखिया प्रतिनिधि संतोष मुंडा, ललित मुंडा, आजसू नेता मनोरंजन भोक्ता आदि लोग गांव में पहुंचकर स्वजनों से मुलाकात किए। बिजली विभाग से बात कर मुआवजा देने की मांग की गई।

बेतिया राज की जमीन पर भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन का पर्चा दो- रवीन्द्र कुमार 'रवि'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। भाकपा (माले) रेड फ्लैग के योगापट्टी अंचल कमिटी की ओर से अंचल कार्यालय के समक्ष पांच सूत्री मांगों को लेकर दर्जनों कार्यकर्त्ताओं द्वारा साथी संजय यादव की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना को संबोधित करते हुये भाकपा (माले) रेड फ्लैग के राज्य सचिव कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने कहा की केन्द्र की नरेन्द्र मोदी, अमित शाह की सरकार विगत 12 वर्षों से गरीबों के मान-सम्मान के साथ खुलेआम नंगा नृत्य कर रही है। उन्होनें कहा कि मोदी ने अच्छे दिन लाने के नाम पर पूरे देश के गरीबों को ठेंगा दिखाते हुये अडानी,अंबानी के हाथों देश के राष्ट्रीय सम्पदा को बेच दिया है। आगे उन्होने कहा की मोदी, शाह द्वारा सभी सरकारी तंत्रों के बलबुते मनुवादी सोच के तहत संविधान को अपने बुट तले रौंधते हुयें लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया गया है। आगे उन्होंने सूबे के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आडे हाथों लेते हुये कहा की बिहार में बुल्डोजर का धौंस पर दशकों से बसे हुये गरीबों की झुग्गी झोपड़ी, जमीदोज कर बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों को एक रुपये की लीज पर दिया जा रहा है। आगे राज्य सचिव ने आगे कहा कि जोगा पट्टी आंचल अंतर्गत खाता नंबर 219 खेसरा नंबर 2130 एवं सेटलमेंट की जमीन खाता नंबर 838 खेसरा नंबर 2399 की जमीन को दबंग महंथ चौधरी, रामाकांत चौधरी, लालबाबू चौधरी ने वर्षो से कब्जा किये हैं उक्त जमीन को जिला प्रशासन से शीघ्र मुक्त कराने की मांग की।

कॉमरेड रवीन्द्र ने आगे बताया की एपस्टिन फाईल के तमाम सबुतों को छुपाने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अनावश्यक रुप से ईरान पर युद्ध थोपा गया है और प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप का तलुआ चाटने के लिए मजबूर हैं। रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने आगे कहा की मोदीजी देशवासियों को सोना नहीं खरीदने, तेल का बचत करने,विदेश नहीं जाने वगैरह-वगैरह तमाम उपदेशों का पाठ पढ़ा रहे हैं। जबकि वे जनता के सभी टैक्स के पैसों का खुलेयाम लुटाने

में कोई कसर तक नहीं छोड रहे हैं। रेड फ्लैग के नेता हरिशंकर प्रसाद ने कहा की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन को विगत तीन माह से नहीं दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग किया की सरकार वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन को प्रतिमाह पांच हजार करने के लिए ठोस पहल कदमी ले। धरना को संजय यादव, रवीन्द्र चौधरी, वीरझन महतो, वीरेन्द्र चौधरी, हरिशंकर प्रसाद महेन्द्र चौधरी आदि नेताओं ने संबोधित किया। हरिशंकर प्रसाद के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल द्वारा पांच सूत्री मांगों का एक ज्ञापन अंचलाधिकारी महोदया को सौपा गया। उक्त जानकारी मुन्नीलाल चौधरी ने दी।

रेलवे के 70 हजार प्वाइंट्समैन को मिलेगा प्रमोशन, कैडर रिस्ट्रक्चरिंग आदेश जारी

धनबाद। अभी तक रेलवे प्वाइंट्समैन की नियुक्ति लेवल वन में होती थी और लेवल 2 तक ही पदोन्नति चैनल उपलब्ध थे। अब प्वाइंट्समैन के लिए पदोन्नति के नए द्वार खुल गए हैं। रेलवे में प्वाइंट्समैन के लेवल 5 तक की पदोन्नति का आदेश रेलवे बोर्ड ने जारी कर दिया है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक पे कमिशन संदीप पाल ने इससे जुड़ा आदेश सभी जोन को जारी कर दिया है। इस बारे में नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन-एनएफआईआर के सहायक महामंत्री और ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस के जोनल महामंत्री पीएस चतुर्वेदी ने बताया कि एनएफआईआर लंबे समय से यह मांग करती आ रही है। एनएफआईआर के पीएनएम के एजेंडे में भी यह शामिल था। फेडरेशन और रेलवे बोर्ड के बीच बनी सहमति के बाद कैडर रिस्ट्रक्चरिंग का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया था। वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के बाद रेलवे बोर्ड ने आदेश जारी कर दिया। इसका लाभ देशभर के लगभग 70 हजार प्वाइंटसमैन को मिलेगा। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ने इसे अपनी बड़ी जीत बताया।

शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु शिष्टमंडल ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। दिनांक 14 मई को बिहार शिक्षक एकता मंच पश्चिम चंपारण के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी पश्चिमी चंपारण से जिले में शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु मिलकर अवगत कराया। शिष्टमंडल में विपिन प्रसाद, नर्वोदय ठाकुर, नंदन कुमार, प्रशांत प्रियदर्शी, राजेश राय, प्रमोद कुमार कुशवाहा, शिव कुमार सिंह, मनोज प्रभाकर शामिल रहे। मुख्य मांगों में जिले में मध्याह्न भोजन मद में विद्यालयों का बकाया राशि चार(4) करोड़ का भुगतान, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पश्चिमी चंपारण द्वारा मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों से विना वजह प्रत्येक माह राशि की कटौती पर रोक, जांच के नाम पर आर्थिक शोषण पर रोक, शिक्षकों के सभी प्रकार के बकाया राशि का भुगतान, सभी कोटि के शिक्षकों का शीघ्र प्रोमोशन, जिले में सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन पक्के पकाया गर्म भोजन बच्चे को उपलब्ध कराने हेतु विधालय शिक्षा समिति से बनवाया जाए, सहित सभी मांगों पर शिष्टमंडल के साथ चर्चा हुआ। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने 20 मई को एकता मंच के

साथ बृहत वार्ता के लिए तिथि का निर्धारण किया। 20तारीख की वार्ता के सफलता के लिए 16 मई को प्राथमिक शिक्षक संघ कार्यालय बानूछापर में एकता मंच में शामिल शामिल संगठनों की बैठक 2बजे दिन में बुलाई गई है। शिक्षक एकता मंच पश्चिम चंपारण जिले के तमाम शिक्षक शिक्षिकाओं से आग्रह करती है कि प्राथमिक से लेकर 10+2के स्तर पर अगर कोई नीजि या सामुहिक किसी प्रकार की समस्या है तो आप निश्चित रूप से बैठक में शामिल होकर लिखित रूप से अपनी बात रख सकते हैं ताकि समस्याओं का संकलन कर 20मई के वार्ता में रखा जा सके। शिक्षक एकता मंच में शामिल तमाम संगठनों के प्रखंड से लेकर प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों से आग्रह है कि आप ससमय उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका सुनिश्चित करें।

केंद्र में भाजपा के 12 साल विफल : इकरामुल अंसारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड, झारखंडः- राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इकरामुल अंसारी ने केंद्र की मोदी सरकार तथा झारखंड की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर जनहित के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार 12 वर्षों के पूर्ण बहुमत के बावजूद जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। प्रेस बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि आज महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि से आम जनता परेशान है, जबकि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अब आम लोगों की विदेश यात्रा और सोना खरीदने तक पर प्रतिबंधात्मक नीतियां लागू की जा रही हैं। गोड्डा पावर प्लांट का मुद्दा उठाते हुए इकरामुल अंसारी ने कहा कि भाजपा शासनकाल में किसानों की जमीन उद्योगपति अडाणी समूह को देकर पावर प्लांट स्थापित कराया गया, लेकिन वहां उत्पन्न बिजली झारखंड के लोगों को न देकर बांग्लादेश भेजी जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि गोड्डा की बिजली झारखंड को उपलब्ध कराई जाए। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उस समय जल संकट के नाम पर केवल लूट-खसोट हुई। 'हाथी डूबा तालाब' जैसी योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ तथा बड़े बांध निर्माण कार्यों में भी भारी अनियमितताएं देखने को मिलीं। इसके विपरीत वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार ने राज्यभर में हजारों तालाबों के जीर्णोद्धार, पुनासी जलाशय परियोजना तथा सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं पर तेजी से कार्य किया है। शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली भाजपा सरकार ने हजारों विद्यालय बंद कर दिए तथा पारा शिक्षकों पर लाठीचार्ज कराया। वहीं वर्तमान सरकार ने विद्यालयों को उन्नत किया, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित किए तथा पारा शिक्षकों को स्थायी करने का कार्य किया। साथ ही सावित्रीबाई फुले छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से छात्राओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। रोजगार के मुद्दे पर इकरामुल अंसारी ने केंद्र सरकार से

सवाल किया कि प्रत्येक वर्ष दो करोड़ रोजगार देने के वादे के बावजूद युवाओं को रोजगार क्यों नहीं मिला। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, वस्तु एवं सेवा कर तथा सरकारी विभागों के निजीकरण के कारण रोजगार के अवसर समाप्त हुए हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना की भी आलोचना करते हुए कहा कि इससे युवाओं का भविष्य असुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण तथा विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। अंत में उन्होंने जनता से महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भाजपा से जवाब मांगने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

सर्किल के सभी चारों थानों की अपराध समीक्षा करते हुए सीओ कोंच परमेश्वर प्रसाद

कोंच (जालौन)- गुरुवार देर शाम कोतवाली में सर्किल के सभी चारों थानों की अपराध समीक्षा करते हुए सीओ कोंच परमेश्वर प्रसाद ने थाना प्रभारियों और दरोगाओं को क्षेत्र में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। कोतवाली में आयोजित अर्दली रूम में सीओ ने सभी थानो एवं चौकियों के प्रभारियों को अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त बढ़ाने तथा जनता से बेहतर संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है। इसके साथ ही लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण और वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह, शिव शंकर, शशिकांत चौहान, अवनीश पटेल, अभिषेक सिंह, सुमित पांडे, शिवनारायण, शुभम परमार सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना में एसटी किसानों को मिलेगा ब्लास्ट कूप का लाभ, आवेदन प्रक्रिया शुरू

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा चयन, ऑनलाइन पंजीकरण के साथ जमा करने होंगे जरूरी दस्तावेज

ललितपुर। जनपद के अनुसूचित जनजाति (टीएसपी) वर्ग के किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 अंतर्गत मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत जनपद ललितपुर को ब्लास्ट कूप (इन-वेल बोर/ब्लास्टेड वेल) निर्माण का नया लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के माध्यम से पात्र किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए स्थायी जलस्रोत उपलब्ध कराया जाएगा। लघु सिंचाई खंड अधिशासी अभियंता द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक किसानों का चयन प्रथम-आवक, प्रथम-पावक (पहले आओ-पहले पाओ) के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए किसानों को विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। योजना का लाभ लेने के लिए किसान लघु सिंचाई विभाग पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण के बाद निर्धारित दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र संबंधित विभागीय कार्यालय में जमा करना होगा।

एएलएस एम्बुलेंस ने गंभीर मरीज को समय पर पहुंचाया झांसी, परिजनों ने जताया आभार

जिला अस्पताल से रेफर मरीज को मेड केयर 365 टीम ने सुरक्षित पहुंचाया मेडिकल कॉलेज

ललितपुर। जिला अस्पताल में संचालित एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस सेवा ने एक बार फिर गंभीर मरीज को समय पर उच्च चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर मानवता और सेवा का उदाहरण पेश किया। सीने में तेज दर्द और हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मरीज लालचंद (50 वर्ष) को बेहतर उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया था। इसके बाद जिला अस्पताल में संचालित मेड केयर 365 की एएलएस एम्बुलेंस ने बिना देरी किए मरीज को सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज झांसी पहुंचाया। रास्ते में एंबुलेंस में मौजूद ईएमटी शिवम ने मरीज की लगातार निगरानी की और अस्पताल पहुंचने पर भर्ती प्रक्रिया भी पूरी कराई। इस दौरान पायलट सुरेंद्र सिंह भी साथ मौजूद रहे। बताया गया कि जिला अस्पताल में संचालित एएलएस एंबुलेंस सेवा गंभीर रूप से घायल या गंभीर मरीजों को चिकित्सकों के रेफरल पर निशुल्क उच्च चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। जरूरत पड़ने पर उत्तर प्रदेश के अन्य हायर सेंटरों तक भी मरीजों को भर्ती कराने में सहायता प्रदान की जाती है। मरीज के परिजनों ने समय पर मिली एंबुलेंस सेवा और चिकित्सा टीम की तत्परता की सराहना करते हुए मेड केयर 365 का आभार व्यक्त किया।

कोन: शिक्षा मित्र के भरोसे चल रहा है प्राथमिक विद्यालय गिजिनियादार्म- अध्यापक गायब

● लोगों ने किया कार्रवाई की मांग, संबंधित विभाग मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- शिक्षा क्षेत्र कोन के ग्राम पंचायत पीपरखाड़ अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय गिजिनियादाम 'के एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। बतातें चलें कि गुरुवार तड़के लगभग 8.16 बजे बच्चे खेलते नजर आये। जिसके क्रम में बच्चों से पूछने पर पता चला कि प्रभारी प्र. अध्यापक गायब होना बताया और महीने में कभी कभार ही विद्यालय आने की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो उक्त अध्यापक के उपर ब्लॉक के संबंधित अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। जहाँ एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री बच्चों के शिक्षा के लिए कटिबद्ध हैं और स्पष्ट निर्देश है कि कोई बच्चा अशिक्षित व भूखे न रहे किन्तु जमीनी हकीकत कोन में कुछ और बयाँ कर रही है। जानकारों का कहना है कि शिक्षक विद्यालय समय में इधर उधर अन्य ऑफिस में देखे जा सकते हैं। क्षेत्र में कुछ ऐसे भी अध्यापक हैं जो नियत समय पर विद्यालय उपस्थित नहीं होते हैं जिससे बच्चों का भविष्य चौपट होता जा रहा है और वहीं ब्लॉक से संबंधित अधिकारी जाँच या कार्रवाई के नाम पर चुप्पी साधे बैठे हैं और शिकायत को निराधार बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। जिसके क्रम में मौके पर उपस्थित पीपरखाड ग्राम प्रधान संजय पासवान ने भी प्रभारी अध्यापक के गैरहाजिर रहने की बातें स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग से अपील किया है कि सभी अध्यापक समय से विद्यालय उपस्थित हों ताकि गरीब आदिवासी बच्चों को शिक्षा मिल सके और शिक्षित होकर आगे चलकर देश या प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के शिक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जायेगा। विभाग ऐसे लापरवाह अध्यापक के उपर विभाग नकेल कसें जिससे नियमित पठन पाठन सुनिश्चित हो सके,अन्यथा की स्थिति में ऐसे लापरवाह अध्यापक को यहाँ से हटाकर अन्य अध्यापक की नियुक्ति की जाए। वहीं प्रभारी प्र. अध्यापक का पक्ष जानने का प्रयास किया गया किन्तु कॉल रीसीव नहीं हुआ। इस बावत् खण्ड शिक्षा अधिकारी कोन विश्वजीत कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया किन्तु कॉल रीसीव नहीं हुआ। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र ने सेल फोन पर कहा कि प्रकरण की जाँचकर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी । अब देखना दिलचस्प होगा कि बच्चों को बुनियादी शिक्षा मिल पायेगा या सिर्फ कागजों पर सिमट कर रह जायेगा।

ओबरा पुलिस द्वारा दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

ओबरा/ सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओबरा सदानन्द राय के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 88/2026 धारा 115(2), 351(3), 352, 64(2)रू 324(2) बीएनएस व 5एल/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 15.05.2026 को थाना ओबरा पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त पवन कन्नौजिया पुत्र केवल कन्नौजिया निवासी कोठा टोला डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 20 वर्ष को शारदा मंदिर के पास ओबरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से प्र0नि0 श्री सदानन्द राय, थाना ओबरा, उ0नि0 श्री राम सिंह यादव, का0 प्रवीण कुमार राय, रि0आ0 विमल कुमार शामिल रहे।

विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल के छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को उन सभी सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय में बुला कर मिष्ठान्न खिलाकर मुंह मीठा कराया गया।

स्कूल प्रबंधन और स्टाफ ने शुक्रवार को छात्र-छात्राओं को विद्यालय बुलाकर उन्हें मिठाई खिलाई एवं मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्रा सृष्टि अग्रवाल ने 82.4 फीसदी अंक पाकर विद्यालय में अव्वल रही, द्वितीय स्थान पर तन्वी पटेल ने 82.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जबकि अतुल कुमार ने तीसरे स्थान के लिए 81.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा कनिष्का राजावत एवं रागिनी गुर्जर ने 77.8, नित्या कुमारी ने 74.8, जयकांत अग्रवाल ने 74.2, देवांश गुप्ता ने 72.8, तन्वी ने 73.8 तथा अक्षत रिछारिया ने 70.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य सभी विद्यार्थियों ने भी 65 फीसदी से अधिक अंक अर्जित किए हैं। विद्यालय के लिए यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यालय की कक्षा 12वीं की यह पहली सीबीएसई बोर्ड परीक्षा थी तथा छात्र संख्या मात्र 21 थी। विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष श्रीप्रकाश निरंजन एवं प्रबंधक सुरेंद्र कुमार निरंजन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कारयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। विद्यालय की प्रथम बोर्ड परीक्षा में प्राप्त यह शानदार उपलब्धि भविष्य में और बेहतर परिणामों की प्रेरणा बनेगी।

महिला ने जमीन पर अवैध कब्जा और उत्पीड़न की शिकायत की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- शुक्रवार को नदीगांव क्षेत्र की एक महिला ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर जमीन पर अवैध कब्जा और उत्पीड़न की शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम मड़ैयन की रहने वाली ज्ञानकुंवर ने बताया कि उनकी मौजा डांग खैराई स्थित आराजी संख्या 114, रकबा 0.0300 हेक्टेयर भूमि को दबंगई के बल पर जोत लिया गया है। ज्ञानकुंवर ने बताया कि उक्त जमीन उन्हें वसीयत के माध्यम से प्राप्त हुई थी और उसका दाखिल-खारिज भी उनके नाम पर हो चुका है। वर्तमान खतौनी में भी उनका नाम दर्ज है। इसके बावजूद उनकी बहन के पति निवासी ग्राम कुंदरखा थाना कैलिया ने जबरन जमीन पर कब्जा कर उसे जोत-बखर दिया।

ज्ञानकुंवर का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी लड़ाई-झगड़े पर आमादा हो गया। उन्होंने बताया कि वह अधिकांश समय बाहर रहती हैं, जिसका फायदा उठाकर आरोपी उन्हें लगातार परेशान कर रहा है। ज्ञानकुंवर ने एसडीएम से मांग की कि संबंधित थाना पुलिस को आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित करें, साथ ही अपनी भूमि पर शांतिपूर्ण कब्जा बनाए रखने और खेती-किसानी के कार्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं उत्पन्न होने देने की भी गुहार लगाई है।

जिलाधिकारी ने दिये आंधी-तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं विद्युत आपूर्ति बहाली के निर्देश

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश - जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद में 13 मई को आए आंधी-तूफान से हुई क्षति के दृष्टिगत समस्त उप जिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आंधी-तूफान के कारण हुई पशुहानि, आवासीय क्षति एवं अन्य नुकसान से संबंधित रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित लोगों को शासन की मंशा के अनुरूप शीघ्र सहायता प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है, वहां अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता विद्युत द्वारा युद्धस्तर पर कार्य करते हुए विद्युत व्यवस्था शीघ्र बहाल कराई जाए। उन्होंने टूटे हुए विद्युत खंभों एवं क्षतिग्रस्त लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने के निर्देश दिए तथा कहा कि जनपद के सभी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

रॉबर्ट्सगंज निवासी फिरोज अहमद और उनके परिवार के सदस्यों को मिला न्याय

● स्थाई लोक अदालत के हस्तक्षेप पर बीमा कंपनी ने 11 लाख 50 हजार रूपये का चेक दिया

● राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एडीआर भवन में संचालित स्थाई लोक अदालत में हुआ सुलह समझौता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/ सोनभद्र- राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एडीआर भवन में संचालित स्थाई लोक अदालत ने शुक्रवार को सुलह समझौता के आधार पर बीमा कंपनी से वादी टीचर्स कालोनी रॉबर्ट्सगंज निवासी फिरोज अहमद और उनके परिवार के सदस्यों को 11 लाख 50 हजार रूपये की धनराशि का चेक दिलवाया। करीब 6 माह बाद स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप पर यह सफलता मिली। बता दें कि रॉबर्ट्सगंज टीचर्स कालोनी निवासी वादी फिरोज अहमद ने 11 नवंबर 2025 को स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। वादी के बेटे ऐयाज अहमद की 15 दिसंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बाइक के बीमा की वैधता 19 नवंबर 2024 से 18 नवंबर 2025 तक थी। बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी को सभी कागजात उपलब्ध कराने पर बीमा की धनराशि 15 लाख रुपये की मांग की गई थी। बीमा कम्पनी ने पहले देने का आश्वाशन दिया, लेकिन बाद में देने से इनकार कर दिया। तब मजबूर होकर स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार फिरोज अहमद पुत्रतौफीक अहमद, रुबीना खातून पत्नी फिरोज अहमद व सुहेल अहमद पुत्र फिरोज अहमद निवासीगण टीचर्स कालोनी रॉबर्ट्सगंज, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने लगाई थी। स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप के बाद बीमा कंपनी की तरफ से सुलह समझौता के आधार पर मामले का निस्तारण करते हुए वादी फिरोज अहमद व रुबीना खातून को 4-4 लाख रुपये व सुहेल अहमद को साढ़े तीन लाख रुपये का चेक स्थाई लोक अदालत अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद द्वारा दिया गया। इस प्रकार से कुल 11 लाख 50 हजार रुपये का चेक दिया गया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद ने बताया कि स्थस्यी लोक अदालत में जनहित सेवाओं से संबंधित मामले जैसे बिजली, पानी, अस्पताल, परिवहन, बीमा, शिक्षा, डाक, नगर पालिका आदि के मुकदमें बगैर किसी कोर्ट फीस के देखे जाते हैं। इस अवसर पर स्थाई लोक अदालत के सदस्य नीरज सिंह, आशीष मिश्रा, अधिवक्ता दशरथ सिंह, आलोक वर्मा, जमुना आदि लोग मौजूद रहे।

गेंहू खरीद मे शिथिलता बरतने वाले केन्द्र प्रभारी हटाये जाएँगे- देवेंद्र कुमार सिंह

●सहायक आयुक्त ने चोपन और जुगैल गेंहू केंद्रो का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन/ सोनभद्र- सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सोनभद्र देवेंद्र कुमार सिंह ने शुक्रवार को चोपन तथा जुगैल गेंहू क्रय केंद्रो का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एडीसीओ ओबरा अवधेश सिंह तथा एडीसीओ घोरावल डॉक्टर सुरेश भी उपस्थित रहे। बतादें कि चोपन बीपैक्स पर कुल खरीद 37 किसानो से 1431 कुंटल पाई गई। निरीक्षण के समय किसान निधि लाल के 80 कुंटल गेंहू की तौल हो रही थी।केन्द्र प्रभारी रामअनंत ने बताया कि अभी केवल 245 कुंटल की डिलीवरी हुई है।

टोकन रजिस्टर मे केवल 48 किसानो का नाम देखकर सहायक आयुक्त ने केन्द्र प्रभारी को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि अधिक से अधिक किसानो से संपर्क करके टोकन रजिस्टर मे नाम दर्ज करे तथा एक किसान से एक बार से अधिक गेंहू खरीदने की बजाय अधिक से अधिक किसानो से नियमानुसार गेंहू खरीद करें ।इसी तरह जुगैल मे 30 किसानो से 1785 कुंटल खरीद हुई पाई गई।केन्द्र प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया कि अभी डिलीवरी शून्य है।सहायक आयुक्त ने जिलाप्रबंधक पीसीएफ को तत्काल इन केन्द्रो से डिलीवरी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

समिति से रबी अभियान मे पाँच सौ से अधिक किसानो को उर्वरक से लाभान्वित किया गया है ।इसके सापेक्ष टोकन रजिस्टर मे सिर्फ 34 किसानो के नाम देखकर सहायक आयुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देशित किया कि क्षेत्र भ्रमण करके अधिक से अधिक किसानो का टोकन लगाया जाए और खरीद मे तेजी लाई जाये। सहायक आयुक्त ने यह भी कहा कि खरीद मे शिथिलता बरतने वाले केन्द्र प्रभारियो को प्रभार से हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके पूर्व विकास भवन में तहसील ओबरा के उर्वरक केन्द्र प्रभारियो की बैठक करते हुए सहायक आयुक्त ने खरीफ मांग को 30 मई तक तथा रबी मांग को 30 जून तक शत प्रतिशत वसूली करने के निर्देश दिए। बिक्री केंद्र प्रभारियो को आगाह करते हुए निर्देशित किया कि उर्वरक बिक्री नगद हो या चेक पर ,बगैर फार्मर आईडी के किसी को उर्वरक नहीं दिया जाएगा।

उर्वरक का वितरण निर्धारित प्रारूप पर ही होगा तथा पॉस मशीन के बगैर एक बोरी भी किसी को नहीं दी जाएगी। बैठक मे एडीसीओ ओबरा अवधेश सिंह, एडीसीओ घोरावल डॉक्टर सुरेश,एडीसीओ दुद्धी अजय कुमार ,जिला प्रबंधक पीसीएफ रोहित गुप्ता, वरिष्ठ सहायक इबरार अहमद, महेश मौर्य, सचिव रामअनंत, उमाशंकर यादव , रामकृत,हेमनाथ यादव, वासुदेव यादव, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी आलोक शेखर, शोएब इत्यादि उपस्थित रहे।

लागौन के ग्रामीणों ने लेखपाल पर लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

» डीएम से की ट्रांसफर और कार्रवाई की मांग
» हदबंदी और खसरा बनवाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप
» ग्रामीण बोले, गांव में बढ़ रहे भूमि विवाद

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लागौन के ग्रामीणों ने क्षेत्रीय लेखपाल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जिलाधिकारी को सामूहिक शिकायती पत्र सौंपा है। ग्रामीणों ने लेखपाल पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली तथा गांव में जानबूझकर भूमि विवाद उत्पन्न कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही जनहित में तत्काल ट्रांसफर कर किसी ईमानदार अधिकारी की तैनाती की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, गांव में तैनात लेखपाल को यहां आए अभी करीब एक माह से अधिक समय हुआ है, लेकिन इस दौरान गांव में भूमि संबंधी विवाद तेजी से बढ़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल बिना सक्षम अधिकारियों के निर्देश के पुरानी जमीनों की दोबारा नाप-जोख कराकर विवाद की स्थिति पैदा कर रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि लेखपाल एक सामान्य खसरा तैयार कराने के नाम पर किसानों से 500 रुपये तक की मांग करता है, जबकि खेतों की हदबंदी और नापजोख के नाम पर 20 हजार से 30 हजार रुपये तक वसूले जाने की बात कही गई है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर लेखपाल कथित रूप से कहता है कि उसके रिटायरमेंट में दो साल शेष हैं और वह इस अवधि में अधिक से अधिक कमाई करना चाहता है। ग्रामीणों का कहना है कि लेखपाल के इस रवैये से गांव की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम लागौन निवासी तुलाराम, अशोक, राजपाल सिंह, मीना, सुभाष, गंगाप्रसाद, हरीराम, भरोसी सहित अन्य ग्रामीणों ने 15 मई 2026 को सामूहिक हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशान के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर लेखपाल के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा तत्काल प्रभाव से उनका स्थानांतरण किया जाए। अब ग्रामीणों की निगाह जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

विदेश में नौकरी पाने का सुनहरा मौका

रोजगार संगम पोर्टल पर शुरू हुआ भाषा प्रशिक्षण पंजीकरण

ललितपुर। युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर सामने आया है। सेवायोजन विभाग द्वारा विदेशों में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए एक वर्ष का निशुल्क भाषा ज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आगामी 1 जून 2026 से प्रारंभ होगा। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर जाकर विकल्प के माध्यम से अपनी पसंद की भाषा का चयन कर पंजीकरण करा सकते हैं। विभाग ने बताया कि रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से जर्मनी के अस्पतालों, क्लीनिकों और केयर होम में नर्स के पदों पर भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। इन पदों के लिए बीएससी नर्सिंग अथवा जीएनएम योग्यता रखने वाले फ्रेशर एवं अनुभवी दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु 20 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा जर्मन भाषा का ज्ञान आवश्यक होगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थियों को भाषा प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराने के साथ-साथ रोजगार संगम पोर्टल पर जॉब सीकर के रूप में भी अपना रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही अभ्यर्थी ओवरसीज जॉब के लिए आवेदन कर सकेंगे।

ललितपुर की बेटी निकहत खान अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

● बैडमिंटन प्रशिक्षक अब्दुल समद की बेटी निकहत खान ने विज्ञान शोध में हासिल की बड़ी उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर के एक सामान्य परिवार से निकलकर विज्ञान की दुनिया में अपनी पहचान बना रहीं निकहत खान आज जिले ही नहीं बल्कि देश के लिए गर्व का विषय बन गई हैं। अपनी मेहनत, लगन और वैज्ञानिक सोच के दम पर निकहत ने साइंस के क्षेत्र में कई बीमारियों से जुड़े जीवाणुओं पर महत्वपूर्ण शोध कार्य किया है। उनकी पीएचडी के लिए शोध प्रबंध (थीसिस) भी जमा हो चुका है। निकहत खान की इस उपलब्धि के चलते उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। इसी क्रम में उन्होंने फरवरी 2026 में बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में भारत की ओर से हिस्सा लिया, जहां उन्होंने अपने शोध और प्रस्तुतिकरण से वैज्ञानिकों को प्रभावित किया तथा सराहना प्राप्त की। अब निकहत खान को 19 से 21 मई 2026 तक ऑस्ट्रिया में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में भाग लेने की स्वीकृति मिली है। वह 17 मई को भारत से ऑस्ट्रिया के लिए रवाना होगी और वहां देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। निकहत के पिता अब्दुल समद स्वयं एक अच्छे बैडमिंटन खिलाड़ी और प्रशिक्षक रहे हैं। बेटी की इस सफलता से परिवार, खेल जगत और शहर के लोगों में खुशी का माहौल है। निकहत खान की यह उपलब्धि खासतौर पर मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। उनकी सफलता यह संदेश दे रही है कि मेहनत, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है।

28 मई को होगी जिला सैनिक बंधु बैठक

भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का होगा निस्तारण

ललितपुर। जनपद के भूतपूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों की वीरांगनाओं (विधवाओं) एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान के लिए 28 मई 2026 को जिला सैनिक बंधु बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अपराह्न 12.30 बजे से शुरू होगी। कर्नल आशीष अहलूवालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मामलों पर सुनवाई कर उनका निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो भी भूतपूर्व सैनिक, वीरांगना अथवा आश्रित अपनी समस्याओं का समाधान चाहते हैं, वे अपनी समस्या से संबंधित प्रार्थना पत्र दो प्रतियों में तैयार कर आवश्यक दस्तावेजों एवं पहचान पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुए 22 मई 2026 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, ललितपुर में स्वयं उपस्थित होकर जमा करें। उन्होंने कहा कि समय सीमा के भीतर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को भेजा जाएगा, ताकि बैठक में समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

आज से चलेगा भूमि पैमाइश अभियान, जिलाधिकारी करेंगे रोजाना समीक्षा

● सत्य प्रकाश ने राजस्व वसूली, लंबित वादों के निस्तारण और प्रवर्तन कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में भूमि संबंधी मामलों के त्वरित निस्तारण और राजस्व कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से शनिवार से विशेष भूमि पैमाइश अभियान शुरू किया जाएगा। इसकी जानकारी शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कर-करेत्तर एवं राजस्व प्रासियों की समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने की। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों और राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि लेखपालों के माध्यम से कल से ही जनपद भर में भूमि पैमाइश अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने ने विगत पांच वर्षों से लंबित राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण कराया जाए। साथ ही धारा 34 के अंतर्गत एक वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगली बैठक में यदि ऐसे प्रकरण लंबित पाए गए तो संबंधित तहसीलदारों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। भू-राजस्व वसूली की प्रगति संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदारों को व्यक्तिगत रुचि लेकर वसूली कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक में तहसीलवार भू-राजस्व रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। नगर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को स्वकर वसूली में तेजी लाने और लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों, उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्वगणना प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा क्षेत्र में जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर द्वारा स्वगणना से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक, सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विधायक अमिताभ बाजपेई के घर के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा, परमट पहुंचे कर किया पूजन

कानपुर। शहर में उस समय सियासी हलचल तेज हो गई जब समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ बाजपेई के आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। घर के आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन नियंत्रित कर दिया गया, जिससे इलाके में हलचल का माहौल बना रहा। विधायक अमिताभ बाजपेई ने अपने आवास पर हवन-पूजन करने के बाद समर्थकों के साथ परमट स्थित आनंदेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान परमट क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया और सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी नजर आई। बताया जा रहा है कि परमट स्थित एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर पहले से ही राजनीतिक माहौल गर्म था। हाल ही में स्कूल के भूमि पूजन को लेकर भाजपा और सपा समर्थकों के बीच विवाद और झड़प की स्थिति भी सामने आई थी, जिसके बाद क्षेत्र में पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई थी। विधायक अमिताभ बाजपेई ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर दबाव बनाने की कोशिश बताया। वहीं विपक्षी नेताओं ने इस पूरी कार्रवाई को 'नजरबंदी जैसी स्थिति' करार दिया है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

निःशुल्क विद्युत चालित चाक हेतु 10 जून तक करें आनलाइन आवेदन

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निःशुल्क विद्युत चालित चाक के वितरण हेतु 40 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फार्म भरने की पंजीकरण प्रक्रिया आनलाइन है जो बोर्ड की वेबसाइट upmatikalabaord.in की आनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत 'आनलाइन टूलकिट्स पंजीकरण एवं आवंटन' के नाम से अपलोड किया जाएगा। लाभार्थियों का चयन, चयन कमेटी के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन पत्र आनलाइन भरने की अंतिम तिथि आगामी10 जून निर्धारित है।

कटाव रोकने के कार्य में तेजी लाएं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: जिलाधिकारी

सिद्धार्थनगर। कूड़ा नदी के बांये तट पर स्थित कूड़ा-घोघी तटबंध के कि0मी0 14.940 से 15.190 के मध्य ग्राम-इमिलिया एवं कि0मी0 20.040 से 20.290 के मध्य ग्राम-मस्जिदिया के समीप कटाव निरोधक कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा परियोजना के कार्य में लांचिंग एप्रन एवं स्टेपस्लोप पिचिंग का कार्य प्रगति पर पाया गया।

अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना में 250 मी0 की एज क्रेटिंग, स्टेप स्लोप पिचिंग, स्लोप पिचिंग एवं 03 रो में परक्यूपाईन का कार्य प्रस्तावित है साथ ही साथ यह भी अवगत कराया गया कि कार्य के प्रारम्भ की तिथि 31.03.2026 एवं कार्य समाप्ति की तिथि 30.06.2026 है। कार्य स्थल पर कार्य की गुणवत्ता मानक के अनुरूप संतोषजनक पायी गयी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने निर्देश दिया कि समस्त कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान इं0 कृपाशंकर भारती, अधिशासीअभियन्ता, ड्रेनेज खण्ड, रवि रंजन कुमार, सहायक अभियन्ता, ड्रेनेज खण्ड, राधेश्याम भारती, जूनियर इंजीनियर, ड्रेनेज खण्ड, राकेश कुमार, जूनियर इंजीनियर, ड्रेनेज खण्ड, व अन्य संबधित उपस्थित रहे।

नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल का असर तेज, जोन-6 कार्यालय पर लगा ताला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नगर निगम कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर चल रहे कार्य बहिष्कार का असर अब नगर निगम कार्यालयों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शुक्रवार को आंदोलनरत कर्मचारियों ने नगर निगम के जोन-6 कार्यालय को पूरी तरह बंद कर दिया, जिससे कामकाज ठप हो गया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने कार्यालय में मौजूद अन्य कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया और गेट पर अंदर से जंजीर बांधकर ताला लगा दिया। कार्यालय बंद होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र, हाउस टैक्स, नामांतरण समेत कई जरूरी कार्यो के लिए पहुंचे लोगों को बिना काम कराए वापस लौटना पड़ा।

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच दूर-दराज से आए नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई बुजुर्ग, महिलाएं और आम नागरिक घंटों इंतजार करने के बाद निराश होकर लौट गए। लोगों ने नगर निगम प्रशासन और हड़ताली कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जताई। आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए निकली गाड़ियों को भी रोक दिया। नगर निगम मुख्यालय और अन्य जोनल कार्यालयों में भी कामकाज प्रभावित बताया जा रहा है। हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था और जरूरी नागरिक सेवाओं पर असर पड़ने लगा है, जिससे आम जनता की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

शिवली में दबोचा गया गो- मांस तस्कर गिरोह का शातिर इनामी राजू बंजारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां देहात में अपराध नियंत्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस द्वारा गो मांस तस्कर मो.जुबेर अंसारी पुत्र मो. रिजवान, निवासी 98/179 गोरा कब्रिस्तान बेकनगंज थाना बेकनगंज कानपुर नगर, आसिफ पुत्र शकील निवासी 98/179 मोहम्मदी अस्पताल के पास रेल पटरी बेकनगंज कानपुर नगर को 100 किग्रा0 गोमांस स्कूटी ले जाते हुये पकड़कर जेल भेजने के बाद अब उसके फरार साथी 15000 के इनामी को भी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस के अनुसार औरैया से लाने के बाद उपरोक्त गो मांस को जेल भेजे गए आरोपी कानपुर बेचने के लिये ले जा रहे थे ,लेकिन निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के अमरेंद्र बहादुर की सक्रियता के फल स्वरुप वे कानून के शिकंजे में फंसने से बच नहीं सके थे।

पुलिस विभाग के माध्यम से जन सेवा के कर्तव्य मार्ग पर सफलता पूर्वक अग्रसर हर तरह के अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में भी अग्रणी लोक हित में अपनी धुन के पक्के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई वाली टीम ने फरार चल रहे 15 हजार रुपये के ईनामिया अभियुक्त राजू बंजारा पुत्र लालाराम निवासी ग्राम रामपुर रामसहाय थाना अछल्दा जनपद औरैया को भी मुखबिर खास की सूचना पर भेवान नहर पुल से केशरी निवादा जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले जुझारू तेवरों वाले कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि 100 किलो गोमांस गिरफ्तार जेल भेजे जा चुके कल्लू कुरैशी पुत्र हसीन कुरैशी एवं जुनैद का यह सहयोगी साथी राजू बंजारा पुत्र लालाराम निवासी ग्राम रामपुर रामसहाय थाना अछल्दा जनपद औरैया फरार चल रहा था, जिस पर?15000 का इनाम भी घोषित किया गया था। इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में 15000 के इनामी गौ मांस तस्कर राजू बंजारा पुत्र लालाराम को गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर शिवेन्द्र कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल मोहित कुमार, कांस्टेबल अभिषेक और रिक्रूट महिला कांस्टेबल ज्योति आदि शामिल रहे।

दहेज हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोंच(जालौन)- कस्बे के मोहल्ला आराजीलेन दोहर चौराहा निवासी विवाहिता मुस्कान (24) द्वारा गत रोज पति से विवाद के बीच फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने के मामले में दर्ज दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित मृतका के पति इकबाल उर्फ इकलाख को कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को एट तिराहा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में फरार चल रहे शेष आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस जुटी है। गौरतलब हो कि मृतका के मायके वालों ने बुधवार की शाम पोस्टमार्टम के उपरांत शव कोतवाली के बाहर लोडर में रखकर हंगामा काटा था। उक्त लोग ससुरालीजनों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे थे। काफी देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने जब मृतका के पति समेत ससुराल पक्ष के कुल 5 लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी तब कहीं जाकर मायके पक्ष के लोग कोतवाली से शव ले गए थे और गुरुवार की सुबह शव का अंतिम संस्कार किया जा सका था। मृतका की मां सलमा बानो पत्नी चंदू निवासी मोहल्ला नारोभास्कर जालौन की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के पति इकबाल उर्फ इखलाख, ससुर नेकसाई, सास छोटीबाई, देवर गुड़के और अनीस के विरुद्ध धारा 80(2), 85, 115(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट में एफआईआर दर्ज की थी।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज तहसील पट्टी में

प्रतापगढ़। माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन के परिप्रेक्ष्य में आज 16 मई को जनपद स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में किया जायेगा। जनपद स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी, डीएफओ एवं विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शेष अन्य तहसीलों में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन होगा, जिसमे तहसील स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का अनुश्रवण कर शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करेंगे।

डीसीपी यातायात खुद कर रहे हैं शहर में जाम की मोनीटरिंग, अवैध पार्किंग हटाने पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। दिनांक 15.5.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना 'यातायात जाम कम करने (आरटीसी) योजना ' के अंतर्गत शहर के प्रमुख स्थानों- हैलेट अस्पताल मार्ग , कार्डियोलॉजी मार्ग , गोल चौराहा, जरीब चौकी,कोपरगंज तिराहा, टाटमील चौराहा , झकरकटी बस अड्डा मार्ग एवं आईसीसीसी नगर निगम का भौतिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी ट्रेफिक द्वारा यातायात व्यवस्था , सड़क पर वाहन दबाव , अवैध पार्किंग , ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन , सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। डीसीपी द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम , सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हैलेट अस्पताल मार्ग एवं कार्डियोलॉजी मार्ग के आसपास मरीजों एवं तीमारदारों की अधिक आवाजाही को दृष्टिगत रखते हुए अवैध पार्किंग हटाने, सभी तिराहों एवं चौराहों से कम से कम 100 मीटर तक ई-रिक्शा एवं ऑटो खड़े न होने देने, ई-रिक्शा एवं ऑटो के लिए निर्धारित स्टॉप चिन्हित करने तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अस्पताल क्षेत्रों में एम्बुलेंस आवागमन को प्राथमिकता देने हेतु विशेष यातायात प्रबंधन लागू करने पर भी बल दिया गया। डीसीपी यातायात रविन्द्र कुमार द्वारा बताया गया कि ' यातायात जाम कम करने (आरटीसी) योजना ' का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

गुमशुदा व्यक्ति की हत्या कर शव को छिपाने की घटना का सफल अनावरण, शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना चकेरी पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा व्यक्ति की हत्या कर शव को छिपाने/गायब करने की घटना का सफल अनावरण करते हुये घटना में सम्मलित शातिर अभियुक्त को आज गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दिनाँक 17.4.26 को थाना चकेरी पर कानपुर नगर पर विष्णुचन्द्र त्रिवेदी निवासी जवाहरपुरम मंगला बिहार प्रथम थाना चकेरी कानपुर नगर द्वारा सूचना दी गयी कि उनका पुत्र अंकित त्रिवेदी उम्र करीब 37 वर्ष जो कि जनपद बाराबंकी के सिधौर ब्लाक में प्राथमिक चिकित्सालय में वार्ड व्वाय रुप में कार्यरत थे दिनाँक 16.4.26 को सांय करीब16.30 बजे ड्यूटी के लौटने के पश्चात समय करीब 18.20 बजे मोबाइल पर फोन आने के पश्चात अपनी पत्नी को दोस्त के साथ मलवा जनपद फतेहपुर जाने की बात कहते हुये अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से चला गया जो कि अभी तक नही लौटा है जिस संबध मे तत्काल थाना चकेरी पर गुमशुदगी अंकित की गयी थी दौरे जाँच गुमशुदगी गुमशुदा अंकित त्रिवेदी की स्विफ्ट डिजायर कार जनपद फतेहपुर के थाना क्षेत्र हथगाँव स्थित ग्राम पट्टीशाह के पास लावारिस दशा में मिली जिस पर

गुमशुदा अंकित त्रिवेदी के साथ किसी आपराधिक घटना होने के क्रम में गुमशुदगी को आपराधिक अभियोग दर्ज किया गया।

विवेचना के क्रम में सीसीटीवी फूटेज/सर्विलांस, बयानात व उपलब्ध अन्य सुसंगत साक्ष्य के आधार पर 1. रेहान 2. शादाब 3. अल्तमस 4. सत्यम मिश्रा के द्वारा अंकित त्रिवेदी को दिनांक 16.4.26 को ले जाकर उसकी हत्या कर शव को गंगा नही में फेंके जाने का अपराध पाया गया। जिस पर दिनाँक 2.05.26 को 1. रेहान 2. शादाब 3. अल्तमस को गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है तथा वाछित अभियुक्त सत्यम मिश्र कल दिनांक 14.5.26 समय 14.30 बजे ग्राम बागरमऊ जनपद उन्नाव से गिरफ्तार किया गया है।

अभियुक्त द्वारा पूछताछ पर बताया कि गुमशुदा अंकित त्रिवेदी का में दोस्त था। अंकित त्रिवेदी जो कि सरकारी नौकरी करता था। उसके एकाउंट में लाखो रुपये रहते थे जिसको हम लोग किसी बहाने से बुलाकर उसके मोबाइल से पैसे ट्राँसफर कराकर व उसके पास नगदी लूट कर आपस में बाट लिया जायेगा। जिस पर रेहान ने अंकित त्रिवेदी से उसकी कार शादी मे बुंकिग पर ले चलने के बाद दिनाँक 16.04.26 को कही गयी जिस पर अंकित त्रिवेदी द्वारा सहमति देते हुये अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से रेहान द्वारा बताये गये स्थान रामादेवी चौराहा के फ्लाई ओवर पर सांय 19.00 बजे पहुँचा गया। जहाँ से रेहान अपने साथी शादाब व अल्तमस अहमद के साथ स्विफ्ट डिजायर से अंकित के लेकर जनपद फतेहपुर शादी शामिल होने के लिये निकल गये थे।

कार के पीछे मै अपनी बाइक/मोटरसाईकिल से आ रहा था जब हमलोग जनपद फतेहपुर स्थित थाना क्षेत्र हथगाँव, बहदग्राम ग्राम समतमऊ के करीब रात्रि 22.00 बजे सुनसान स्थान पर पानी पीने व पेशाब करने के बहाने से गुमशुदा अंकित त्रिवेदी की गला दबा कर हत्या करना व उसके शव को छुपाने के उद्देश्य से थाना सुल्तानपुर घोष चौकी क्षेत्र नौबस्ता जनपद फतेहपुर मे स्थित गंगा नदी मे ले जाकर शव को फेक देना तथा उसके सामान को छुपाने के उद्देश्य से गंगा नदी व उसके आस पास फेंक देना तथा अंकित त्रिवेदी की कार को छुपाने के उद्देश्य से उसकी कार को लावारिस दशा मे छोडकर हथगाँव के ग्राम शाहपट्टी जनपद फतेहपुर मे छोड़कर, ई-रिक्शा से खागा रेलवे स्टेशन आकर जरिये ट्रेन कानपुर नगर होते हुये हम चारो अभियुक्तगण मुम्बई निकल भाग निकले थे।

न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में होगा सीबीएसई नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रतापगढ़ को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सीबीएसई द्वारा आयोजित नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट 2026-27 की मेजबानी का अवसर न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल को प्रदान किया गया है। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉक्टर शाहिदा ने बताया कि सीबीएसई द्वारा नेशनल लेवल के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी मिलना न केवल विद्यालय बल्कि पूरे प्रतापगढ़ जिले के लिए गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट में सम्पूर्ण भारत ही नहीं बल्कि यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कतर, सिंगापुर, जापान इत्यादि विदेशी सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूलों की यू-14, यू-17 और यू-19 आयु वर्ग की बालक की टीमें हिस्सा लेंगी।

विद्यालय प्रबंधन ने आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कबड्डी कोर्ट, खिलाड़ियों के रहने-खाने की व्यवस्था, मेडिकल टीम और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। अनुमान है कि 1500 से अधिक खिलाड़ी और 100 से अधिक ऑफिशियल्स इस टूर्नामेंट में प्रतिभाग करेंगे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन कुमार सोनी ने कहा कबड्डी भारत का पारंपरिक खेल है।सीबीएसई के इस टूर्नामेंट से ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच

मिलेगा। हमारा प्रयास रहेगा कि खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं मिलें और प्रतापगढ़ का नाम खेल के नक्शे पर रोशन हो। जिला खेल अधिकारी श्रीमती पूनम लता राज ने भी स्कूल को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन से जिले में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिलेगी और स्थानीय युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

सीबीएसई की नई शिक्षा नीति के तहत चार परीक्षा केंद्रों पर गणित की परीक्षा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत दूसरी बोर्ड परीक्षा का आयोजन प्रतापगढ़ के चार परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुआ। पहली बार लागू किए गए इस सिस्टम के तहत छात्रों को साल में दो बार परीक्षा देने का अवसर दिया जायेगा, जिससे वे अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकें। सीबीएसई ने इसके लिए प्रतापगढ़ में चार केंद्र न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, संस्कार ग्लोबल स्कूल, आइंस्टीन पब्लिक स्कूल लालगंज तथा जेएमजी पब्लिक स्कूल कालाकांकर को बनाया है। जहां शुक्रवार से परीक्षाएं शुरू हुईं।

कल शुक्रवार को गणित विषय की परीक्षा हुई जिसमें प्रतापगढ़ के 47 सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालयों के 1358 परिक्षार्थी रजिस्टर्ड थे, जिसमें 1273 परीक्षार्थी शामिल हुए तथा 85 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर तथा न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल बिपिन कुमार सोनी ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीबीएसई आब्जर्वर की देख रेख में परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर सभी छात्रों को प्रदत्त एडमिट कार्ड और स्कूल आईडी के साथ परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले पहुंचना था। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों को ड्रेस कोड का पालन करते हुए स्कूल यूनिफॉर्म में परीक्षा देना था। परीक्षा के दौरान, छात्रों को प्रश्न पढ़ने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट दिए गए।न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की चेयर पर्सन डॉ शाहिदा ने बताया कि सीबीएसई कक्षा दस की दूसरी बोर्ड परीक्षा 21 मई को समाप्त होगी। शनिवार 16 मई को अंग्रेजी विषय की परीक्षा होगी।

दरोगा की तहरीर पर आधा दर्जन के खिलाफ केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश में हुई मारपीट की घटना को लेकर दरोगा की तहरीर पर आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली के दरोगा ज्ञानचंद्र तिवारी बीती 14 मई को खालसा सादात में हुई मारपीट की सूचना पर पहुंचे। दरोगा ने दी गई तहरीर में कहा है कि खालसा सादात गांव में सुबह करीब छः बजे मकान बनाने को लेकर एक पक्ष की अनीता सरोज पत्नी अजय सरोज, आंचल सरोज पत्नी विजय सरोज, शकुंतला पत्नी अमृतलाल सरोज तथा द्वितीय पक्ष के रामजतन सरोज व उसके पुत्र मिश्रीलाल सरोज तथा ओमप्रकाश पुत्र मोहनलाल निवासी भवानीगढ़ के बीच गालीगलौज व मारपीट तथा धमकी की घटना हुई। जिसमें अनीता, आंचल तथा रामजतन चोटिल भी हो गये। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

डीजल व पेट्रोल के दामों में बढ़ोत्तरी पूंजीपतियों के फायदे के लिए जनता की जेब पर डांका- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के लालगंज एवं रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के मण्डल एवं न्याय पंचायत व बूथ पदाधिकारियों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मंहगाई तथा बेरोजगारी व स्मार्ट मीटर एवं छुट्टा जानवरों से हो रही जनता को परेशानी भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगी।सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पांच राज्यों में चुनाव बीतते ही मोदी सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थो के दामों में बढ़ोत्तरी कर जनता की जेब पर फिर डांका डाला है। उन्होने कहा कि पेट्रोल प्रति लीटर 3.14 रूपये व डीजल प्रति लीटर 3.11 रूपये की यह बढ़ोत्तरी सिर्फ चंद पूंजीपतियों के लिए मुनाफाखोरी का हथकण्डा है।

उन्होने कहा कि बढ़ती महंगाई तथा पेपरलीक व बेरोजगारी एवं यूपी में जबरिया स्मार्ट मीटर तथा छुटटा जानवरों से फसल नुकसान जैसी कई विफलताओं को लेकर मौजूदा भाजपा सरकार के प्रति लोगों का गुस्सा रोज बढ़ रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद प्रमोद तिवारी ने कार्यकर्ताओं की हौंसला आफजाई करते हुए कहा कि केरल में पार्टी के नेतृत्व में सरकार के गठन के साथ तमिलनाडु में भी पार्टी गठबंधन की सरकार से यह साफ है कि कांग्रेस भाजपा के सभी अलोकतांत्रिक कदमों को रोकने में समर्थ है। उन्होने रामपुरखास में मौजूदा पार्टी विधायक आराधना मिश्रा मोना के नेतृत्व में जनता द्वारा एक नये विश्व रिकार्ड को लेकर भी कार्यकर्ताओं से घर घर पहुंचकर विकास से जुड़ी उपलब्धियों को साझा करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने संगठन सृजन अभियान पर प्रकाश डाला। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, आचार्य विंदेश्वरी पटेल, शिव बहादुर सरोज, देशराज यादव, संजय पाल, पूनम द्विवेदी, श्रीराम वर्मा, मो0 खलील, भारत यादव आदि ने कार्यशाला में सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना को सम्मानित भी किया। पार्श्व गायक रवि त्रिपाठी के गीतों पर भी कार्यकर्ताओं का हौंसला बढ़ा दिखा।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने मनाई महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि

देवरिया। भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक एवं किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि गुरुवार को भुजौली कॉलोनी स्थित भाकियू मंडल संयोजक शहीद ख्वाजा मंसूरी के आवास पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान भाकियू पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि किसानों की आवाज और संघर्ष की पहचान थे। उन्होंने किसानों को जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठाकर उनके अधिकारों के लिए संगठित किया। वक्ताओं ने कहा कि आज भी किसानों के अधिकारों की लड़ाई में टिकैत की संघर्षशील सोच प्रेरणा देती है। भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष किसान नेता विनय सैंथवार ने कहा कि महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों को सिर उठाकर जीना सिखाया। उनका जीवन किसानों की इज्जत और हक की लड़ाई को समर्पित था। वहीं जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण शाही उर्फ बड़े शाही ने कहा कि आज किसानों के सामने फसल का उचित मूल्य, बढ़ती लागत, बिजली, पानी और भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याएं हैं, लेकिन किसान संगठित रहकर हर लड़ाई जीत सकता है। जिला संयोजक सदानंद यादव ने कहा कि टिकैत हजारों किसानों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनते थे और आंदोलन को शांतिपूर्ण लेकिन मजबूत तरीके से आगे बढ़ाते थे। उन्होंने नई पीढ़ी से टिकैत के संघर्ष और विचारों को समझने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विनोद गुप्ता, मदन चौहान, मार्कण्डेय सिंह, अनिल मणि त्रिपाठी, गोविंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पात्र लाभार्थियों को सभी योजनाओ का लाभ मिले: जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिले के लोटन बाजार विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवपुर मस्जिदिया में ग्राम चौपाल-गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चौपाल कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा ग्राम चौपाल-गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी तथा समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को सभी योजनाओ का लाभ मिलना चाहिए। पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाये। आयुष्मान कार्ड से 05 लाख तक का निःशुल्क इलाज की सुविधा है। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसलों के क्षति पूर्ति का भुगतान एवं किसान सम्मान निधि की समस्याओं का निराकरण कराये। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से उन्होंने कहा कि यदि किसी को पेंशन से जुड़ी समस्या है, जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन या दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है, तो वे तुरंत जानकारी दें। ब्लॉक स्तर के कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि महिलाओं को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें ।जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाये। इसके किसी भी प्रकार की हीलाहवाली करने पर संबधित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। ग्राम चौपाल के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम विधिवत रूप से सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ राहुल सिंह,पीडी

नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, डीसीएनआरएलएम देवनन्दन दूबे, उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, खण्ड विकास अधिकारी लोटन सर्वेश मोहन, ग्राम प्रधान रचना श्रीवास्तव व अन्य ब्लाक स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मनी लॉन्ड्रिंग मामलाः जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी अल फलाह ट्रस्ट के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। ट्रायल कोर्ट ने 2 मई को सिद्दीकी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। सिद्दीकी को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला फरीदाबाद में उनके शिक्षण संस्थान में छात्रों द्वारा दी गई फीस से अवैध फंड जुटाने से जुड़ा है।

पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए नई पहल, NDMC ने कर्मचारियों के लिए शुरू की शटल सेवा

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर ईंधन बचत के लिए एनडीएमसी ने भी पहल की है। कर्मचारियों को निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन सेवा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कर्मचारियों की सहूलियत के लिए एनडीएमसी ने शुक्रवार से शटल सेवा भी शुरू की। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलदीप चहल ने सुबह जोर बाग मेट्रो स्टेशन के पास हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरुआत की। शटल में स्वयं भी सफर किया। यात्रा के दौरान कर्मचारियों से संवाद कर ईंधन बचत को लेकर उनके विचारों को जाना।

दिल्ली के शास्त्री पार्क में पार्किंग मालिक को मारी गोली, गैंगस्टर साबिर चौधरी गिरोह ने की वारदात

दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में वीरवार रात गैंगस्टर साबिर चौधरी गिरोह के बदमाशों ने पार्किंग संचालक के कंधे में गोली मार दी। बदमाश पार्किंग में चोरी की कोशिश कर रहे थे। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। घायल हालत में एहसान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से उन्हें जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। एहसान अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क बुलंद मस्जिद क्षेत्र में रहते हैं। वह इलाके में ही एक पार्किंग चलाते हैं। आरोप है रात को पार्किंग में दो बदमाश आए और चोरी करने लगे। संचालक ने विरोध किया तो बदमाशों ने कहा कि वे साबिर चौधरी गिरोह से हैं। पिस्टल निकालकर संचालक के कंधे में गोली मार दी।

बाल-बाल बचा दिल्ली एयरपोर्ट का कार्गो टर्मिनल, माल ढोने वाले वाहन में लगी आग

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर बृहस्पतिवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सामान ढोने वाले एक वाहन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग वाहन से आगे नहीं फैला और इसे समय रहते नियंत्रित कर लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

फोर्कलिफ्ट से आग की लपटें उठने लगीं

सूत्रों के मुताबिक, यह घटना दिन में दो बजे की है। घटना कार्गो टर्मिनल के उस हिस्से में हुई जहां शिपमेंट की आवाजाही जारी थी। तभी सामान ढोने के लिए इस्तेमाल होने वाले एक फोर्कलिफ्ट से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। इससे पहले कि आग विकराल रूप धारण करती या आसपास रखे अन्य शिपमेंट को अपनी चपेट में लेती, वहां तैनात कर्मचारियों और मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए टर्मिनल पर लगे अग्निशामक यंत्रों का तुरंत इस्तेमाल शुरू कर दिया।

दमकल ने समय रहते आग फैलने से रोकी

अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले लोगों की तत्परता से आग आगे नहीं फैल सकी। जैसे ही अग्निशमक दस्ता पहुंचा, उसने कुछ ही मिनटों में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि आग के कारण फोर्कलिफ्ट को काफी नुकसान पहुंचा है। आग कैसे लगी, फिलहाल इसके कारणों का सटीक पता नहीं चल पाया है।

मुंबई में सनसनी.. पत्नी के सामने प्रेमी का गला रेतकर हत्या, 3 घंटे में आरोपी फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई के गोरेगांव पूर्व स्थित आरे पुलिस स्टेशन की हद में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक खौफनाक वारदात सामने आई है। पत्नी पर अवैध संबंधों के शक में एक पति ने पहले पत्नी और उसके कथित प्रेमी को घर बुलाकर साथ में शराब पिलाई, फिर फिल्मी अंदाज़ में पत्नी के सामने ही उसके प्रेमी की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन आरे पुलिस ने तेजी दिखाते हुए महज 3 घंटे के भीतर आरोपी को फिल्मी स्टाइल में दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया और हत्या की गुत्थी सुलझा दी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान भीमराज ओमप्रकाश शर्मा (48) के रूप में हुई है, जबकि मृतक का नाम विकास अशोक भुसारे बताया गया है। दोनों आरे कॉलोनी इलाके के यूनिट 5 नंबर में रहते है.. आरोपी भीमराज की पत्नी को मृतक विकास भुसारे ने पहले छेड़ा था, जिसकी शिकायत आरोपी ने किया था लेकिन उसके बाद भी मृतक बार बार आरोपी की पत्नी के साथ मिलता था और संपर्क बनाए रखा था जिसका गुस्सा आरोपी भीमराज को था इसी कारण हत्या कर दी..

शक बना खून की वजह

आरे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रविंद्र पाटील के मुताबिक आरोपी भीमराज को लंबे समय से अपनी पत्नी और विकास भुसारे के बीच संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर वह कई बार अपनी पत्नी के साथ मारपीट भी कर चुका था। लेकिन इस बार आरोपी ने खौफनाक साजिश रची। उसने विकास को अपने घर बुलाया और पत्नी के साथ मिलकर शराब पार्टी का प्लान बनाया। देर रात तीनों ने साथ बैठकर शराब पी। जब सभी नशे में थे, तभी आरोपी ने विकास को समझाने के अंदाज़ में कहा – 'मेरे घर बार-बार क्यों आते हो, अब दोबारा मत आना... 'इसके बाद अचानक आरोपी का गुस्सा फूट पड़ा। उसने घर में रखा चाकू उठाया और पत्नी के सामने ही विकास का गला रेतना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी तब तक वार करता रहा जब तक विकास की मौके पर ही मौत नहीं हो गई।

हत्या के बाद फरार, पुलिस ने दौड़ाकर दबोचा

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर से। आरे के जंगल में फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आरे पुलिस हरकत में आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत तीन अलग-अलग टीमें बनाई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी जंगल के रास्ते मुंबई छोड़कर भागने की फिराक में था। पुलिस ने घेराबंदी कर रास्ते में ही आरोपी को देखा और पीछा कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में कबूला जुर्म

गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पुलिस पूछताछ में हत्या की पूरी कहानी कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि पत्नी और विकास के कथित संबंधों के शक में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल आरे पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे आगे की जांच के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां के भरोसे को तोड़ते हुए घर से करीब 30 ग्राम सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां के भरोसे को तोड़ते हुए घर से करीब 30 ग्राम सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रियांशु गुप्ता ने अपनी प्रेमिका और मुंहबोली बहन के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि चोरी किए गए गहनों को आरोपी ने दो अलग-अलग ज्वेलर्स को बेच दिया था, ताकि प्रेमिका के साथ घूमने-फिरने और अय्याशी के लिए पैसे जुटाए जा सकें। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दिंडोशी पुलिस स्टेशन की डिटेक्शन टीम सक्रिय हुई। पीएसआई अजीत देसाई और उनकी टीम ने तकनीकी जांच, मुखबिरों की सूचना और लगातार मेहनत के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी प्रियांशु गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस ने चोरी किए गए सोने के गहनों की रिकवरी भी कर ली, जिन्हें दो अलग-अलग दुकानदारों से बरामद किया गया। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बरामद गहने उसकी मां साधना गुप्ता को सौंप दिए गए। इस पूरी कार्रवाई में दिंडोशी पुलिस की तत्परता और डिटेक्शन टीम की मेहनत की सराहना की जा रही है।

लगातार बारिश से में दर्दनाक हादसा — थाना रोड पर टूटे बिजली के तार से साइकिल सवार की मौत

● इलाके में सनसनी, प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल! जिम्मेदार कौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि शहर के थाना रोड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सड़क पर गिरे बिजली के टूटे हुए तार के संपर्क में आने से एक साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल फैल गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह खतरनाक तार काफी समय से सड़क पर पड़ा हुआ था, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। घटना के बाद पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और किसी भी तरह के टूटे बिजली के तार या जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें।

बराक घाटी के सिलचर में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ की मांग तेज

श्रीभूमि : असम के बराक घाटी के सिलचर में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ (Permanent Bench) स्थापित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। इसी क्रम में ब्लू हेवन फाउंडेशन, सिलचर के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता इकबाल अहमद बरभुइया ने आज माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को स्पीड पोस्ट के माध्यम से एक ज्ञापन प्रेषित किया। इस ज्ञापन में उन्होंने बराक घाटी में उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ स्थापित करने की पुरजोर मांग की है। प्रस्तावित पीठ के अंतर्गत कछार, श्रीभूमि, हैलाकांडी और दीमा हसाओ जिलों को शामिल करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी पीठ की स्थापना से क्षेत्र के लोगों को न्याय प्राप्त करने में काफी सुविधा होगी। साथ ही दूर-दराज़ के क्षेत्रों से गुवाहाटी तक यात्रा करने की कठिनाई कम होगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुलभ, त्वरित और प्रभावी बन सकेगी।

भारती सिंह से कम पैसे कमाने पर लोग मारते थे ताने- हर्ष

● हर्ष लिम्बाचिया ने नेहा धूपिया के पॉडकास्ट में बताया कि भारती सिंह के उनसे ज्यादा सफल होने पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कॉमेडियन भारती सिंह और लेखक-निर्माता हर्ष लिम्बाचिया छोटे पर्दे की पॉपुलर जोड़ियों में से एक हैं। सात साल तक डेटिंग करने के बाद इस जोड़े ने 2017 में शादी की थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, हर्ष ने बताया कि चूंकि भारती सिंह उनसे ज्यादा सक्सेसफुल हैं इस वजह से उन्हें कई जगह सुनने को मिला।

नेहा धूपिया के शो पर आए थे हर्ष

नेहा धूपिया ने पति अंगद बेदी के साथ एक पॉडकास्ट शो लॉन्च किया है जिसका नाम उन्होंने डबल डेट रखा है। एपिसोड में हर्ष से पूछा गया कि क्या उन्हें 'अधिक सफल' पत्नी से शादी करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। इस पर हर्ष ने जवाब दिय, 'हां, ऐसा बहुत हुआ है। अगर आप किसी लड़की से शादी कर रहे हैं... और समाज कहता है कि पुरुष को महिला से अधिक सफल होना चाहिए, तो इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन जब कोई महिला पुरुष से अधिक सफल होती है, तो लोगों को अजीब लगता है। '

हर्ष को करना पड़ा था आलोचनाओं का सामना

हर्ष ने कहा, 'पहले मुझे भी थोड़ी असहजता महसूस होती थी, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस अपने काम को बेहतर बनाते रहना है और आगे बढ़ना है। एक लेखक के तौर पर मुझे अच्छी कमाई हो रही थी। फिर भी मैंने प्रोडक्शन में हाथ आजमाया, क्योंकि प्रोड्यूसर बनने का मतलब था कि मैं कम से कम उनके लेवल तक तो पहुंच जाऊंगा। कम से कम कुछ तो होगा। फिर मैंने क्रिएटिव डायरेक्शन शुरू किया। मैंने 'कॉमेडी नाइट्स बचाओ' शो लिखा और उसे बनाया भी। उसके बाद मुझे यह आत्मविश्वास मिला कि मैं भी कुछ कर सकता हूं '

हर्ष ने की कपिल शर्मा की तारीफ

कपिल शर्मा के टैलेंट की तारीफ करते हुए हर्ष ने कहा, 'कपिल भाई पूरी स्क्रिप्ट लिखवा लेते थे, मतलब वो बोलते थे और हम टाइप करते थे।' इस पर भारती ने आगे कहा, 'कपिल भाई की स्क्रिप्ट कोई नहीं लिख सकता। उन्हें गॉड से गिफ्ट मिला है। कॉमेडी सीखी नहीं जा सकती, जब तक कि वो आपके अंदर न हो। जॉनी लीवर भाई और इन सभी लोगों को ईश्वरीय वरदान प्राप्त है। '

जंग के बाद पहली बार यूएई पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, बोले- संकट में अमीरात के साथ खड़ा है भारत

● संयुक्त अरब अमीरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंग के दौरान धैर्य बनाए रखने के लिए यूएई की तारीफ की है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय में भारत आपके साथ खड़ा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया का संकट है. उन्होंने यूएई को भारत का दोस्त बताया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संयुक्त अरब अमीरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंग के दौरान धैर्य बनाए रखने के लिए यूएई की तारीफ की है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय में भारत आपके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया का संकट है. उन्होंने यूएई को भारत का दोस्त बताया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई को अपना दूसरा घर बताया. उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से आपकी वायुसेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, ये भारत के लोगों का सम्मान है। पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानी आई, आपने उन पीड़ित परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की, इसके लिए भी मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं।

पीएम ने यूएई पर हमले की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में ईरान जंग के दौरान यूएई पर जो हमले हुए, उसकी निंदा की. उन्होंने कहा कि यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं. UAE को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, ये किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। मोदी ने आगे कहा- इन कठिन परिस्थितियों में यूएई के राष्ट्रपति ने जिस संयम, साहस का परिचय दिया है, ये बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने में आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों के हम अभिनंदन करते हैं।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध की परिस्थिति का प्रभाव आज पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। भारत ने हमेशा समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी है. होर्मुज के रास्ते को खुला और सुरक्षित बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है. इस विषय में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन आवश्यक है।

F-16 ने पीएम के जहाज को एस्कॉर्ट किया

प्रधानमंत्री का जहाज जब यूएई की सीमा में पहुंचा, तब उसे एफ-16 ने एस्कॉर्ट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए यूएई के राष्ट्रपति खुद एयरपोर्ट आए. उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में छठे आरोपित धनंजय लोखंडे 6 दिन CBI की हिरासत में

● नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में छठे आरोपी धनंजय लोखंडे को अदालत ने छह दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए छठे आरोपी धनंजय लोखंडे को आदालत ने छह दिन के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता ने एजेंसी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें लोखंडे को पूछताछ के लिए छह दिन की हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया गया था।

जांच अभी शुरुआती चरण में

लोखंडे को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से गिरफ्तार किया गया था और ट्रांजिट रिमांड पर अदालत में लाया गया था। सुनवाई के दौरान, सीबीआई ने बताया कि लोखंडे ने लीक प्रश्नपत्र सह-आरोपी शुभम को दिया था, जो उसे एक अन्य आरोपी मनीषा बाघमारे से मिला था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि बड़ी साजिश का पर्दाफाश करना जरूरी है और जांच अभी शुरुआती चरण में है। इससे पूर्व गुरुवार को राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत में नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में पांच आरोपितों को सात दिन की सीबीआई रिमांड में भेजने का आदेश दिया था।

छह आरोपितों पर कल सुनाया था फैसला

मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई ने आरोपितों को पेश कर दावा किया था कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले टेलीग्राम और वाट्सएप के जरिए पीडीएफ फॉर्मेट में प्रसारित किया गया था और इसके पीछे एक सुनियोजित नेटवर्क काम कर रहा था। सीबीआई ने मामले को गहरी साजिश बताते हुए आरोपितों की सात दिन की पुलिस कस्टडी मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था।

10 से 12 लाख रुपये तक की डील की

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नासिक निवासी शुभम खैरनार, जयपुर निवासी मंगलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल व गुरुग्राम निवासी यश यादव के रूप में हुई है। इन्हें अलग-अलग राज्यों से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया था।

जांच एजेंसी के मुताबिक, पेपर लीक के बदले 10 से 12 लाख रुपये तक की डील की गई थी।

दिल्ली के रोहिणी में खुले नाले में गिरकर युवक की मौत, घटना से इलाके में दहशत का माहौल

दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी जिले के विजय विहार थाना अंतर्गत बुध विहार में नाले में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक युवक नशे में था। इसके बाद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। वहीं, दिल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक के शव को कब्जे में लेकर पास के अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस के अनुसार, अभी युवक की पहचान नहीं हो पाई है। युवक की उम्र 25 से 30 साल बताई जा रही है। इस दर्दनाक घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। लोगों का कहना है कि बार-बार मांग की जाती है कि खुले नालों को ढक दिया जाए लेकिन, कोई अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। पुलिस अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर युवक की किन परिस्थितियों में मौत हुई है। जांच के बाद ही सही कारण का पता चल सकेगा।

श्रीभूमि जिले में बाढ़ की भयावह स्थिति, बदरपुर शहर सहित कई क्षेत्र जलमग्न

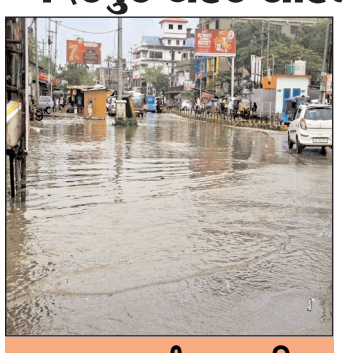

● आम जनजीवन प्रभावित, (NDRF) सक्रिय भूमिका में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : असम के श्रीभूमि जिले में लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण हालात गंभीर हो गए हैं। जिले के विभिन्न टाउन क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ जिले के बदरपुर शहर भी पूरी तरह जलमग्न हो गया है। प्रमुख सड़कों और राजमार्गों पर पानी का तेज बहाव देखा जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बाढ़ की स्थिति के चलते शहर और गांवों में हजारों लोग अपने घरों में फंसे हुए हैं। कई परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और आवश्यक वस्तुओं की भी कमी महसूस की जा रही है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं, हालांकि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है।

शिमला की मृणाल जोशी बनीं यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की गवर्निंग बॉडी जनरल सेक्रेटरी शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला की निवासी मृणाल जोशी को यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की गवर्निंग बॉडी की जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष राघव चंद्र नाथ द्वारा जारी एक बयान में की गई। संगठन के अनुसार, मृणाल जोशी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके युवा सशक्तिकरण, शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक विकास के क्षेत्र में लंबे समय से किए जा रहे कार्यों को देखते हुए सौंपी गई है। मृणाल जोशी वर्षों से युवाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व विकास और सामाजिक बदलाव से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं। नई भूमिका में वे संगठन की नीतियों के क्रियान्वयन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और युवा-केंद्रित कार्यक्रमों के संचालन का कार्य संभालेंगी। यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जो युवाओं को नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन से जोड़ने का कार्य करता है। संगठन का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक स्तर पर अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

मानसून के लिए दिल्ली तैयार, सभी 13 जिलों में तैनात की गई QRT टीमें

● ट्रैफिक जाम और जलभराव से मिलेगी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मानसून के दौरान आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए दिल्ली के सभी 13 जिलों में त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (QRT) का गठन किया गया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के निर्देशों के अनुसार मानसून और अन्य गंभीर मौसम स्थितियों के दौरान आपातस्थितियों से निपटने के लिए इन टीमों का गठन किया गया है। गिरे हुए और उखड़े हुए पेड़ों के कारण उत्पन्न आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा उन्हें तेजी से हटाना भी इनके कार्यक्षेत्र में शामिल है।

तीन शिफ्ट में काम करेंगी टीमें

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक जारी रहेगा। ये टीमें सभी डीएम के तहत काम करेंगी। टीमें तीन शिफ्टों में काम करेंगी। मानसून के दौरान तेज हवाओं और भारी वर्षा से पेड़ों के गिरने या उखड़ने की घटनाएं आम हो जाती हैं। इससे न केवल यातायात ठप होता है, बल्कि जान-माल का नुकसान भी हो सकता है। आधुनिक उपकरणों से लैस ये टीमें सड़कों पर गिरे भारी पेड़ों और टहनियों को तेजी से हटाकर यातायात बहाल करेंगी। डीडीएमए ने स्पष्ट किया है कि नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलते ही टीम को न्यूनतम समय में मौके पर पहुंचना होगा।

जाम और जलभराव से टीमें दिलाएंगी राहत

डीडीएमए का यह आदेश अगले निर्देश तक लगातार जारी रहेगा। सरकार और प्रशासन का उद्देश्य मानसून के चार महीनों के दौरान जलभराव और भारी जाम की समस्या से दिल्लीवासियों को निजात दिलाना है। सभी संबंधित विभागों को इन टीमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा नियंत्रण कक्ष को भी सीधे इन 13 टीमों से जोड़ दिया गया है ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान बिना किसी देरी के हो सके।